हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com जबलपुर, रविवार 23 फरवरी 2025

ग्लोबल इन्वेस्टर समिट 2025 से ठीक पहले 'हरिभूमि' से अपने 'विशेष साक्षात्कार' में सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा

मप्र अब एक 'नई उड़ान' भरने को तैयार, यह समिट इसकी 'आधारशिला' रखेगी

हरि अग्रहरि ▶▶ भोपाल

ग्लोबल इन्वेस्टर समिट 2025 से ठीक पहले 'हरिभूमि' से अपने 'विशेष साक्षात्कार' में सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि ये एक विशेष अवसर है जब हम विकास की नई अवधारणा का सूत्रपात करेंगे। हमने विकास में आम आदमी को शामिल कर निवेश को बिल्कुल धरातल से ऊपर तक उठाया है। ताकि, सरकार के हर संसाधन पर कमजोर वर्ग का भी अधिकार हो। ग्लोबल इन्वेस्टर समिट हमारे लिए एक लांचिंग पैड की तरह है। हम विकास के नए युग में स्टार्ट लेने जा रहे हैं। मप्र अब एक नई उड़ान भरने को तैयार है। यह समिट इस उड़ान की आधारशिला रखेगी। उनसे पूरी बातचीत।

हरिभूमि विशेष

और क्या कहा सीएम ने?

- ▶▶ मप्र सोलर स्टेट, पावर स्टेट, रोड व एयर कनेक्टीविटी का जबरदस्त नेटवर्क
- ▶▶ हमारी सरकार की नीतियां निवेश फ्रेंडली, हमने सारे नियम सरल कर दिए

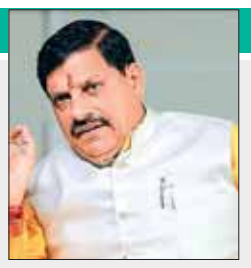

- ▶▶ गरीब, यूथ, अन्नदाता व नारी का उत्थान हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता
- ▶▶ मप्र सरकार ने किसानों की समृद्धि के लिए पूरी ताकत झोंक दी है
- ▶▶ मप्र सरकार संकल्पित है कि युवाओं को हर हाल में रोजगार देंगे

सवाल : मप्र में ऐसा क्या है कि निवेशक इतने आकर्षित हो रहे हैं। ग्लोबल समिट से पहले रीजनल कॉन्क्लेव में ही करीब 4 लाख करोड़ से ज्यादा के निवेश प्रस्ताव आ गए?

जवाब : मप्र में 5 लाख किलोमीटर से अधिक फैला हुआ विस्तृत सड़क नेटवर्क है। यहां 6 वाणिज्यिक हवाई अड्डे और 26 हवाई पट्टियों की व्यवस्था है। प्रदेश में 1.25 लाख एकड़ से अधिक औद्योगिक भूमि उपलब्ध है। इसके साथ 112 विकसित या विकासशील औद्योगिक क्षेत्र और 14 ग्रीनफील्ड साइटस मौजूद हैं। राज्य जल-आपूर्ति के क्षेत्र में भी अग्रणी है। यहां 1,000 एमसीएम से अधिक प्रचुर औद्योगिक जल आपूर्ति की उपलब्धता है। प्रदेश में प्रतिस्पर्धी टैरिफ के साथ 24 गुणा 7 स्थिर बिजली आपूर्ति की जाती है। मप्र सोलर स्टेट, पावर स्टेट है। प्रदेश में प्रमुख औद्योगिक केंद्रों के पास आईआईटी, आईआईएम, एनआईटी, ग्लोबल स्किल पार्क, आईटीआई और मेगा आईटीआई की उपस्थिति है। राज्य खाद्यान्न, दलहन, तिलहन, सब्जियों और फलों का अग्रणी उत्पादक है। लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग राज्य में 40 एमएमटी की भंडारण क्षमता और 13.2 एमएमटी की कोल्ड स्टोरेज क्षमता उपलब्ध है। मध्यप्रदेश स्टील साइलो के निर्माण में अग्रणी राज्य है। इंदौर और भोपाल में आगामी मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क इस क्षेत्र में विकास को नया आयाम देगा। वस्त्र और परिधान भारत के जैविक कपास उत्पादन में 43% और विश्व के जैविक कपास उत्पादन में 24% हिस्सेदारी मध्यप्रदेश की है। मध्य प्रदेश में 60 से ज्यादा बड़ी कपड़ा मिलें और हजारों करघे संचालित हैं। इंदौर में रेडीमेड गारमेंट और अपैरल क्लस्टर में 1,200 से अधिक इकाइयां हैं। मध्य प्रदेश चंदेरी, टसर महेश्वरी, बाघ प्रिंट, हैंड-ब्लॉक प्रिंट, बाटिक प्रिंट आदि जैसे पारंपरिक वस्त्रों का घर है। मप्र अब एक नई उड़ान भरने को तैयार है। यह समिट इस उड़ान की आधारशिला रखेगी।

सवाल: 'ज्ञान से ध्यान' अभियान आपने शुरू किया है। ज्ञान यानी गरीब, यूथ, अन्नदाता व नारी। इनके लिए सरकार की मंशा क्या है?

जवाब: सरकार का पूरा फोकस गरीबों की समृद्धि पर है, ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति गरीब न रहे। इसी तरह इस वर्ष 2025 में एक लाख युवाओं को रोजगार देने का संकल्प पूरा हो जाएगा। समाज में आर्थिक समृद्धि तभी आएगी, जब युवाओं के हाथ में काम होगा। सरकार इसी योजना पर काम कर रही है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट से लाखों करोड़ रुपए का निवेश होगा। इसका प्रत्यक्ष लाभ युवाओं को रोजगार से मिलेगा। हमारे किसान भाइयों की आमदनी दोगुना करने का लक्ष्य सरकार ने रखा है। किसानों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अनेकों योजनाएं चल रही हैं। मप्र सरकार ने किसानों की समृद्धि के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। राज्य सरकार बहनों, बेटियों व माताओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने, उनकी बेहतरी के लिए अनेकों योजनाएं चला रही है। लाड़ली बहना योजना की राशि तीन हजार रुपए तक ले जाएंगे।

सवाल: आपने युवा दिवस पर विवेकानंद युवा शक्ति मिशन शुरू किया है। मप्र बेंगलुरू, हैदराबाद, पुणे व चेन्नई के मुकाबले कब तक खड़ा हो जाएगा?

जवाब: विवेकानंद युवा शक्ति मिशन शुरू करने की एक ही वजह है कि ज्यादा से ज्यादा युवाओं को रोजगार से जोड़ा जा सके। पिछले महीने 12 तारीख से शुरू इस मिशन में 15 से 29 साल तक के युवाओं को चिन्हित कर सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाने की मंशा है। मप्र सरकार संकल्पित है कि युवाओं को हर हाल में रोजगार देंगे। हम अपने युवाओं को बेंगलुरू, हैदराबाद, पुणे व चेन्नई से बेहतर रोजगार देंगे।

सवाल: आप अब तक 7 रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव कर चुके हैं। करीब 4 लाख करोड़ से अधिक के निवेश के प्रस्ताव आए हैं। ये धरातल पर कब तक उतर जाएंगे?

जवाब: मेरा अनुभव कहता है कि कुछ ऐसा करें, जिससे सचमुच में मप्र को इसका लाभ मिले। इसी सोच को जेहन में रखकर रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव शुरू की। मेरे मन में हमेशा से यह बात थी कि संभाग व जिले स्तर पर निवेश की योजना बनाएं। वास्तव में रीजनल कॉन्क्लेव इसमें सोने पर सुहागा की तरह काम आया। 7 रीजनल कॉन्क्लेव में 4 लाख करोड़ रुपए के जो निवेश प्रस्ताव आए, वह वास्तविक निवेश है। यह उन्हीं उद्योगपतियों ने किया है जो वास्तव में उन जिलों में निवेश करना चाहते थे।

सवाल: इतने बड़े निवेश के कितने कन्वर्जन रेट की आप मप्र में उम्मीद कर रहे हैं?

जवाब: हम जो उम्मीद कर रहे हैं, वैसा ही धरातल पर सब कुछ उतरेगा। मेरी कोशिश है कि निवेश का शत-प्रतिशत कन्वर्जन हो। उस पर हम जरूर कामयाब होंगे। गुजरात से भी हम सीख रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में मप्र शत-प्रतिशत निवेश को हासिल करेगा।

सवाल: कल्याणकारी योजनाओं जैसे लाड़ली बहना योजना से प्रदेश की अर्थव्यवस्था पर कोई फर्क पड़ेगा क्या? क्या आने वाले निवेश पर ये योजनाएं कोई प्रभाव डालेंगी?

जवाब: हमारी सरकार लाड़ली बहनों को ज्यादा से ज्यादा सहूलियत देकर उन्हें सशक्त बनाना चाह रही है। बहनों की जेब में पैसा होगा तो वे पूरी दुनिया से लड़ने में कामयाब हो जाएंगी। माताओं, बहनों को पैसा देने से प्रदेश की अर्थव्यवस्था नहीं डगमगाएगी। इसका इंतजाम मैं पहले से ही करके रखता हूं। मप्र इतना सशक्त है कि वह माताओं, बहनों, किसानों व युवाओं से लेकर हर वर्ग की खुशियों को पूरा कर सकता है। आने वाले निवेश से इन योजनाओं का कोई संबंध नहीं है।

मप्र के दौरे पर पीएम मोदी आज आएंगे

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में दो दिवसीय ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का उद्घाटन होगा

जीआईएस में प्रधानमंत्री के सामने होंगे 5 हजार औद्योगिक प्रतिनिधि

बागेश्वरधाम में कैंसर अस्पताल का 'शिलान्यास' करेंगे, फिर भोपाल आएंगे कल जीआईएस का शुभारंभ करेंगे

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

प्रधानमंत्री सोमवार सुबह 10 बजे समिट में पहुंच जाएंगे और डेढ़ घंटा अर्थात 11.30 बजे तक रहेंगे। वे जिस डोम में रहेंगे, वहां 3000 उद्योगपति मौजूद रहेंगे। सेशन हॉल में 2 हजार उद्योगपति और रहेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रदेश के दौरे और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को लेकर सभी तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। रविवार 23 फरवरी को अपरान्ह 2 बजे मोदी पहले छतरपुर जिले के गढ़ा स्थित बागेश्वरधाम जाकर बागेश्वर धाम जन सेवा समिति द्वारा निर्मित किए जाने वाले मेडिकल साइंस एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (कैंसर अस्पताल) का शिलान्यास करेंगे।

इसके बाद मोदी भोपाल आएंगे और रात्रि विश्राम करेंगे। अगले दिन वे इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी 218 करोड़ रूपए की लागत से बनने वाले जिस कैंसर अस्पताल का शिलान्यास करेंगे, इसके लिए 10.925 हेक्टेयर भूमि चिन्हित की जा चुकी है। कैंसर अस्पताल के 36 माह में बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया।

इसके पहले चरण में 100 बिस्तरों की सुविधा होगी, जिसमें अत्याधुनिक मशीनों और विशेषज्ञ चिकित्सकों के माध्यम से गरीब कैंसर रोगियों का निःशुल्क उपचार किया जाएगा। पीएम मोदी की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए 23 तारीख को ही स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप यानि एसपीजी ने संबंधित इलाके को अपने सुरक्षा घेरे में ले लिया। 6500 पुलिस वाले तैनात किए गए हैं।

भोपाल के संबंधित इलाके को एसपीजी ने अपने सुरक्षा घेरे में लिया

स्थानीय व दूसरे जिलों के करीब 6500 पुलिस वाले भी तैनात रहेंगे

हेलिकॉप्टर से लाल परेड ग्राउंड आएंगे पीएम

भोपाल में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का उद्घाटन 24 फरवरी की सुबह 10 बजे होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 23 फरवरी की शाम को ही भोपाल आ जाएंगे। वे छतरपुर में कैंसर हॉस्पिटल का भूमिपूजन करके भोपाल पहुंचेंगे। उनका विमान राजा भोज एयरपोर्ट पर लैंड होगा। इसके बाद वे हेलिकॉप्टर के जरिए लाल परेड ग्राउंड पहुंचेंगे। यहां 3 हेलीपैड बनाए जा रहे हैं। मोदी लाल परेड ग्राउंड से राजभवन पहुंचेंगे। यहां से कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में जाकर भाजपा नेताओं की बैठक करेंगे। फिर राजभवन में ही रात्रि विश्राम करेंगे और अगले दिन समिट स्थल इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय जाएंगे।

समिट में 25000 मेहमानों को ही मिलेगा प्रवेश

समिट में 25 हजार मेहमानों को ही प्रवेश मिलेगा। 24 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब उद्घाटन करेंगे, तब मानव संग्रहालय में 5 हजार उद्योगपति ही रहेंगे। इनमें अंबानी, अडाणी, बिड़ला जैसे देश के शीर्ष उद्योगपति भी शामिल हैं। समिट के लिए कुल 32 हजार रजिस्ट्रेशन हुए थे। आखिरी 3 दिन में ही 10 हजार से ज्यादा रजिस्ट्रेशन होने के कारण विंडो एक दिन पहले ही बंद करनी पड़ी थी। पहले समिट में 20 हजार मेहमानों के आने का अनुमान था लेकिन ज्यादा रजिस्ट्रेशन होने के कारण प्लान बदलना पड़ा।

उद्योगपतियों के लिए अलग अलग रंग के पास

रजिस्ट्रेशन कराने वाले उद्योगपति अलग-अलग रंग के पास के जरिए समिट में जा सकेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र सुबह 10 बजे समिट में पहुंच जाएंगे और डेढ़ घंटा अर्थात 11.30 बजे तक रहेंगे। वे जिस डोम में रहेंगे, वहां 3000 उद्योगपति मौजूद रहेंगे। मोदी के उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान सेशन हॉल में 2 हजार उद्योगपति और रहेंगे। इस तरह मोदी के समय 5 हजार उद्योगपति मौजूद रहेंगे। उद्योगपतियों को उनकी इंडस्ट्री के अनुसार ही डिपार्टमेंटल समिट या सत्र में प्रवेश दिया जाएगा। जिन्हें एक्सपो में घूमना है, उन्हें वहीं के लिए प्रवेश दिया जाएगा।

प्रधानमंत्री का दौरा कार्यक्रम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 23 फरवरी को सुबह 11:20 बजे दिल्ली से एयरफोर्स के आईएएफ बीबीजे विमान से खजुराहो के लिए प्रस्थान करेंगे। दोपहर 12:30 बजे उनका विमान खजुराहो एयरपोर्ट पर लैंड करेगा। इसके बाद प्रधानमंत्री 12:35 बजे एमआई हेलीकॉप्टर से छतरपुर जिले के ग्राम गढ़ा के लिए प्रस्थान करेंगे, जहां उनका हेलीकाप्टर 12:55 बजे लैंड करेगा। प्रधानमंत्री मोदी 1 बजे बागेश्वर धाम पहुंचेंगे, जहां वे चिकित्सा एवं विज्ञान शोध संस्थान के शिलान्यास कार्यक्रम में शामिल होंगे। 2 बजे वे गढ़ा हेलीपेड के लिए प्रस्थान करेंगे और 2:05 बजे वहां पहुंचेंगे।

सीएम ने पीएम के आगमन व जीआईएस की तैयारियों का किया अवलोकन

आज शाम पीएम मोदी ठाकरे सभागार में प्रदेश के सभी सांसदों, विधायकों व पदाधिकारियों से करेंगे 'संवाद'

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

सीएम ने कहा कि निवेशक हमारे विशेष मेहमान हैं, उनके स्वागत में हम कोई भी कमी नहीं रखेंगे

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार और राष्ट्रीय मानव संग्रहालय पहुंचकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन, भाजपा नेताओं से उनकी चर्चा और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट से संबंधित तैयारियों का जायजा लिया और जरूरी निर्देश दिए।

डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री मोदी 23 फरवरी की शाम भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में प्रदेश के सभी सांसदों, विधायकों एवं पदाधिकारियों से चर्चा करेंगे। शनिवार को सबसे पहले उन्होंने कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में चल रही तैयारियों का मुआयना किया।

उन्होंने संपूर्ण परिसर का अवलोकन कर प्रधानमंत्री मोदी के सभागार में आगमन, जनप्रतिनिधियों से चर्चा, रात्रि भोज से लेकर प्रस्थान तक की संपूर्ण व्यवस्थाओं की जानकारी ली। डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री मोदी की चर्चा के लिए तैयार किए गए सभागार में बैठक व्यवस्था का मुआयना किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

विदेशी डेलीगेट्स के लिए अलग से बैठक व्यवस्था

कुशाभाऊ सभागार के बाद डॉ. यादव ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय पहुंच कर ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की तैयारियों का मुआयना लिया। उन्होंने कहा कि निवेशक हमारे विशेष मेहमान हैं, उनके स्वागत में हम कोई भी कमी नहीं रखेंगे। मोदी के लिए जीआईएस परिसर में ही तैयार किए गए लाउंज का मुआयना किया। इसके बाद कार्यक्रम के लिए तैयार मुख्य सभागार (सबसे बड़े डोम) में पहुंचकर मंच, अतिथियों एवं निवेशकों के लिए बैठक व्यवस्था देखी। सीएम ने कहा कि आगंतुकों के लिए अलग से बैठक व्यवस्था की जाए।

राष्ट्रीय मानव संग्रहालय को और सजाएं

मुख्यमंत्री ने भोपाल की महापौर श्रीमती मालती राय और प्रमुख सचिव औद्योगिक निवेश एवं प्रोत्साहन राघवेंद्र कुमार सिंह से कहा कि मानव संग्रहालय के आंतरिक परिसर का और अधिक सौंदर्यीकरण किया जाए। यहां देर शाम तक इवेंट्स होने हैं, इसलिए पर्याप्त रोशनी, सूचना पट्टिकाएं और सुगम यातायात की व्यवस्था की जाए। किसी को भी परेशानी न हो। इस अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग, खजुराहो सांसद वीडी शर्मा, विधायक रामेश्वर शर्मा, विधायक भगवानदास सबनानी, अन्य वरिष्ठ जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी सहित व्यवस्थाओं से जुड़े अधिकारी उपस्थित थे।

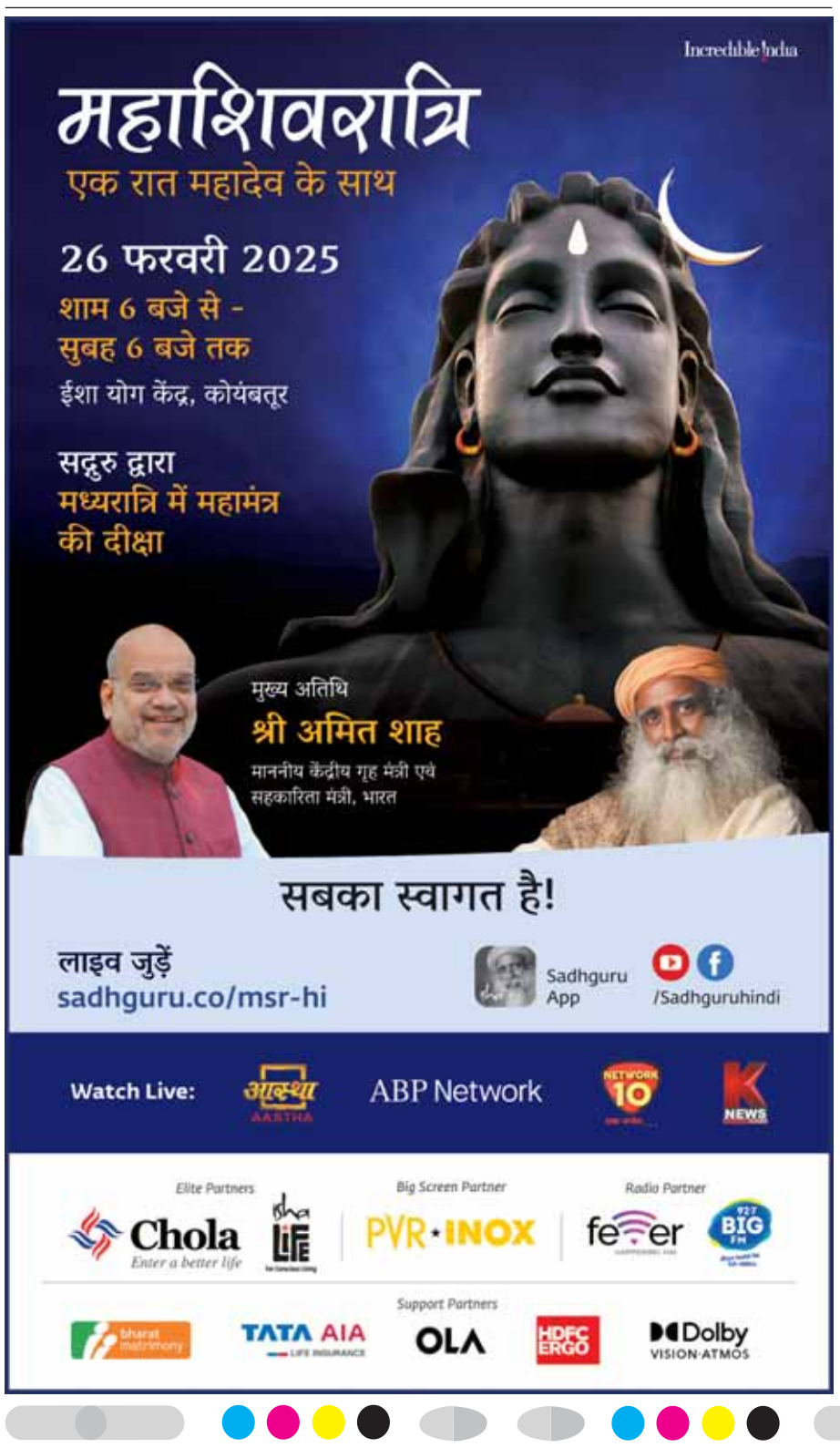

कुंभ यात्रियों की भीड़ बढ़ी, टोल से हर घंटे निकल रही 1500 से ज्यादा गाड़ियां

मप्र-यूपी बॉर्डर पर फिर लगा करीब '10 किमी का जाम'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रीवा

रीवा में मप्र-यूपी बॉर्डर पर शनिवार को एक बार फिर 10 किलोमीटर का जाम लग गया। शनिवार को फिर महाकुंभ जाने वाले यात्रियों की संख्या बढ़ गई। इसके बाद रीवा-प्रयागराज मार्ग पर भारी वाहनों की एंट्री रोक दी गई है।

उन्हें कटनी से ही डायवर्ट कर हनुमना मार्ग से निकाला जा रहा है। महाकुंभ 26 फरवरी तक चलेगा। शनिवार सुबह तक स्थिति नियंत्रण में थी। दोपहर 12 बजे के बाद वाहनों की संख्या बढ़ गई। जोगनिहाई टोल से हर घंटे 1500 वाहन निकल रहे हैं। पुलिस और प्रशासन मिलकर जाम खुलवाने की कोशिश कर रहे हैं।

रीवा-प्रयागराज मार्ग पर भारी वाहनों की एंट्री रोकी गई

प्रयागराज में पार्किंग फुल वाहनों को मिर्जापुर डायवर्ट किया

टोल प्लाजा से 24 घंटे में निकले करीब 35 हजार वाहन

एडिशनल एसपी विवेक लाल ने बताया कि महाकुंभ का आखिरी वीकेंड होने की वजह से पिछले 24 घंटे में मप्र-यूपी बॉर्डर चाकघाट से करीब 35 हजार से ज्यादा वाहन निकल चुके हैं। शनिवार सुबह से हर घंटे जोगनिहाई टोल प्लाजा और झिरिया टोल प्लाजा से होकर 1500 वाहन निकल रहे हैं।

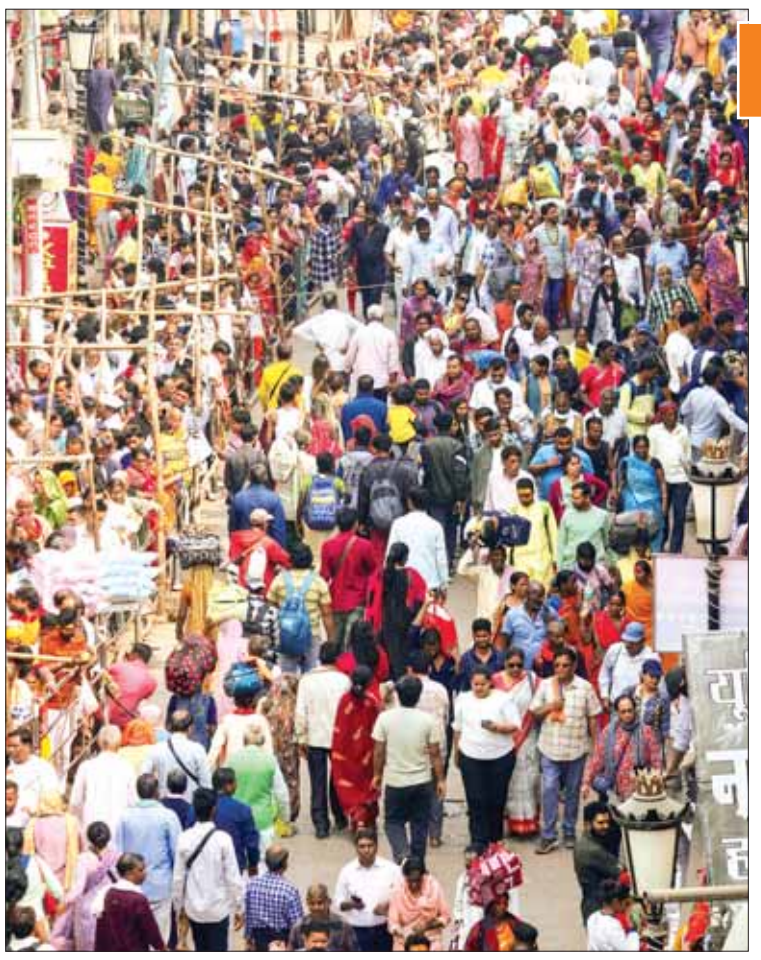

महाकुंभ में सारे अनुमान ध्वस्त

डुबकी लगाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 60 करोड़ के पार पहुंची, फिर भी नहीं थम रहा श्रद्धालुओं का रेला

शनिवार को भी संगम पर आस्था हिलोरे मारती दिखी। हर मार्ग पर श्रद्धालुओं का रेला चल रहा है। आस्था के जनज्वार का अनुमान इससे ही लगाया जा सकता है कि दिन में 12 बजे तक ही 71 लाख से अधिक लोग संगम स्नान कर चुके थे।

एजेंसी ▶▶ महाकुंभ नगर

महाकुंभ के समापन में अब महज चार दिन शेष हैं। इसके अलावा साप्ताहिक अवकाश है। ऐसे में शनिवार को अधिक भीड़ की उम्मीद पहले से थी और इसकी झलक भी शुक्रवार शाम को दिख गई। श्रद्धालुओं के आने का क्रम शुक्रवार रात से ही शुरू हो गया था। शनिवार की सुबह तो हर प्रमुख मार्ग पर लोग ही दिख रहे थे। शनिवार को दिन में 12 बजे तक 71.18 लाख लोग स्नान कर चुके थे। इस तरह से शनिवार को दिन में 12 बजे तक ही 60.02 करोड़ से अधिक लोग संगम में डुबकी लगा चुके थे। इसके बाद भी भीड़ लगातार बढ़ रही है।

शासन- प्रशासन ने की तैयारी

सीएम योगी आदित्यनाथ ने स्वास्थ्य सुविधाओं पर फोकस देने के लिए कहा है। आरएसएन अस्पताल में मात्र 52 आईसीयू बेड हुआ करते थे, वहां पर अब संख्या बढ़ाकर 147 कर दी गई है। कार्डियोलॉजी विभाग में 23 बेड रहने वाले हैं, सर्जिकल आईसीयू में 10 बेड होंगे, बाल रोग आईसीयू में 10 बेड का इंतजाम होगा, नवजात आईसीयू में भी 15 बेड की व्यवस्था होगी।

41 में से 23 दिन एक करोड़ से अधिक ने किया स्नान
13 जनवरी को महाकुंभ की शुरुआत हुई थी।शनिवार तक 41 दिन हो गए। 41 दिन में से 23 दिन में एक करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई।

लगातार 8वें दिन एक करोड़ से अधिक ने किया स्नान
शनिवार को लगातार आठवां दिन रहा जब, एक करोड़ से अधिक लोगों ने संगम स्नान किया। पिछले शनिवार को ही यह सिलसिला शुरू हुआ था।

अभी 4 दिन शेष महाशिवरात्रि से पहले टूटेंगे सारे रिकॉर्ड
महाकुंभ का 4 दिन बाद समापन होगा। माना जा रहा है कि प्रयागराज में करोड़ों लोगों का एक ऐसा जनसैलाब आने वाला है कि कई पुराने रिकॉर्ड ध्वस्त हो जाएंगे।

भाजपाध्यक्ष जेपी नड्डा ने सीएम योगी के साथ पूजन किया।

अयोध्या में भी लगा महाकुंभ

दोगुना भक्त कर रहे रामलला के दर्शन, देर रात तक खुले रहे मंदिर
अयोध्या। मंदिर में विराजमान रामलला अब पहले से दोगुणा भक्तों को दर्शन दे रहे हैं। भक्तों की संख्या अप्रत्याशित रूप से बढ़ जाने के कारण मंदिर को पखवारे भर से अधिक समय से मध्यरात्रि 12 बजे के बाद भी खोलना पड़ रहा है।

खबर संक्षेप

सैफ पर हमले से पहले सोहा के यहां सेंधमारी

मुंबई। जनवरी में अभिनेता सैफ अली खान पर उनके घर में हमला हुआ था। कुनाल खेमू ने सैफ पर

हुए हमले के बारे में बात की है। कुनाल ने हालिया इंटरव्यू में बताया कि 12 साल पहले भी वह इसी तरह के मामले से गुजर चुके हैं। एक शख्स सोहा के घर में सेंधमारी की कोशिश कर रहा था।

बालासोर में जलपाईगुड़ी ट्रेन पटरी से उतरी

नई दिल्ली। बालासोर जिले के सबिरा पुलिस स्टेशन के पास एक

ट्रेन हादसा हुआ, जिसमें न्यू जलपाईगुड़ी ट्रेन पटरी से उतर गई। यह हादसा बाद में ट्रेन के बिजली के खंभे से टकराने पर हुआ। गनीमत रही कि इस हादसे में किसी यात्री के घायल होने की खबर नहीं है।

अनियमितता पर 3 वन अधिकारी निलंबित

गोंदिया। महाराष्ट्र वन विभाग के 3 अधिकारियों को गोंदिया जिले के तिरोदा तालुका में अनियमितता

और एक व्यक्ति को जंगली सूअर द्वारा मारा गया दिखाने के लिए रिकॉर्ड में हेराफेरी पर सस्पेंड किया है। कुछ अन्य अधिकारी भी जांच के दायरे में हैं। वन रेंज अधिकारी ने कार्रवाई की है।

दिल्ली के करावल नगर में 40 लाख की लूट

नई दिल्ली। दिल्ली के करावल नगर में बदमाशों ने एक ज्वेलरी शॉप में 40 लाख की लूट को

अंजाम दिया है। करावल नगर के प्रह्लाद चौक पर ज्वेलरी की दुकान पर बदमाशों ने दिन-दहाड़े हाथ साफ किया। सशस्त्र बदमाशों ने लूट की घटना को अंजाम दिया।

जो पद था ही नहीं, 20 महीने से बने रहे मंत्री

जालंधर। पंजाब से एक हैरान करने वाली खबर सामने आई है, जहां 20 महीने तक, राज्य की

भगवंत मान सरकार की कैबिनेट के वरिष्ठ मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल एक ऐसे विभाग को लीड कर रहे थे, जिसका असल में कोई अस्तित्व ही नहीं था। सरकार में ऐसा कोई विभाग ही नहीं था।

जनता से किए हर वादे को पूरा करना हमारी सरकार का लक्ष्य: रेखा

मंत्रियों ने छुट्टी के दिन भी सड़कों पर उतरकर लिया जायजा, 'समस्या निदान' की कसी कमर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अधिकारियों को दिए निर्देश- एक दिन भी बर्बाद नहीं होना चाहिए

सत्ता में आने के बाद दिल्ली की भाजपा सरकार जनता से जुड़े कामों को लेकर सक्रिय हो गई है। सरकार के मन में कुछ कर दिखाने का जज्बा है। इसी संकल्प के साथ मुख्यमंत्री सहित पूरी सरकार अवकाश के दिन भी काम रही। मुख्यमंत्री बजट पर दिल्ली सचिवालय में अधिकारियों की बैठक ली। वहीं मंत्री प्रवेश साहिब सिंह और डॉ. पंकज सिंह योजनाओं का निरीक्षण किया। प्रवेश ने जहां कुछ निर्माणाधीन योजना स्थलों का निरीक्षण किया। वहीं स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज सिंह भी राव तुलाराम अस्पताल स्थल का निरीक्षण कर वहां के हालात का जायजा लिया। अन्य मंत्रियों ने भी शनिवार को अपने-अपने विभागों से संबंधित मामलों की बैठकर बुलाई है। मकसद यही है कि भाजपा ने संकल्प पत्र में जनता से जो वायदे किए हैं उन पर उनकी सरकार खरी उतरे और इस संकल्प को पूरा करने के लिए उनका एक दिन एक दिन भी जाया न हो।

दिल्ली की सीएम रेखा ने किया ऐलान

बजट पर दिल्ली सचिवालय में अधिकारियों की बैठक ली

प्रवेश ने बरसाती नाले को भी देखा

दिल्ली सरकार के लोक निर्माण विभाग और स्वास्थ्य विभाग ऐसे विभाग हैं, जहां का काम जनता को दिखता भी है और जनता को इन विभागों से संबंधित मामलों से

रूबरू भी होना पड़ता है। मसलन सड़क खराब है ।अस्पतालों में समस्याएं हैं तो भी जनता परेशान होती है।अब इन समस्याओं से निजात दिलाने के लिए इस सरकार ने कमर कस ली है। लोग निर्माण मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने निर्माणाधीन भैरों मार्ग अंडरपास, बारापुला एलिवेटर कॉरिडोर योजना और मूलचंद अंडरपास के पास पंप के अपग्रेडेशन का निरीक्षण किया।

कपिल ने सड़कों का किया निरीक्षण

दिल्ली में भाजपा की सरकार बनते ही तमाम मंत्री भी ऐक्शन में आ गए हैं। कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा शनिवार को दिल्ली की सड़कों पर उतरे

और लोगों के बीच जाकर खराब सड़कों का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि शहर के अलग-अलग इलाकों में सड़कों व अन्य समस्याओं का जायजा लेने पूरा कैबिनेट सड़कों पर है। मिश्रा ने शहर की सड़क, पानी और सीवर की समस्या को दूर करने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए 24 घंटे काम करने के लिए कहा है।

बजट से पहले पीएम मोदी से मिलीं रेखा गुप्ता

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की है। शपथग्रहण के बाद पहली बार उन्होंने पीएम से मुलाकात की है। दोनों नेताओं की मुलाकात प्रधानमंत्री आवास में हुई। यह मुलाकात बजट से पहले हुआ है। ऐसे में माना जा रहा है कि राजधानी के विकास को लेकर चर्चा हुई होगी। शनिवार को अपने घर से निकलने पर सीएम रेखा ने जनता से बात की। उन्होंने कहा था कि मैं प्रधानमंत्री को धन्यवाद दूंगी। शपथ लेने के बाद से ही मुख्यमंत्री ऐक्शन मोड में हैं।

आतिशी ने मुख्यमंत्री से मिलने का समय मांगा

दिल्ली की पूर्व सीएम और आप नेता आतिशी ने दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता को पत्र लिखकर दिल्ली में महिलाओं को 2500 रुपए

प्रति माह देने की योजना के संबंध में 23 फरवरी को आप विधायक दल से मिलने का समय मांगा है। पूर्व सीएम ने सवाल उठाया है कि पीएम मोदी के वादे के बावजूद पहली कैबिनेट में महिला सम्मान योजना पास क्यों नहीं हुई।

जनता सहकारी बैंक का अमृत महोत्सव

सहकारिता ने लाई क्रांति, सभी सहकारी बैंक अब हो रहे सक्षम

एजेंसी ▶▶ पुणे

पुणे में जनता सहकारी बैंक लिमिटेड के अमृत महोत्सव के समापन समारोह में अमित शाह ने कहा कह पीएम मोदी ने केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय की शुरुआत की है। इस मंत्रालय के जरिए देश में कई चीजों में क्रांति आई है। मंत्रालय सहकार से समृद्धि के आदर्श वाक्य पर काम करता है।

जनता सहकारी बैंक भी उसी तर्ज पर काम करता है। उन्होंने कहा कि देश में 1465 शहरी सहकारी बैंक हैं और 400 से अधिक अकेले महाराष्ट्र में हैं। हम एक विशेष संगठन को सक्रिय कर रहे हैं। जो सभी सहकारी बैंकों की हर संभव तरीके से मदद करेगा। इसके लिए 300 करोड़ रुपए का बजट भी मंजूर किया गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को जवाब दिया।

सहकारी क्षेत्र के योगदान से हासिल करेंगे बड़ा लक्ष्य

उन्होंने सहकारिता को लेकर केंद्र की योजनाओं की जानकारी दी। अमित शाह ने कहा कि पीएम मोदी ने भारत के लिए दो लक्ष्य तय किए हैं। पहला 2047 तक विकसित भारत और 5 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था। ये दोनों लक्ष्य सहकारी क्षेत्र के योगदान से हासिल किए जा सकते हैं।

उपलब्धियों को गिनाया, राहुल को 'सुनाया'

शाह प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को प्रमाणपत्र वितरित करने के लिए एक कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की योजनाओं की उपलब्धियों को गिनाया।कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जब केंद्र सरकार जनधन खाते खोल रही थी, तब विपक्षी नेता इसका मजाक उड़ा रहे थे। जब हम सभी देशवासियों के जनधन खाते खोल रहे थे, तब राहुल कह रहे थे कि जनधन खाते खोल तो रहे हैं, लेकिन उसमें पैसे कहां से आएंगे? आज हमने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 10 लाख लोगों को एक ही क्लिक में पैसा दे दिया है।

कांग्रेस विधायकों ने विधानसभा में ही बिताई रात

विधानसभा में 'आपकी दादी' कहे जाने के विवाद ने राजनीतिक बवाल खड़ा किया

एजेंसी ▶▶ जयपुर

स्पीकर ने 6 को किया निलंबित

राजस्थान विधानसभा में भाजपा मंत्री अविनाश गहलोत द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को 'आपकी

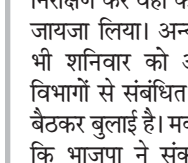

दादी' कहे जाने के विवाद ने राजनीतिक बवाल खड़ा कर दिया। इस टिप्पणी का विरोध करने पर कांग्रेस पार्टी के 6 विधायकों को निलंबित कर दिया गया, जिसके बाद विधायकों ने पूरी रात विधानसभा में बिताई। मंत्री से माफी की मांग की।

मुख्यमंत्री भजनलाल को जान से मार दूंगा

राजस्थान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को जान से मारने की धमकी मिली है। धमकी मरा कॉल दौसा सेंट्रल जेल से आया है। जयपुर पुलिस कंट्रोल रूप में फोन करने वाले ने कहा कि वह शनिवार रात को 12 बजे पहले राजस्थान सीएम को जान से मार देगा।'राजस्थान मुख्यमंत्री को जाने से मारने की धमकी मिलने के बाद उनकी सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

द्वारका में अवैध धार्मिक ढांचे के निर्माण पर बवाल

अतिक्रमण हटाने पहुंचा अमला तो विवाद बढ़ गया, आखिरकार लगाना पड़ा कर्फ्यू

काठे गली से नागजी चौक की सड़क पर विरोध

एजेंसी ▶▶ नासिक

महाराष्ट्र के नासिक जिले में शनिवार को द्वारका के काठे गली इलाके में उस वक्त कर्फ्यू लगा दिया गया। जब कथित तौर पर अवैध धार्मिक ढांचे के निर्माण को विवाद बढ़ गया। काठे गली से नागजी चौक की ओर जाने वाली सड़क पर एक अवैध धार्मिक स्थल के निर्माण को लेकर विरोध शुरू हुआ। धार्मिक स्थल पर अतिक्रमण हटाने के लेकर हिंदुत्व संगठन आक्रामक हो गए। इसे लेकर संगठनों ने विरोध-प्रदर्शन की चेतावनी दी थी।

साधु-संतों की गिरफ्तारी से तनाव

पुलिस ने कुछ साधु-संतों को गिरफ्तार करना भी शुरू कर दिया है। आवाजाही को प्रतिबंधित करने के लिए बैरिकेड्स लगाए गए हैं। महंत सुधीरदास पुजारी और कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया है और महंत अनिकेत शास्त्री को घर में नजरबंद कर दिया गया है।

उधर, सहमति से हटाई गई 168 साल पुरानी मस्जिद

पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में हटाया

मेरठ। दिल्ली रोड पर जगदीश मंडप के पास शुक्रवार देर रात लगभग डेढ़ बजे 168 साल पुरानी मस्जिद को हटा दिया गया। नमो भारत रैपिड निर्माण कार्य के चलते आपसी सहमति से मस्जिद हटाने का काम शुरू किया गया। इस दौरान पुलिस बल मौजूद रहा।

होली पर्व पर यात्रियों को सुविधाएं देने रेलने ने बनाई योजना

स्पेशल ट्रेनें चलेंगी, कई गाड़ियों के रूट में विस्तार होगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

होली के त्योहार के मद्देनजर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए एन एफ रेलवे ने कुछ ट्रेनों का सेवा विस्तार किया जा रहा है कि तो कुछ होली स्पेशल ट्रेनें चलाने की योजना है। नॉर्थ फ्रंटियर रेलवे के सीपीआरओ सव्यसाची डे ने यह जानकारी सार्वजनिक की है। रेलवे की ओर से इसकी सूचना जारी कर दी गई है। बताया जा रहाहै कि साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन संख्या 01666/01665 (रानी कमलापति-अगरतला - रानी कमलापति) की सेवाओं को प्रत्येक दिशाओं से 26 ट्रिपों के लिए जारी रखने का निर्णय लिया गया है।

नॉर्थ फ्रंटियर रेलवे के सीपीआरओ ने यह बात कही

बिहार यूपी का खास ध्यान

इससे पहले भी होली को देखते हुए बिहार और उत्तर प्रदेश के लिए कई स्पेशल ट्रेन चलाने का ऐलान किया है। दरअसल होली बिहार और उत्तर प्रदेश का बड़ा त्योहार है जिसमें दूसरे राज्यों में रहने वाले प्रवासी अपने घर लौटते हैं। उनकी सुविधा के लिए रेलवे विशेष व्यवस्था करती है।

कई श्रेणियों की सुविधा भी मिलेगी

स्पेशल ट्रेन 04010 (आनंद विहार - जोगबनी) 26 मार्च को आनंद बिहार से 23:45 बजे रवाना होकर गुरुवार को जोगबनी 05:20 बजे पहुंचेगी। वापसी यात्रा में ट्रेन 04009 (जोगबनी - आनंद बिहार) 28 मार्च को जोगबनी से 09:00 बजे रवाना होगी।

प्रत्येक दिशाओं से एक ट्रिप बढ़ाई जाएंगी ट्रेनें

प्रत्येक दिशाओं से एक ट्रिप के लिए (आनंद बिहार- जोगबनी-आनंद बिहार) के बीच एक जोड़ी होली स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जाएगा। इसके अलावा प्रत्येक गुरुवार को प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 01665 (रानी कमलापति - अगरतला) स्पेशल की सेवा को 27 जून, 2024 तक बढ़ाया गया है। वापसी में प्रत्येक रविवार को प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 01666 (अगरतला-रानी कमलापति) स्पेशल की सेवा को 30 जून तक बढ़ाया गया है। दोनों दिशाओं में यह ट्रेन वाया आमबासा, धर्मनगर, न्यूहाफलंग, गुवाहाटी, रंगिया, किशनगंज, बरौनीजं., दानापुर, मिर्जापुर, कटनी, इटारसी जंक्शन होकर चलेगी।

सीएम ममता के जाति कार्ड पर हंगामा

मैं ब्राह्मण परिवार की बेटी हूं, जाति की बात नहीं करती

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

बंगाल की सीएम ममता बेनर्जी ने भाजपा पर तीखा हमला करते हुए चुनौती दी है

कि वह अपने इस आरोप को साबित करे कि टीएमसी के बांग्लादेशी आतंकवादियों से संबंध हैं। उन्होंने सदन में कहा कि भाजपा साबित कर दे कि मेरे बांग्लादेश और जम्मू-कश्मीर के आतंकवादियों से संबंध हैं, तो मैं मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दूंगी। मैं धर्म, जाति या पंथ के बारे में चर्चा नहीं करती।

सुवेंदु ने राज्यपाल से की मुलाकात

इस पर हंगामा मच गया और भाजपा ने तुरंत इस टिप्पणी पर जोर देते हुए कहा कि आरोप कि टीएमसी और बेनर्जी हिंदू विरोधी हैं, ये सही साबित हुआ है। सुवेंदु अधिकारी ने विधानसभा में विरोध किया और राज्यपाल सी वी आनंद बोस से मुलाकात की। राज्य भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने आरोप लगाया कि सीएम ने हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाई है।

जबलपुर
रविवार, 23 फरवरी 2025
- फाल्गुन मास कृष्ण पक्ष -11
- वर्ष : 19, अंक : 290
- पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम
अधि. 28
न्यून. 14

हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

13 चैंपियंस ट्रॉफी : भारत और चिर प्रतिद्वंद्वी...

निवेश
7 सोना या शेयर... कहां पैसा लगाना...

हिमांशु फ्लोर मिल्स प्राइवेट लि. के डायरेक्टर प्रमोद जैन 'हिमांशु' ने 'हरिभूमि' से कहा

समिट बनेगी प्रदेश की 'समृद्धि' का आधार...दुनियाभर में फलेगा-फूलेगा हमारा कारोबार

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मध्यप्रदेश की राजधानी के लिए यह एक सुनहरा अवसर और ऐतिहासिक पल है जब ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में पूरे देश के उद्योगपति अपने शहर भोपाल में आएंगे। यह सोच हमारे देश के प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की इच्छा शक्ति के कारण ही संभव हो पाई है।

हमारे प्रदेश में बहुत ही शांति का वातावरण है । कोई यूनियनबाजी नहीं है। ट्रांसपोर्ट के साथ के साथ परिवहन कनेक्टीविटी अन्य प्रदेशों की तुलना में काफी बेहतर है। नई इंडस्ट्रीज को डॉ. मोहन सरकार प्रोत्साहित कर रही है और इकाई स्थापना पर प्रदेश सरकार सब्सिडी मुहैया भी करा रही है। समिट में देश-दुनिया से आने वाले उद्योगपतियों के निवेश से प्रदेश आर्थिक रूप से सबल होगा। औद्योगिक विकास से प्रदेश के लाखों लोगों को रोजगार प्राप्त होगा। मध्यप्रदेश में औद्योगिक विस्तार के लिए उपलब्ध प्रॉपर्टी अन्य शहर की अपेक्षा काफी सस्ती है। चारों तरफ हरियाली है। देश -दुनिया के उद्योगपतियों को मध्यप्रदेश में अपना उद्योग लगाना चाहिए। यह बात औद्योगिक क्षेत्र मंडीदीप स्थित हिमांशु फ्लोर मिल्स प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर प्रमोद जैन 'हिमांशु' ने हरिभूमि से कही।

समिट में देश-दुनिया से आने वाले उद्योगपतियों के निवेश से प्रदेश आर्थिक रूप से सबल होगा। औद्योगिक विकास से प्रदेश के लाखों लोगों को रोजगार प्राप्त होगा।

समिट बदलाव का सबसे बड़ा प्रमाण बनेगी

हिमांशु ने कहा कि भोपाल में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर समिट का यहां के उद्योगपति ही नहीं बल्कि समस्त शहरवासीय डॉ.मोहन सरकार की इस पहल का स्वागत करते हैं और सरकार के साथ मिलकर शहर के समग्र विकास में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह समिट भोपाल के भविष्य की आर्थिक, सामाजिक और बुनियादी ढांचे की रीढ़ बने, यही हमारी अपेक्षा है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 इस बदलाव का सबसे बड़ा प्रमाण बनेगी। देशी-विदेशी निवेश से समूचे प्रदेश में औद्योगिक क्रांति का विस्तार होगा और इनके धरातल पर आने से रोजगार के नए द्वार खुलेंगे। बाजारों में पैसे का प्रवाह बढ़ेगा, राज्य का राजस्व बढ़ेगा।

सरकार की एग्रेसिव मार्केटिंग को दर्शाती है समिट

जैन के अनुसार अब तक के सभी ग्लोबल इन्वेस्टर समिट भोपाल से बाहर हुई हैं। यह पहली बार है कि भोपाल में हो रही है। यह समिट मध्य प्रदेश सरकार की ओर से एग्रेसिव मार्केटिंग को दर्शाती है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट से अच्छे परिणाम आने की उम्मीद है। देश-विदेश से निवेश आने पर सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग (एमएसएमई) के अच्छे दिन लौटेंगे। बड़ी औद्योगिक इकाइयां स्थापित होंगी तो छोटे-छोटे उद्योग फलेंगे-फूलेंगे। मध्यप्रदेश में टूरिज्म हेल्थ केयर, नवकरणीय ऊर्जा, लॉजिस्टिक्स की अनंत संभावनाएं हैं। टैक्सटाइल एवं फूड प्रोसेसिंग सेक्टर में विदेशी निवेशकों से खासी उम्मीद की जा रही है। इंपैक्ट फीचर

inh
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

शक्तिकांत दास बने पीएम के प्रधान सचिव-2

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर शक्तिकांत दास को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रधान

सचिव-2 नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति की मंजूरी के बाद हुई। अधिसूचना के अनुसार, दास अपनी इस जिम्मेदारी को प्रधानमंत्री के कार्यकाल की अवधि तक या अगले आदेश तक निभाएंगे।

वेंडर ने यात्रियों पर किया चाकू से हमला, 3 घायल

कटनी। ट्रेन में एक वेंडर ने यात्रियों पर चाकू से हमला कर दिया। इसमें तीन यात्री घायल हो गए। शिकायत पर जीआरपी ने मामला दर्ज कर

घायलों को अस्पताल भेजा। आरोपी की फरार है। घायल यात्री उमाशंकर सिंह ने बताया कि वह प्रयागराज पुणे एक्सप्रेस ट्रेन से अपने परिवार के साथ मैहर से कटनी जा रहे थे।तब हादसा हुआ। लेकिन ट्रेन में काफी भीड़ के चलते उन्हें चढ़ने में दिक्कत हो रही थी।

हत्या के आरोपी ने खुद को थाने में आग लगाई

रतलाम। हत्या के आरोपी ने थाने के अंदर खुद को आग लगा ली। आग बुझाने में 4 पुलिसकर्मियों के हाथ झुलस गए। युवक को

अस्पताल ले जाया गया। मेडिकल कॉलेज में प्राथमिक उपचार के बाद उसे इंदौर रेफर कर दिया है।घटना शुक्रवार देर रात की है। अजय पंवार नशे की हालत में डीडी नगर पुलिस थाने में पहुंचा। खुद पर पेट्रोल छिड़ककर आया था।

केंद्रीय मंत्री बोले बैठना तकलीफदायक था टाटा प्रबंधन को भी घेरा

◆ केंद्रीय कृषि मंत्री पूसा में किसान मेले का उद्घाटन करने व कुरुक्षेत्र में प्राकृतिक खेती मिशन की बैठक में भाग लेने जा रहे थे

विमान की 'टूटी सीट' पर बैठकर दिल्ली पहुंचे शिवराज, एयर इंडिया ने माफी मांगी

नागरिक उड्डयन मंत्री ने कहा कि डीजीसीए भी मामले की विस्तृत जांच करेगा

◆ शिवराज ने कहा कि एयर इंडिया के क्रू मेंबर्स को पहले से जानकारी थी कि सीट खराब है, इसके बावजूद टिकट बेचा गया।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ शनिवार को एक ऐसी घटना घटी, जिससे आम आदमी रोज ही गुजरता है। दरअसल, मंत्री शिवराज सिंह को एयर इंडिया में टूटी और धंसी हुई सीट अलॉट हो गई। शिवराज जब सीट पर बैठे तो उनको तकलीफ का समाना करना पड़ा।

इसके बाद उन्होंने एयर इंडिया पर जमकर गुस्सा निकाला। शिवराज सिंह ने कहा कि एयर इंडिया के क्रू मेंबर्स को पहले से जानकारी थी कि सीट खराब है, इसके बावजूद टिकट बेचा गया। शिवराज सिंह को एक कार्यक्रम में शामिल होने भोपाल से दिल्ली जाना था। इसके लिए उन्होंने एयर इंडिया फ्लाइट में सीट बुकिंग कराई।

मंत्री ने कहा कि मेरी धारणा थी कि टाटा प्रबंधन के हाथ में लेने के बाद एयर इंडिया की सेवा बेहतर हुई होगी, लेकिन ये मेरा भ्रम निकला

प्रबंधन को क्रू मेंबर ने टूटी सीट पर आगाह किया था

केंद्रीय मंत्री ने लिखा कि मुझे भोपाल से दिल्ली आना था, पूसा में किसान मेले का उद्घाटन, कुरुक्षेत्र में प्राकृतिक खेती मिशन की बैठक और चंडीगढ़ में किसान संगठन के माननीय प्रतिनिधियों से चर्चा करनी है। मैंने एयर इंडिया की फ्लाइट क्रमांक एआई 436 में टिकिट करवाया था, मुझे सीट क्रमांक 8सी आवंटित हुई। मैं जाकर सीट पर बैठा, सीट टूटी और अंदर धंसी हुई थी।

नागरिक उड्डयन मंत्री ने दिए कार्रवाई के निर्देश

नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने कहा कि हमने इस मुद्दे पर तुरंत एयर इंडिया से बात की और उन्हें आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। हमारी तरफ से डीजीसीए भी मामले की विस्तृत जांच करेगा। और मैंने व्यक्तिगत रूप से शिवराज जी से भी बात की है।

शिवराज ने कहा क्या ये यात्रियों के साथ धोखा नहीं है?

मंत्री शिवराज ने लिखा कि सहयात्रियों ने मुझे बहुत आग्रह किया कि मैं उनसे सीट बदल कर अच्छी सीट पर बैठ जाऊं, लेकिन मैं अपने लिए किसी और मित्र को तकलीफ क्यों दूं, मैंने फैसला किया कि मैं इसी सीट पर बैठकर अपनी यात्रा पूरी करूंगा। शिवराज ने लिखा कि मेरी धारणा थी कि टाटा प्रबंधन के हाथ में लेने के बाद एयर इंडिया की सेवा बेहतर हुई होगी, लेकिन ये मेरा भ्रम निकला। मुझे बैठने में कष्ट की चिंता नहीं है, लेकिन यात्रियों से पूरा पैसा वसूलने के बाद उन्हें खराब और कष्टदायक सीट पर बैठाना अनैतिक है। क्या ये यात्रियों के साथ धोखा नहीं है?

तेलंगाना में एसएलबीसी सुरंग में हादसा

छत का एक हिस्सा ढहा, आठ श्रमिकों के फंसे होने की आशंका

एजेंसी ⏭ हैदराबाद

तेलंगाना के नागरकुरनूल जिले में शनिवार को श्रीशैलम लेफ्ट बैंक नहर (एसएलबीसी) के निर्माणाधीन हिस्से में छत का एक हिस्सा ढह गया। हादसे में कम से कम छह श्रमिकों के फंसे होने की आशंका है। पुलिस ने बताया कि निर्माण कंपनी की टीम आकलन के लिए अंदर गई है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि काम में लगी कंपनी की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार छह से आठ श्रमिकों के फंसे होने की आशंका है। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने जिला कलेक्टर,अधीक्षक और अन्य अधिकारियों को राहत उपाय करने के लिए दुर्घटना स्थल पर पहुंचने का निर्देश दिया है।

- सुरंग के 12-13 किलोमीटर अंदर हादसा

काम के सिलसिले में श्रमिक अंदर गए थे

एक अधिकारी ने कहा कि घटना तब हुई, जब कुछ श्रमिक काम के सिलसिले में अंदर गए थे, तभी सुरंग के 12-13 किलोमीटर अंदर एक हिस्से की छत गिर गई। हालांकि, मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में हताहतों की संख्या नहीं बताई गई। उसमें संकेत दिया गया कि कुछ लोग घायल हुए हैं।

केंद्रीय मंत्री ने दुर्घटना पर चिंता जताई

दुर्घटना पर चिंता जताते हुए केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने घटना के कारणों की जानकारी ली और अधिकारियों से फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने को कहा। उनके कार्यालय से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया कि उन्होंने अधिकारियों से घायलों को उपचार मुहैया कराने को भी कहा।

आत्महत्या के कारण तलाश रही पुलिस

कार चालक ने डीजल निकाला और खुद को लगा ली आग, मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

यहां एक युवक ने कार से डीजल निकालकर खुद पर उड़ेला और आग लगा दी। बीच सड़क पर सुसाइड की घटना सुनकर लोग दहल उठे। पुलिस के अनुसार युवक एक प्राइवेट ट्रैवल्स की कार चलाता था और जबलपुर गया था। वहां से लौटते ही उसने आत्महत्या कर ली। युवक की शादी को महज 8 माह हुए हैं और उसका वैवाहिक जीवन सुखी बताया जा रहा है। ऐसे में उसने आत्महत्या जैसा खौफनाक कदम क्यों उठाया, यह कोई नहीं बता पा रहा है। पुलिस के अनुसार कोलार कजलीखेड़ा में रहने वाले 22 साल के मधुर जाटव ने बीच सड़क पर सुसाइड कर

फाइल फोटो

लिया। मधुर के पिता रामबाबू जाटव ने बताया कि शुक्रवार रात करीब 9 बजे मोबाइल पर बात की थी। वह तब पूरी तरह सामान्य था। सुबह करीब 5:30 बजे ट्रैवल्स के मालिक ने मुझे बताया कि मधुर ने आत्महत्या कर ली है। ट्रैवल्स मालिक को पुलिस ने घटना की जानकारी दी थी। कहा जा रहा है जबलपुर टूर के दौरान मधुर के साथ कुछ अनुचित हुआ होगा।

रणवीर इलाहाबादिया बयान विवाद

केंद्र एक्शन में, अश्लील कंटेंट पर अब लगेगी कानूनी लगाम

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

रणवीर इलाहाबादिया ने समय रैना के शो इंडियाज गॉट लेटेंट में जो विवादित बयान दिया था, उसका देश भर में विरोध हुआ और यह सवाल भी

- संसदीय कमेटी को दी गई जानकारी

खड़ा हुआ कि क्या सोशल मीडिया पर चलने वाले कंटेंट में कोई लगाम नहीं होनी चाहिए? इस विवाद के मद्देनजर अब केंद्र सरकार ऐसे प्लेटफॉर्म्स के कंटेंट में अश्लीलता पर लगाम लगाने की तैयारी कर रही है। दरअसल, संसदीय पैनल को भेजे अपने पत्र में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने कहा है कि समाज में इस बात को लेकर चिंता बढ़ रही है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर

अश्लील और हिंसक सामग्री दिखाने के लिए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के संवैधानिक अधिकार का दुरुपयोग किया जा रहा है।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने भाजपा सांसद निशिकांत दुबे की अध्यक्षता वाली संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी स्थायी समिति को बताया कि मौजूदा कानूनों के तहत कुछ प्रावधान तो मौजूद हैं लेकिन इस तरह की हानिकारक सामग्री को नियंत्रित करने के लिए एक सख्त और अधिक प्रभावी कानूनी ढांचे की मांग बढ़ रही है।

प्रदेश में 7 प्रजाति, वन विहार में सफेद पीठ वाले गिद्ध मिले, तीन दिनों तक चली गिनती

वन विभाग के 16 सर्कल, 64 डिवीजन और 9 संरक्षित क्षेत्रों में गिद्धों की गिनती की गई

टाइगर-चीता स्टेट मप्र में गिद्धों की संख्या अब 12 हजार पार,10 साल में दोगुनी हुई

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

टाइगर, चीता और तेंदुआ स्टेट मध्यप्रदेश में गिद्धों की संख्या 12 हजार से ज्यादा हो गई है। 3 दिन हुई गिनती में ये आंकड़े सामने आए हैं। प्रदेश में 10 साल के अंदर गिद्धों की संख्या दोगुनी हुई है। अभी कुल 7 प्रजातियां पाई गईं। इनमें भोपाल के वन विहार नेशनल पार्क में सफेद पीठ वाले गिद्ध भी शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि 17, 18 और 19 फरवरी को वन विभाग के 16 सर्कल , 64 डिवीजन और 9 संरक्षित क्षेत्रों में गिद्धों की गिनती की गई थी। जिसके आंकड़े अब सामने आए हैं।

ये भी खुश खबर

सबसे पहले 2016 में हुई थी गणना

प्रदेश में गिद्धों की गणना की शुरूआत वर्ष 2016 से की गई थी। प्रदेश में गिद्धों की कुल 7 प्रजातियां पाई जाती हैं। इसमें से 4 प्रजातियां स्थानीय एवं 3 प्रजाति प्रवासी हैं। गिद्धों की गणना करने के लिए शीत ऋतु का अंतिम समय सही रहता है। इस दौरान स्थानीय एवं प्रवासी गिद्धों की गणना आसानी से हो जाती है।

वन विहार में हरियाणा से आए थे गिद्ध

गिद्धों का सबसे बड़ा कुनबा पन्ना नेशनल पार्क में है। यहां 900 से अधिक गिद्ध हैं। यहां पर लाल सिर वाला गिद्ध भी पाया जाता है। इसे एशियाई राजा गिद्ध, भारतीय काला गिद्ध या पांडिचेरी गिद्ध भी कहा जाता है। इसे पन्ना टाइगर रिजर्व में आसानी से देखा जा सकता है।

जैविक खेती करने वाले किसानों को उपलब्ध कराए जाएंगे सोलर पम्पः मुख्यमंत्री

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि कृषि रसायनों के असीमित प्रयोगों के कारण पर्यावरण एवं मानव स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। अतः जैविक एवं प्राकृतिक कृषि तकनीकों को प्रोत्साहित करना आवश्यक है। प्रदेश में वर्तमान वर्ष में भारत सरकार के आंकड़ों के अनुसार प्राकृतिक कृषि विकास योजना के अंतर्गत लगभग 1 लाख एकड़ क्षेत्रफल में जैविक खेती का कार्यक्रम लिया जा रहा है।

आगामी वर्षों में जैविक- प्राकृतिक खेती को पांच लाख हैक्टेयर तक ले जाने का लक्ष्य रखा जाए। उन्होंने कहा कि जैविक खेती करने वाले किसानों को सोलर पम्प उपलब्ध कराए जाएंगे। डॉ यादव किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग की ओर से आयोजित राज्य स्तरीय जैविक कृषि उत्पादन तथा मूल्य संवर्धन कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर एक जिला एक उत्पाद तथा विभिन्न विभागों और जैविक खेती के क्षेत्र में कार्य कर रही संस्थाओं द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

डॉ. यादव ने खेती पर आधारित मेले लगाने के निर्देश

1. कृषि आधारित उद्योगों को विकसित करना सरकार की प्राथमिकता
2. जैविक कृषि उत्पादन तथा मूल्य संवर्धन कार्यशाला का शुभारंभ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जैविक उत्पादों के बेहतर मूल्य किसानों को मिल सकें, इस उद्देश्य से प्रदेश में विभिन्न स्थानों पर जैविक हाट-बाजार लगाए जाएं। प्रदेश में प्राकृतिक कृषि उत्पाद के लिए आदर्श जिले और विकासखंड विकसित किए जाएं। उन्होंने प्रदेश में जैविक और प्राकृतिक खेती पर आधारित मेले लगाने के निर्देश भी दिए। डॉ. यादव ने अपनी विदेश यात्राओं का उल्लेख करते हुए कहा कि नवीन तकनीकों से कृषि उत्पादन वृद्धि तो होना चाहिए, किन्तु पर्यावरण संरक्षण के लिए जैविक एवं प्राकृतिक खेती से संतुलन बनाए रखना आवश्यक है।

कृषि आधारित उद्योगों की स्थापना की जाएगी

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि यह वर्ष यद्यपि उद्योग वर्ष घोषित किया गया है किन्तु कृषि प्रधान राज्य मध्यप्रदेश में खेती को साथ लेकर नीतियां लागू करना आवश्यक है। अतः राज्य सरकार कृषि आधारित उद्योगों को विकसित करने पर विशेष ध्यान दे रही है। जिन जिलों में औद्योगिक दर कम हैं, वहां कृषि आधारित उद्योगों की स्थापना की जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश में पशुओं की वर्तमान दुग्धोत्पादन क्षमता 9 प्रतिशत है जिसे 20 प्रतिशत तक बढ़ाया जाएगा। कृषि उत्पादकों को सब्जी उत्पादन निर्यात करने पर भारत सरकार एवं प्रदेश सरकार के सहयोग से ट्रान्सपोर्ट व्यय दिया जा रहा है, किसानों तक इसकी जानकारी का प्रचार-प्रसार किया जाना आवश्यक है।

बनाई जाएगी जैविक उत्पादन नीति

कृषि मंत्री एदल सिंह कंषाना ने कहा कि कार्यशाला में आए सुझावों पर प्रदेश के विभिन्न जिलों की कृषि जलवायु क्षेत्र के आधार पर जैविक उत्पादन नीति बनाई जाएगी। उन्होंने बताया कि जैविक खेती प्रोत्साहन के लिए प्रदेश में 9 सेवा प्रदाताओं से एमओयू किए गए हैं। एपीडा के अनुसार प्रदेश में जैविक खेती का रकबा 11.48 लाख हैक्टेयर है। वन क्षेत्र मिलाकर प्रदेश में कुल 20 लाख 55 हजार हैक्टेयर क्षेत्रफल में जैविक खेती की जा रही है जो देश में सर्वाधिक है। इस अवसर पर सचिव कृषि एम सेल्वेन्द्रन ने कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। इस दो दिवसीय कार्यशाला में जैविक एवं प्राकृतिक खेती से जुड़े विभिन्न विषयों पर गहन विचार मंथन किया जाएगा जिसमें कृषि वैज्ञानिकों, जैविक खेती विशेषज्ञों, कृषक उत्पादक संगठनों, प्रगतिशील किसानों तथा कृषि अधिकारियों के बीच निष्कर्षात्मक संवाद से प्रदेश की जैविक नीति को विकसित करने के प्रयास किए जाएंगे।

खबर संक्षेप

2005 से पहले के दैवेभो कर्मियों को मिले पेंशन

भोपाल। प्रदेश के सरकारी विभागों में वर्ष 2005 से पहले पदस्थ हुए दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को पेंशन नियम 1976 के तहत पेंशन का हक दिया जाए। यह मांग शासकीय कर्मचारी परिसंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील कुमार पाण्डेय ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को भेजे ज्ञापन में की है। पाण्डेय ने बताया कि जल संसाधन विभाग, पीएचई, पीडब्ल्यूडी व अन्य विभागों में 1 जनवरी 2005 से पहले शासकीय सेवा में शामिल हुए दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को नियम 1976 के तहत पुरानी पेंशन देने की मांग पत्र भेजकर मुख्यमंत्री व मुख्य सचिव से की है। मांग पत्र में बताया गया है कि वर्ष 2005 से पहले पदस्थ हुए दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को पेंशन का हक मिलना चाहिए।

ट्राले ने बाइक को मारी टक्कर, चालक की मौत

बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में तेज रफ्तार हाईवा की चपेट में आने से एक बाइक सवार की मौत हो गई। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बहार निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। वहीं वाहन चालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। यह पूरा मामला डौंडीलोहारा थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार, डौंडीलोहारा नगर के गौशाला चाल के पास बाइक सवार तेज रफ्तार हाईवा की चपेट में आ गया। बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया उद्योगपतियों से रू-ब-रू संवाद, निवेश की दी सलाह

हमारी निवेश नीति सबसे अच्छी, जितने चाहे उद्योग लगाएं, सरकार आपके साथ

औद्योगिक इकाईयों को 450 करोड़ रूपए से अधिक की राशि की हस्तांतरित

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के औद्योगिक विकास के लिए हमारी सरकार ने जो नई निवेश नीति बनाई है, वह देश में सबसे बेहतर है, सबसे अच्छी है। आप जितने चाहे उतने उद्योग लगाइए, सरकार हर पल, हर कदम पर आपके साथ है। डॉ. यादव ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास परिसर से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम सहित अन्य उद्योगपतियों से चर्चा के दौरान यह बातें कहीं।

उन्होंने कहा कि आप जैसे चाहें वैसे उद्योग लगाएं और मुनाफा कमाएं। उन्होंने 1100 से अधिक औद्योगिक इकाईयों को 450 करोड़ रुपए से अधिक की वित्तीय प्रोत्साहन राशि पारदर्शी तरीके से डीबीटी से हस्तांतरित की। डॉ. यादव ने कार्यक्रम में 'भोपाल एक साथ टीम' द्वारा भोपाल की विशेषताओं पर आधारित कॉफी टेबल बुक का विमोचन भी किया।

बजट का एक-एक रुपया जनकल्याण एवं औद्योगिक विकास में खर्च होगा

निवेश करें और समिट की मेजबानी भी

डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश और भोपाल के निवेशक बेहिचक न केवल निवेश करें, बल्कि 24-25 फरवरी को भोपाल में हो रही ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की मेजबानी भी करें। उन्होंने कहा कि जीआईएस भोपाल में हो रहा एक वैश्विक समागम है। सीएम ने कहा कि पुराने उद्योगों को यदि आवश्यकता होगी, तो मांगे जाने पर उन्हें नवकरणीय ऊर्जा के जरिए विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था भी की जाएगी।

उद्योगपतियों से चर्चा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में मौजूद उद्योगपतियों से चर्चा की। इंडस्ट्री एसोसिएशन के राधाशरण गोस्वामी ने कहा कि पिछले एक साल में हमारा सरकार की नीतियों पर विश्वास बढ़ा है। लघु उद्योग भारती के अतीत अग्रवाल ने कहा कि रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव से मप्र में अकल्पनीय औद्योगिक वातावरण तैयार हुआ है। गोविंदपुरा औद्योगिक प्रक्षेत्र संगठन के विक्रम गौर ने कहा कि सरकार ने जो नई निवेश नीति तैयार की है, वह सबके लिए लाभकारी है। डिक्की के प्रदेश अध्यक्ष अनिल सिरवैया ने कहा कि सरकार की नई निवेश नीति में प्रदेश के समेकित विकास की झलक दिखाई देती है। मावे और लघु उद्योग भारती की प्रतिनिधि श्रेणु नायक ने महिला उद्यमियों के लिए और अधिक प्रोत्साहित करने वाले प्रावधान किए जाने की मांग की।

उद्योग ऋण पर ब्याज में समुचित सीमा तक छूट देगी सरकार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार के बजट की राशि जनता के समग्र कल्याण और प्रदेश के औद्योगिक विकास में व्यय की जाएगी। उन्होंने बताया कि नई निवेश नीति में हमारी सरकार महिला उद्यमियों को 10 प्रतिशत अतिरिक्त छूट देने का प्रावधान करने जा रही है। उद्योगपतियों को मल्टी स्टोरी इंडस्ट्रियल परिसर तैयार करने में, तो सरकार एक निश्चित सीमा तक छूट देगी। हम इंडस्ट्रियल परिसर में आवासीय गुजाइंश को भी अनुमति योग्य करने जा रहे हैं। डॉ. यादव कहा कि हमारी सरकार उद्योग ऋण पर ब्याज में समुचित सीमा तक छूट भी देगी। डॉ यादव ने उद्योगपतियों से रू-ब-रू संवाद किया।

बढ़ रहे हैं समेकित विकास की ओरः सारंग

खेल एवं युवा कल्याण तथा सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा कि रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के जरिए हम मध्यप्रदेश के समेकित विकास की ओर बढ़े हैं। हमारी देश के सभी अंचलों से कनेक्टिविटी, यहां का ईको सिस्टम, यहां की आबो-हवा सबसे अच्छी है। जीआईएस भोपाल के लिए एक बहुत बड़ा अवसर है। उन्होंने उद्योगपतियों से कहा कि निवेश किसी राज्य की समृद्धि का बड़ा आधार है। निवेश कीजिए और जीआईएस को सफल बनाकर मध्यप्रदेश को वैश्विक पहचान दिलाने में भागीदार बनिए।

माल भाड़े में 50 प्रतिशत से अधिक का अनुदानः कश्यप

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा भोपाल जिले के प्रभारी मंत्री चैतन्य कुमार काश्यप ने कहा कि मध्यप्रदेश के उत्पादों का अधिक से अधिक निर्यात हो, इसके लिए हमारी सरकार ने हर स्तर पर उद्योगपतियों और निवेशकों को प्रोत्साहन दिया है। मध्यप्रदेश से कच्चा माल और अपना निर्मित देश के किसी भी कोने में पहुंचाना आसान है, फिर भी प्रोत्साहन स्वरूप हमारी सरकार उद्योगों को माल भाड़े में 50 प्रतिशत से अधिक राशि का अनुदान दे रही है। प्रमुख सचिव औद्योगिक निवेश एवं प्रोत्साहन राघवेन्द्र कुमार सिंह ने भोपाल में हो रही जीआईएस की समन्वित रूपरेखा की जानकारी दी।

हवाई सेवा के क्षेत्र में मप्र को सौगात

मप्र के दतिया हवाई अड्डे को थ्रीसी वीएफआर श्रेणी के तहत पब्लिक एयरोड्रम के रूप में मिला लाइसेंस

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश की प्रगति यात्रा में एक और अध्याय जुड़ गया। नागर विमानन महानिदेशालय ने 118 एकड़ क्षेत्रफल में विकसित दतिया हवाई अड्डे को थ्रीसी/वीएफआर श्रेणी के तहत पब्लिक एयरोड्रम के रूप में लाइसेंस प्रदान किया है। यह मध्यप्रदेश का 8वां पब्लिक एयरोड्रम हवाई अड्डा होगा, जो सार्वजनिक उपयोग के लिए उपलब्ध होगा। जल्द ही सतना और दतिया हवाई अड्डों का विधिवत लोकार्पण किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस सौगात के लिए मध्यप्रदेश, विशेषकर दतिया के नागरिकों की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार माना है।

भोपाल में दो प्रतिष्ठानों पर आयकर का सर्वे

भोपाल। भोपाल में आयकर विभाग ने दो प्रतिष्ठानों पर सर्वे की कार्रवाई की है। आयकर विभाग ने शुक्रवार को राजधानी के एयरपोर्ट रोड स्थित सफायर ग्रुप और रायसेन रोड स्थित रॉयल ग्रीन नाम के व्यापारिक संस्थानों पर छापा मारा। रॉल ग्रीन समूह एक राइस मिल का संचालन करता है। आयकर विभाग से मिली जानकारी के अनुसार दोनों प्रतिष्ठानों पर सर्वे की कार्रवाई जारी है और शनिवार को कार्रवाई पूरी होने के बाद आगे की जानकारी सामने आएगी।

अभिभावकों में आक्रोश, स्कूल प्रबंधन ने नहीं दिया संतोषजनक जवाब

स्कूल के टॉयलेट में ब्लास्ट, बच्ची गंभीर रूप से घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिलासपुर

सेंट विंसेंट पलोटी स्कूल में शुक्रवार को हुए एक बड़े हादसे ने स्कूल प्रशासन की लापरवाही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्कूल के टॉयलेट में हुए सोडियम ब्लास्ट से चौथी कक्षा की एक मासूम बच्ची बुरी तरह झुलस गई है। इस घटना के बाद से स्कूल प्रशासन घिर गया है और परिजनों में जबरदस्त आक्रोश है। इस घटना के विरोध में शनिवार सुबह से ही बड़ी संख्या में अभिभावक स्कूल के बाहर इकट्ठा हुए और स्कूल प्रबंधन से जवाब मांगने लगे। परिजनों का कहना है कि वे सुबह 7 बजे से स्कूल गेट पर खड़े हैं, लेकिन अब तक प्रबंधन ने उन्हें कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया है।

अभिभावको का कहना है कि हम लोग चाहते हैं कि स्कूल प्रशासन के इंचार्ज, फादर या प्रिंसिपल खुद सामने आकर बताए कि आखिर इस घटना की सच्चाई क्या है और इसके लिए जिम्मेदार लोगों पर क्या कार्रवाई हो रही है। परिजनों ने इस हादसे को स्कूल प्रशासन की लापरवाही बताया और कहा कि इसे बच्चों की शरारत बताकर मामले को दबाने की कोशिश की जा रही है। सूत्रों के अनुसार, इस ब्लास्ट में इस्तेमाल हुआ सोडियम लैब से नहीं निकाला गया था, बल्कि ऑनलाइन पटना से मंगाया गया था। आशंका जताई जा रही है कि यह किसी शिक्षक के लिए मंगाया गया था। परिजनों का कहना है कि इस घटना के पीछे किसी बड़े स्तर की लापरवाही हो सकती है, जिसकी

गहन जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जरूरत है। प्रदर्शन कर रहे परिजनों ने कहा कि यह पहली बार नहीं हुआ है। पहले भी इस स्कूल में इस तरह की घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन स्कूल प्रशासन ने हमेशा हल्के में लेकर मामले को टाल दिया। अब हम चाहते हैं कि 24 घंटे के अंदर दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए और इस बच्चों को स्कूल से निकाला जाए। इस बीच, स्कूल प्रशासन ने अभी तक कोई स्पष्ट बयान नहीं दिया है। प्रशासन की ओर से कहा गया है कि मामले की जांच की जा रही है और दोषियों पर उचित कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, अब तक प्रबंधन की ओर से कोई ठोस कदम उठाते नहीं दिख रहे।

प्रयागराज जाने के लिए निकली थी फैमिली

ड्राइवर का संतुलन बिगड़ने से हुई घटना

सड़क हादसे में दो की मौत, चार गंभीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जगदलपुर

कोंडागांव जिले के केशकाल थाना क्षेत्र के बोरगांव के पास शनिवार की सुबह एक तेज रफ्तार कार सड़क किनारे पुल से जा टकराई, इस हादसे में एक महिला, एक पुरुष की मौत हो गई, जबकि कार में सवार 4 लोग घायल हो गए, जिन्हें बेहतर उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया है। मामले की जानकारी देते हुए थाना प्रभारी केसकाल ने बताया कि बैंगलोर के वरतुर में रहने वाली फैमली प्रयागराज जाने के लिए निकली थी, शनिवार की सुबह जैसे ही केशकाल के आगे बोरगांव के पास वाहन पहुँची की कार चला रहे चालक रवि तेजा का नियंत्रण बिगड़ गया और सड़क किनारे पुल से जा टकराई, इस हादसे में कार में सवार महिला गीता की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि घायलों को इलाज के लिए ले जाने के दौरान संतोष रेड्डी ने भी दम तोड़ दिया, वही वाहन चालक रवि तेजा, एस सुषमा, एस साहो के अलावा 10 वर्षीय विशाल रेड्डी भी घायल हो गया, घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जबकि मृतकों के परिजनों को भी सूचना दे दिया गया है, जिसके बाद परिवार के लोग केशकाल आने निकल गए है।

वारदात के बाद वाहन सहित ड्राइवर फरार

तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने बाइक सवार युवक को रौंदा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जांजगीर चांपा

जिले के ग्राम रोहदा में तेज रफ्तार वाहन का कहर देखने को मिला। मुर्गी से भरे एक पिकअप वाहन ने बाइक सवार युवक को जोरदार टक्कर मार दी है। हादसे में युवक की घटना स्थल पर ही मौत हुई है। वहीं, चालक पिकअप वाहन को लेकर फरार हो गया है।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया है। घटना सारागांव थाना क्षेत्र की है। मिली जानकारी अनुसार, ग्राम रोहदी का रहने वाला मृतक युवक मदन सिंह कंवर किसी काम से अपनी बाइक से सुबह बम्हनीडीह आने को निकला हुआ था। इस दौरान वह ग्राम रोहदा के मुख्य मार्ग पर जा रहा था कि एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने लापरवाही पूर्वक चलते हुए, बाइक को जोरदार ठोकर मारी जिससे युवक मदन सिंह कंवर बाइक से उछल कर सड़क पर जा गिरा। हादसे में युवक को गंभीर चोट आने पर मौके पर ही दम तोड़ दिया। पिकअप वाहन को लेकर चालक मौके पर से फरार हो गया। घटना की जानकारी सारागांव पुलिस को मिलने पर मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया।

भोपाल प्रवास पर आए विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय संगठन महामंत्री

मंदिरों की मुक्ति, जनसंख्या असंतुलन सहित नशा रोकने युवाओं से आह्वान करेगा विहिपः परांडे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के केंद्रीय संगठन महामंत्री मिलिंद परांडे शुक्रवार को भोपाल प्रवास पर आए। इस दौरान विश्व संवाद केंद्र में आयोजित पत्रकारवार्ता में केंद्रीय संगठन महामंत्री मिलिंद परांडे ने प्रयागराज महाकुंभ मेला में हुई त्रिदिवसीय केंद्रीय बैठक के प्रमुख निर्णयों की जानकारी साझा की।

परांडे ने बताया कि विहिप कार्यकर्ता अन्य हिंदू संगठनों के साथ मिलकर हर राज्य के मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपेंगे और मंदिरों को हिंदू समाज को लौटाने की मांग करेंगे।

परिवार में दो से तीन बच्चों का आह्वान

परांडे ने हिंदू समाज की घटती जनसंख्या दर और युवाओं में नशे की प्रवृत्ति पर चिंता जताई। उन्होंने कहा, हिंदू समाज की घटती जनसंख्या देश की पहचान और अस्तित्व के लिए संकट खड़ा कर रही है। विहिप ने हिंदू युवाओं से 25 वर्ष की आयु तक विवाह करने और परिवार में दो से तीन बच्चों का आह्वान किया है। विहिप ने विवाहेत्तर संबंधों और लिव-इन रिलेशनशिप को हिंदू संस्कृति के लिए चुनौती बताया। परांडे ने कहा पश्चिमी भौतिकवाद, अर्बन नक्सल षड्यंत्र और ग्लोबल कॉरपोरेट समूह युवाओं को भटका रहे हैं। विहिप ने युवाओं से पारंपरिक मूल्यों की ओर लौटने और मजबूत पारिवारिक ढांचे को अपनाने का आह्वान किया। विहिप ने देश में 16 करोड़ से अधिक लोगों के नशे की लत को गंभीर समस्या बताते हुए युवाओं से आत्मघाती प्रवृत्तियों से दूर रहने का आग्रह किया है। संगठन ने सरकारों से नशे के माफिया और आतंकियों के गठजोड़ पर कठोर कार्रवाई की भी मांग की।

यह भी मांग

आगामी विधानसभा सत्रों में कार्यकर्ता विधायकों से मुलाकात कर मंदिरों की मुक्ति के लिए समर्थन जुटाएंगे। साथ ही, मुख्यमंत्री को संबंधित राज्य के लिए प्रस्तावित कानून का मसौदा भी सौंपा जाएगा। उत्तर और दक्षिण भारत में बड़ी जनसभाओं के माध्यम से इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया है। मध्यभारत प्रांत की प्रांतीय बैठक आगामी 8 और 9 मार्च 2025 को गुना में आयोजित होगी।

आप नेता पर धमकाने का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारायणपुर

छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिला अस्पताल से महिला डॉक्टर के साथ दुर्व्यवहार का मामला सामने आया है। आरोप है कि आम आदमी पार्टी के नेता सुरजीत ठाकुर ने अस्पताल में घुसकर डॉक्टर दीक्षा बघेल के साथ दुर्व्यवहार किया। इसके अलावा अपने राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल कर निलंबित कराने या ट्रांसफर कराने की भी धमकी दी।

मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार रात 10 बजे डॉ. दीक्षा बघेल इमरजेंसी ड्यूटी पर थी। इस दौरान उन्हें आईसीयू से एक गंभीर सिर में चोट (हेड इंजरी) और एक हाइपोवोलमिक शॉक से पीड़ित मरीज के इलाज के लिए बुलाया गया। इसी बीच आम आदमी पार्टी के नेता सुरजीत ठाकुर अपने बच्चे को दस्त की शिकायत लेकर अस्पताल पहुंचे। चूंकि बच्चे की हालत सामान्य थी, इसलिए चिकित्सकीय प्राथमिकता के अनुसार उन्हें कुछ देर इंतजार करने के लिए कहा गया।

डॉक्टर सहित स्टाफ को धमकाया

इसपर सुरजीत ठाकुर अचानक आग-बबूला हो गए और बिना अनुमति के आईसीयू के प्रतिबंधित क्षेत्र में जबरन घुस गए। उन्होंने डॉ. दीक्षा बघेल को अपशब्द कहते हुए तुरंत अपने बच्चे का इलाज करने के लिए मजबूर किया और गंभीर मरीजों को छोड़ने का दबाव बनाया। आईसीयू से लेकर अस्पताल के गलियारे, पुलिस हेल्प डेस्क और कैजुअल्टी वार्ड तक हंगामा मचा रहा। डॉ. दीक्षा बघेल के बच्चे का इलाज करने के बावजूद, सुरजीत ठाकुर ने उन्हें धमकी दी कि, मैं अपनी ताकत से तुम्हें ट्रांसफर करवा दूंगा, अस्पताल में काम नहीं करने दूंगा, मंत्री के एक फोन से निलंबित करवा दूंगा। उन्होंने अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. विनोद भोयर और डॉ. सूर्यकांत रंगारी के सामने भी डॉक्टर के साथ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया।

घरेलू हिंसा का मामला

सीआरपीसी की धारा 482 के तहत घरेलू हिंसा की शिकायत नहीं कर सकते निरस्त

हरिभूमि जबलपुर।

हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति विशाल धगट की एकलपीठ ने अपने एक आदेश में साफ किया कि सीआरपीसी की धारा 482 के तहत दायर याचिका में एफआइआर को निरस्त किया जा सकता है। घरेलू हिंसा से महिला का संरक्षण अधिनियम के तहत दायर शिकायत के आरोपों को निरस्त नहीं किया जा सकता है। एकलपीठ ने इस टिप्पणी के साथ याचिका को निरस्त कर दिया।

याचिकाकर्ता जबलपुर निवासी संदीप रघुवंशी सहित अन्य की ओर से सीआरपीसी की धारा 482 के तहत दायर याचिका में घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम के तहत पत्नी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत को निरस्त करने की राहत चाही गई थी। याचिका में कहा गया उसने हिन्दू विवाह अधिनियम की धारा 12 के तहत विवाह को शून्य व अमान्य घोषित करने न्यायालय में आवेदन किया था। जिसके बाद अनावेदक पत्नी ने उसके व परिवार के अन्य सदस्यों के विरुद्ध घरेलू हिंसा की शिकायत दर्ज करवा दी गई। इसके अलावा आईपीसी की धारा 498-ए, 377, 506, 34 और दहेज निषेध अधिनियम की धारा-तीन और चार के अंतर्गत आपराधिक शिकायत भी दर्ज कराई गई। हाई कोर्ट ने उसके पिता व बहन के विरुद्ध आईपीसी की धाराओं के तहत दर्ज एफआइआर को निरस्त कर दिया था। एकलपीठ ने अपने आदेश में कहा है कि घरेलू हिंसा अधिनियम की धारा-तीन में वर्णित किए गए तत्वों के आधार पर

याचिकाकर्ताओं के विरुद्ध आरोप लगाए गए हैं। जिसके कारण याचिकाकर्ताओं के बचाव पर विचार नहीं किया जा सकता। सीआरपीसी की धारा 482 के तहत याचिका में एफआइआर निरस्त करने का प्रविधान है। घरेलू हिंसा के तहत दर्ज शिकायत के आरोपों पर फैसला नहीं सुनाया जा सकता। एकलपीठ ने उक्त आदेश के साथ याचिका को निरस्त कर दिया।

जेएमएफसी कोर्ट ने पुलिस को दिए निर्देश

अपराध का उचित अन्वेषण कर अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करें

जबलपुर। प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी अरुण कुमार गोयल की अदालत ने अपने एक आदेश में कहा कि ऐसा लगता है पुलिस द्वारा अपराध का पता लगाने के समुचित प्रयास नहीं किए गए। कोर्ट ने धोखाधड़ी के प्रकरण में पुलिस द्वारा प्रस्तुत खात्मा रिपोर्ट पर असहमति दर्शाते हुए अपने आदेश में लेख किया कि केस डायरी के अवलोकन से यह दर्शित होता है कि पुलिस ने संदेहास्पद व्यक्तियों से पूछताछ कर अपराध का सही पता लगाने के समुचित प्रयास नहीं किया है। वहीं शिकायतकर्ता मनोज गुप्ता ने भी पुलिस द्वारा प्रस्तुत खात्मा रिपोर्ट पर असंतुष्टि प्रकट की है। लिहाजा, पुलिस थाना संजीवनी नगर द्वारा प्रस्तुत खात्मा रिपोर्ट अस्वीकार की जाती है। पुलिस अधिकारी को निर्देशित किया जाता है कि अपराध का उचित अन्वेषण कर अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। मामला कूटरचित हस्ताक्षर कर अवैध रूप से मध्य प्रदेश वुशु संघ पर कब्जा करने का प्रयास किए जाने के आरोप से संबंधित है।

हाई कोर्ट ने विभागीय जांच बिना सेवा से बर्खास्त करने पर मांगा जवाब

जबलपुर। हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत व न्यायमूर्ति विवेक जैन की युगलपीठ ने बिना विभागीय जांच व आरोप पत्र दिए सेवा से बर्खास्त किए जाने के रवैये पर जवाब-तलब कर लिया है। इस सिलसिले में चेयरमैन बैंक आफ इंडिया, मुम्बई, जनरल मैनेजर भोपाल व उज्जैन को नोटिस जारी किए गए हैं। जवाब पेश करने के लिए तीन सप्ताह का समय दिया गया है। याचिकाकर्ता योगेंद्र बरगेश की ओर से अधिवक्ता नर्मदा प्रसाद चौधरी व अमित कुमार चौधरी ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि याचिकाकर्ता पर बैंक की भर्ती परीक्षा में परीक्षार्थी के स्थान पर अन्य व्यक्ति को बैठाने का आरोप लगाया गया। इस सिलसिले में स्पष्टीकरण मांगा गया। स्पष्टीकरण देने के तुरंत बाद शोकाज नोटिस देकर नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया। चूंकि नियमानुसार विभागीय जांच में आरोप सिद्ध न होने तक इस तरह का कठोर दंड नहीं दिया जा सकता।

राजस्व अधिकारियों की बैठक

फर्जी दस्तावेज बनाने वाले गिरोह पर कार्यवाही करें : कलेक्टर

जबलपुर। कलेक्टर दीपक सक्सेना की अध्यक्षता में राजस्व अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। जिसमें राजस्व महाअभियान की समीक्षा करते हुए उन्होंने नक्शा बटांकन, आधार से आरओआर लिंकिंग, फार्मर रजिस्ट्री, बंटवारा, नामांतरण, सीमांकन, धारणाधिकार तथा आरसीएमएस में दर्ज प्रकरणों की तहसीलवार समीक्षा की। उन्होंने सभी एसडीएम व तहसीलदारों को निर्देशित किया कि राजस्व महाअभियान अंतर्गत सभी कार्यों में प्रगति लायें, इसमें लापरवाही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जायेगी। इसके साथ ही कहा कि सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों को गंभीरता से लें और उनका निराकरण करें। प्रकरणों के निराकरण से जिले की रैंकिंग में सुधार होगी। इस दौरान कलेक्टर श्री सक्सेना ने एक-एक प्रकरणों की समीक्षा कर उनके निराकरण के निर्देश दिये। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सभी एसडीएम और तहसीलदार फील्ड विजिट करें और अपने-अपने कार्य को देखें। पेंडिंग प्रकरण न बढ़े इसके लिए लगातार उनके निराकरण करते रहें। उन्होंने कहा कि लंबे समय से एक ही जगह रहने वाले पटवारियों को दूसरी जगह देना सुनिश्चित करें। नये पटवारियों को अच्छे ढंग से प्रशिक्षित करें। जिस तहसील में ज्यादा सीमांकन के प्रकरण है वहां दूसरे तहसील से सीमांकन मशीन मंगाकर कार्य पूर्ण करें। उन्होंने अपर कलेक्टर को निर्देशित किया कि तहसील न्यायालयों के निरीक्षण का शैडयूल बनाये। वहीं सभी एसडीएम से कहा कि राजस्व प्रकरणों के निराकरण के लिए शिविर लगायें।

कलेक्टर श्री सक्सेना ने विशेष रूप से कहा कि जिले में फर्जी जाति प्रमाण पत्र बनाने वाले रैकेट पर तगड़ी कार्यवाही करे। फर्जी हस्ताक्षर व फर्जी आदेश पर तत्काल एफआईआर दर्ज करायें। शासकीय प्रक्रिया में जहां कहीं भी फर्जी कागजात मिले तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि दस्तावेजों की जांच करें, यदि फर्जी है तो इसमें संलिप्त व्यक्तियों पर प्रभावी कार्यवाही करें।

उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाईन, आधार से आरओआर लिंकिंग, आरसीएमएस में दर्ज प्रकरण व राजस्व महाअभियान के घटकों पर सभी राजस्व अधिकारी ध्यान केन्द्रित कर प्रकरणों का निराकरण करें। बैठक में राजस्व प्रकरणों के साथ अन्य विषयों पर विस्तार पूर्वक चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिये। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री नाथूराम गौड़ सहित सभी राजस्व अधिकारी मौजूद थे।

नेशनल लोक अदालत का आयोजन 8 मार्च को

जबलपुर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के निर्देशानुसार पूरे देश में 08 मार्च 2025 को नेशनल लोक अदालत का आयोजन तालुका स्तर से सर्वोच्च न्यायालय तक किया जा रहा है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जानकारी दी गई कि इसी अनुक्रम में राज्य प्राधिकरण एवं प्रधान जिला न्यायाधीश आलोक अवस्थी के मार्गदर्शन में जिला न्यायालय जबलपुर एवं तहसील न्यायालय सिहोरा एवं पाटन में लोक अदालत का आयोजन किया जावेगा।

लोक अदालत में राजीनामा योग्य प्रीलिटिगेशन एवं न्यायालय में लंबित प्रकरणों का निराकरण किया जायेगा, जिसके अंतर्गत चैक बाउंस के केसेस, आपराधिक राजीनामा योग्य प्रकरण, मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण, पारिवारिक विवाद से संबंधित प्रकरण एवं अन्य सभी प्रकार के सिविल प्रकृति के प्रकरण जिनका निराकरण राजीनामा से हो सकता है। इस लोक अदालत में इस लोक अदालत में निराकृत किये जायेंगे। उन्होंने कहा कि अभी तक समस्त न्यायालयों से लगभग 10487 प्रकरण लोक अदालत के लिए चिन्हित कर रेफर किये गये है। पूर्व की भांति नेशनल लोक अदालत में बिजली विभाग एवं नगर निगम के अंतर्गत संपत्तिकर एवं जलकर के मामलों में छूट प्रदान की जायेगी। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर जिले के नागरिको को निःशुल्क एवं सक्षम विधिक सलाह एवं सहायता प्रदान करने में सदैव तत्पर है। देश का कोई भी नागरिक 15100 नंबर डायल कर अपने मोबाईल से भी विधिक सलाह एवं सहायता प्राप्त कर सकता है।

समंस तामीली कराने जा रहा आरक्षक ट्रक की टक्कर से घायल

जबलपुर। चरगवां थाना अंतर्गत ग्राम भौतिया तिराहा के पास गोटेगांव जबलपुर मेन रोड में एक ट्रक ने एक बाईक को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे बाईक में सवार एक आरक्षक घायल हो गया और बाईक भी क्षतिग्रस्त हो गई। चरगवां पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम बगासपुरा गोटेगांव नरसिंहपुर निवासी 30 वर्षीय राहुल नाढोनिया चरगवां थाने में आरक्षक पद पर पदस्थ है। गत दिवस आरक्षक राहुल समंस वारंट तामीली में बिजौरी देहात रवाना हुआ था। समंस वारण्ट शासकीय कार्य करके अपनी मोटर सायकल क्रमांक एमपी 49 जेड एफ 2776 से वापस थाना चरगवां आ रहा था। शाम लगभग 6 बजे ग्राम भौतिया तिराहा के पास गोटेगांव जबलपुर मेन रोड पर पहुंचा, तभी सफेद रंग की टाटा कम्पनी की मिक्चर मशनी वाले ट्रक क्रमांक एमपी 20 जेड एफ 2842 के चालक ने उसकी बाईक में पीछे से टक्कर मार दी, जिससे वह अपनी बाईक सहित नीचे गिर गया और उसके हाथ कंधा, पीठ में चोटें आ गयीं तथा मोटर सायकल भी क्षतिग्रस्त हो गयी है।

माता गुजरी कॉलेज के गणित विभाग ने किया टॉस सॉल्यूशन कंपनी का औद्योगिक भ्रमण

जबलपुर। माता गुजरी कॉलेज के गणित विभाग के द्वारा डायरेक्टर डॉ सुनील कुमार पाहवा तथा प्राचार्य डॉ संगीता झांब, रजिस्ट्रार डॉ सत्येंद्र कुरिया तथा विभाग अध्यक्ष डॉक्टर सुनीता सोनी के निर्देशन में दिनांक 22.2.25 को यूजी और पीजी छात्राओं के लिए टॉस सॉल्यूशन कंपनी में उद्योग भ्रमण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की संयोजक एसोसिएट प्रोफेसर डॉक्टर कुलवंत कौर अहलूवालिया थीं।इस भ्रमण का उद्देश्य छात्राओं को उद्योग में व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने और उद्योग की आवश्यकताओं को समझने का अवसर प्रदान करना था। इस कार्यक्रम में गणित विभाग की लगभग 30 छात्राओं ने भाग लिया।

टॉस सॉल्यूशन की को फाउंडर श्रीमती दीप कौर ने छात्राओं को आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस तथा मशीन लर्निंग के बारे में प्रायोगिक जानकारी दी। प्रोजेक्ट मैनेजर श्री ऋषिराज ने छात्राओं को annotation और ई कॉमर्स मैनेजमेंट के बारे में जानकारी प्रदान की और उन्हें कंपनी के विभिन्न विभागों का भ्रमण कराया। गणित विभाग की छात्राओं को उद्योग में व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने का सुनहरा अवसर प्राप्त हुआ, जो कि सराहनीय था।

संत गाडगे बाबा जी का जन्म दिवस कर्म दिवस के रूप में मनाया जाएगा

जबलपुर। 20वीं शताब्दी के सामाजिक सुधारक जिन्होंने अपना सारा जीवन दलित और दलितों की सेवा में लगाकर स्वच्छता और चारित्रिक शिक्षा पर हमेशा बल दिया था वह संत थे जिन्हें भगवान की तलाश में धर्मशाला, अनाथालय ,आश्रम, अनाथों के लिए विद्यालय की शुरुआत की रंगले,गंजले,दीन-कमजोर अपंग और अनाथ जिनको देवता के रूप में वे देखते थे ऐसी महान सोच वाले संत का जन्म दिवस संत गाडगे धर्मशाला,झामनदास चौक, द्वारका नगर , जबलपुर में 23 फरवरी को दोपहर 1:00 बजे मनाया जाएगा इस कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री, वर्तमान विधायक श्री लखन घनघोरिया होंगे, इस कार्यक्रम में समाज के जितने भी दबे और कुचले हुए लोग है उन पर दार्शनिक,बुद्धिजीवी एवं सामाजिक संगठन के लोग अपनी बात आज के परिवेश में संत गाडगे जी की परिकल्पना उस समय क्या थी उन बातों पर विशेष रूप से प्रकाश डाला जावेगा। इस कार्यक्रम में उपस्थित की अपील समाजसेवी सरमन रजक,एड.विवेक अवस्थी ,सुधीर शर्मा, रमेश मास्टर,रामरतन यादव, पूर्व विधायक नन्हे सिंह धुर्वे,सतीश रजक, महेश रजक, प्रहलाद रजक, शेरू रजक, सुखदेव रजक, राजेंद्र रजक, डी एल रजक, संजू भैया, पप्पू महाजन,टीनू रजक,गोलू रजक, भूरे भैया, कल्लू खलीफा,सुरेश रजक,अतुल गुप्ता, शरण चोहटेल गुड्डू झा,भारत श्रीवास, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय संघठन के एड.धीरज सिंह ठाकुर ,एड अनुराग सिंह ठाकुर, दा बौद्धिष्ठ सोसाइटी ऑफ इंडिया के दीपक अरकड़े, टीकाराम रोहित एवं अन्य ने की है।

उमरा यात्रियों का स्वागत कर, किया रवाना

जबलपुर। मुस्लिम धर्मावलंबियों के मुख्य व पवित्र तीर्थ मक्का-मदीना (सऊदी अरब) उमरा करने जा रहे मप्र मुस्लिम विकास परिषद के प्रदेश सचिव एडवोकेट रफीक मनिहार व उनकी पत्नी तनु मनिहार के रीवा से नगरागमन पर परिषद के जिला कार्यालय मंडी मदार टेकरी में जिलाध्यक्ष डॉ. मुईन अंसारी, पठान समाज के सरदार व वरिष्ठ पत्रकार हाजी मुईन खान, पत्रकार अशफाक आरिफ, परिषद के हाशिम राजा, गुलाम साबरी, पूर्व पार्षद शाबान मंसूरी, फैजान कुरैशी, बब्लू कुरैशी, शाहिद कुरैशी, तारिक कुरैशी, जिया उल हक अंसारी, नोषाद खलीफा, अशरफ कुरैशी, इरफान कुरैशी, मेहताब अली, लियाकत जावेद, खालिद कुरैशी, डॉ. निसार अंसारी, मुज्जफर कुरैशी, ताहिर खोकर, एड. अकबर उस्मानी, समाजसेवी इस्तियाक अंसारी, अलीम मंसूरी, साजिद काजी, अहमद रज़ा, एड.निसार अंसारी, गुलाम किबरिया, मामूर गुड्डू, शेख निजामी, अब्दुल बाकी खान, अशरफ शिराजी, मो. जावेद, मुख्तार अंसारी, मो. इस्लाम आदि ने आगवानी कर पुष्प मालाओं से भव्य स्वागत कर रवाना किया।

इंदौर में ठोस कार्रवाई, जबलपुर में सिर्फ आश्वासन

अवैध यूनिपोल और होर्डिंग को लेकर हो रही केवल खानापूर्ति

जबलपुर। जबलपुर में अवैध यूनिपोल, होर्डिंग के संबंध में केवल आश्वासन देकर खानापूर्ति होना तथा इंदौर में ठोस कार्रवाई होना, यह अंतर सामने आया है। इसकी शिकायत मुख्यमंत्री को की गई तथा जांच की मांग की गई। जबलपुर में लगाए गए 40 यूनिपोल की टेण्डर समय सीमा 3 अक्टूबर 2022 यानि लगभग 3 वर्ष पूर्व में ही समाप्त हो चुकी, यह यूनिपोल अवैध हो चुके हैं और इनको बरकरार रखने की अनुमति नहीं ली गई है। सिविल लाईन स्थित इलाहाबाद बैंक के पास 18 जनवरी को हुए यूनिपोल हादसे से चौंकाने वालें खुलासे सामने आए कि यूनिपोल ठेका किसी और का, चला रहा कोई दूसरा, फ्लैक्स लगा रहा था तीसरा ठेकेदार, ऐसी गैरकानूनी प्रक्रिया यूनिपोल, होर्डिंग के बाबद जबलपुर में लगातार जारी है।

लेकिन जबलपुर में नगर निगम आंखे बंद कर बैठा है, जबकि की इंदौर नगर निगम ने किसी भी दबाव की परवाह न करते हुए एडवरटाईजर पर कार्रवाई की।

जनसंगठनों ने आरोप लगाया कि जबलपुर में अवैध यूनिपोल, होर्डिंग को चिन्हित कर कार्रवाई करने हेतु अभी तक दो जांच समितियों का गठन किया गया है। पहली समिति 3 जुलाई 2024 को, बाद में दूसरी रिपोर्ट मांगी जाएगी, यह आश्वासन जबलपुर के महापौर तथा आयुक्त ने हमेशा दिया, लेकिन अभी तक न तो रिपोर्ट आया न ही अवैध यूनिपोल, होर्डिंग हटाए गए। जनसंगठनों की बैठक में डॉ. पीजी नाजपांडे, रजत भार्गव, टीके रायघटक, डीके सिंह, सुशीला कनौजिया, सुभाष चंद्रा, एड.वेदप्रकाश अधौलिया, संतोष श्रीवास्तव, एड. जीएस सोनकर, हरजीवन विश्वकर्मा, केसी सोनी, आदि उपस्थित थे।

धीमी गति से चल रहे काम पर जताई नाराजगी

सीवर और सफाई व्यवस्था को लेकर मंत्री ने लगाई क्लास

हरिभूमि जबलपुर।

जबलपुर में 2006 में शुरू हुए सीवर लाइन बिछाने के काम में अब तक कोई खास प्रगति नहीं हुई है। 18 वर्षों बाद भी इस कार्य में कोई ठोस नतीजा नहीं निकल सका है। नगर निगम के रिकॉर्ड के अनुसार, शहर में लगभग तीन लाख घरों का रजिस्ट्रेशन है, लेकिन अब तक महज 25 हजार घरों को ही सीवर कनेक्शन मिला है। इस धीमी गति से चल रहे काम की वजह से नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आधे शहर की सड़कें खोदी जा चुकी हैं, और नई बनाई गई सड़कों को भी इस काम के कारण नुकसान पहुंच रहा है।

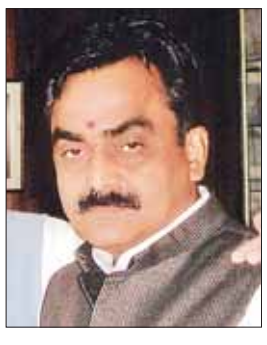

अब एक बार फिर यह उम्मीद जागी है कि सीवर लाईन के काम में अब तेजी आएगी. दराअसल जबलपुर में 18 वर्षों से चल रहे सीवर लाइन के काम को लेकर केबिनेट मंत्री राकेश सिंह ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की है। सर्किट हाउस में कलेक्टर दीपक सक्सेना और निगमायुक्त प्रीति यादव के साथ हुई बैठक में उन्होंने सीवर लाइन कार्य को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। इसके अलावा, मंत्री राकेश सिंह ने शहर की सफाई व्यवस्था पर भी असंतोष जताया और इसमें सुधार लाने के लिए सख्त निर्देश दिए।

समय सीमा में काम पूरा करने निर्देश

सीवर लाइन के धीमे काम और सफाई व्यवस्था की स्थिति पर सख्त नाराजगी जताते हुए मंत्री राकेश सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि इस कार्य को शीघ्रता से पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि सीवर लाइन के कार्य को अगले कुछ महीनों में पूरा करना बेहद जरूरी है और इसके लिए नगर निगम को सख्त कदम उठाने होंगे। इसके अलावा, शहर की सफाई व्यवस्था में सुधार के लिए भी तत्काल कदम उठाने की आवश्यकता है।

महापौर की गैरमौजूदगी पर विपक्ष ने कसा तंज

बैठक के दौरान महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू की अनुपस्थिति पर विपक्षी कांग्रेस पार्षद दल ने सवाल उठाए। विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया कि महापौर की गैरमौजूदगी से यह साफ जाहिर हो रहा है कि प्रदेश सरकार और नगर निगम के बीच समन्वय की भारी कमी है, जिसका असर शहरवासियों पर पड़ रहा है। कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा, उपनेता प्रतिपक्ष शगुफ्ता उस्मानी और सचेतक अयोध्या तिवारी ने कहा कि यह बैठक नगर निगम से संबंधित थी, जिसमें सभी अधिकारी मौजूद थे, लेकिन नगर निगम के प्रमुख यानी महापौर बैठक में अनुपस्थित थे। वहीं दूसरी ओर, एक पक्ष का आरोप यह भी है कि महापौर को बैठक में बुलाया ही नहीं गया था। इस मुद्दे पर नगर निगम के अधिकारियों की ओर से कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन इस मुद्दे ने एक नई बहस को जन्म दे दिया है, जो आगामी दिनों में और गहरा सकती है।

समस्या का समाधान कब?

सीवर लाइन का काम और सफाई व्यवस्था की समस्याओं को लेकर मंत्री राकेश सिंह की नाराजगी के बाद अब यह देखना होगा कि नगर निगम और प्रदेश सरकार इन मुद्दों का समाधान कब तक कर पाती है। नागरिकों की समस्याएं बढ़ती जा रही हैं, और अब यह जिम्मेदारी अधिकारियों पर है कि वे इन समस्याओं का समाधान जल्दी से जल्दी करें, ताकि शहरवासियों को राहत मिल सके।

मानस सेवा के तहत खेरमाई वार्ड में स्वास्थ्य शिविर आयोजित

जबलपुर। विधानसभा क्षेत्र के सात दिवसीय मानव सेवा का संकल्प स्वास्थ्य शिविर के तीसरे दिन शनिवार को भानतलैया स्कूल खेरमाई वार्ड में प्रातः 10 बजे से प्रारंभ हुआ जो शाम 05 बजे तक जारी रहा। महिला एवं पुरुषों ने भारी तादाद में अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया। तीसरे दिन लगभग 3360 हितग्राहियों ने अपना परीक्षण कराया जिसमें 975 हितग्राहियों का चश्मे के लिए पंजीयन किया गया। 115 हितग्राहियों के मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए पंजीयन किए गए, वहीं 1680 हितग्राहियों को दवाइयों का वितरण किया गया। पूर्व कैबिनेट मंत्री, विधायक लखन घनघोरिया ने कहा कि मानव सेवा का जो संकल्प लिया है, पूर्व विधानसभा क्षेत्र के अलावा अन्य विधानसभा क्षेत्र की जनता को भी उक्त शिविर में स्वास्थ्य का लाभ दिया जा रहा है। इस शिविर में दिनेश यादव, अमरीश मिश्रा, संजय अहिरवार, धर्मेन्द्र पटारिया, मन्नू पंडा, जीत जांगड़े, मुरलीधर राव, राजेश दीवान, अभिषेक चंदेल, दिलीप जाट, धीरेन्द्र विश्वकर्मा, पांडू कश्यप, बबलू भोजक, कमल रजक सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। 23 फरवरी रविवार को बीमा हॉस्पिटल कांचघर में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया है।

तीन दिवसीय महाशिवरात्रि महोत्सव 24 फरवरी से

भगवान गुप्तेश्वर महादेव भव्य रजत श्रृंगार में भक्तों को देंगे दर्शन

जबलपुर। संस्कारधानी जबलपुर स्थित स्वयंभू सिद्धपीठ श्री गुप्तेश्वर महादेव मंदिर में इस वर्ष भगवान शिवलिंग का भव्य रजत (चांदी) अलंकरण किया जा रहा है। इस पावन अवसर को और अधिक दिव्य एवं भव्य बनाने हेतु त्रिदिवसीय महाशिवरात्रि महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस ऐतिहासिक आयोजन में संतों, विद्वानों, श्रद्धालुओं एवं शिव भक्तों की विशेष उपस्थिति रहेगी। आयोजन परम पूज्य गुप्तेश्वर पीठाधीश्वर डॉ. स्वामी मुकुंददास महाराज के सानिध्य में आयोजित किया जा रहा एवं भगवान के अनन्य भक्त द्वारिका प्रसाद मिश्रा एवं परिवार के द्वारा भगवान को रजत अर्पित किया जा रहा है।

भगवान गुप्तेश्वर महादेव का महत्व

श्री गुप्तेश्वर महादेव मंदिर जबलपुर की प्राचीनतम शिव स्थली में से एक है। यह मंदिर मां नर्मदा के दक्षिण तट पर स्थित है और यहां विराजमान भगवान शिव स्वयंभू रूप में गुफा के भीतर प्रतिष्ठित हैं। मान्यता है कि भगवान शिव स्वयं इस गुप्त गुफा में प्रकट हुए थे, इसलिए इन्हें 'गुप्तेश्वर महादेव' के नाम से जाना जाता है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि जो भी सच्चे मन से यहां भगवान शंकर की उपासना करता है, उसकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

भगवान शिवलिंग का रजत अलंकरण आध्यात्मिक एवं धार्मिक महत्व

इस वर्ष भगवान गुप्तेश्वर महादेव का श्री रजत अलंकरण किया जा रहा है। रजत (चांदी) को शुद्धता, शीतलता एवं चंद्रमा से संबंध रखने वाली धातु माना जाता है, जो भगवान शिव के परम प्रिय तत्वों में से एक है। इस पावन कार्य का उद्देश्य भगवान गुप्तेश्वर जी के शिवलिंग का क्षरण हो रहा है उसको बचाने एवं शिव के प्रति श्रद्धा एवं भक्ति को प्रकट करना तथा इस आध्यात्मिक स्थल को और अधिक आलौकिक स्वरूप प्रदान करना है। त्रिदिवसीय महाशिवरात्रि महोत्सव विशेष कार्यक्रम 24 फरवरी से प्रारंभ होगा, जिसमें रजत अलंकरण समारोह शाम 4:00 बजे होगा। 25 फरवरी को ध्वज अर्पण एवं मेंहदी उत्सव, 26 फरवरी को भंडारा एवं पांच महाआरती की जाएगी।

गुप्तेश्वर सेवा समिति के सदस्य द्वारिका प्रसाद मिश्रा, एड. राजेश तिवारी, रघुवीर भंडारी, राजेन्द्र त्रिपाठी, कमलेश जायसवाल, ऋषभ मिश्रा, हरीष कुमार सचदेवा, सत्यम मिश्रा, उत्कर्ष रावत, सुषमा केसरवानी, मनप्रीत वाजवा, सर्वेश रजक, दीपिका पाली, रश्मि गुप्ता, कुस्तुभ मिश्रा ने कार्यक्रम में उपस्थिति की अपील की है।

जबलपुर हॉस्पिटल में मेक्सिलोफेशियल सर्जरी वर्कशॉप जारी

मेक्सिलोफेशियल सर्जरी से बच्ची के चेहरों को बनाया सुव्यवस्थित

जबलपुर। 27वीं मेक्सिलोफेशियल सर्जरी कार्यशाला में 22 फरवरी को मैनपुरी उत्तरप्रदेश से आई 13 वर्षीय सौम्या के चेहरे पर जन्मजात क्रेनियोफेशियल डिफोर्मिटी जिसे 'हाइपरटिलारिज्म' कहा जाता है जिससे बेडौल नाक, दोनों आँखों के बीच की दूरी बहुत अधिक थी जिससे उसके चेहरे की बेडौलता की वजह से उसे सारे बच्चे तिरस्कार की नजरों से देखते थे उसके चेहरे, नाक एवं आँखों के चारों ओर की हड्डियों का ऑपरेशन कर उसके चेहरे को सुडौल बनाया गया। इस ऑपरेशन को अमेरिका से पधारे डॉ. घाली, डॉ. स्तवन पटेल एवं डॉ. राजेश धीरावाणी की टीम द्वारा संपन्न किया गया एवं निश्चेतना डॉ. रीपमाला द्वारा दी गई। दूसरा ऑपरेशन 20 वर्षीय युवक का किया गया जिसे बचपन में रेब्डोमायोसारकोमा की बीमारी ऊपरी एवं निचले जबड़े में होने के पश्चात कीमोथैरेपी एवं रेडियोथैरेपी द्वारा इलाज किया गया। जिससे उसके चेहरे के एक तरफ का विकास रुक गया सीटी स्केन की डायकोम फाइल को मुंबई की श्री डी प्रिंटिंग लैब में भेजकर उसके चेहरे की बेडौलता को ठीक करने 'पीक' मटेरियल के इम्प्लांट उसके चेहरे पर सर्जरी करके लगाये गए एवं चेहरे को सुडौल बनाया गया। इस ऑपरेशन को अमेरिका से पधारे डॉ. माइकल टर्नर, डॉ. अंकित शर्मा एवं डॉ. आदित्य धीरावाणी द्वारा संपन्न किया गया एवं निश्चेतना डॉ. भरत श्रीवास्तव ने दी। तीसरा ऑपरेशन जिसमें 34 वर्षीय महिला जो ग्रामीण क्षेत्र से आई थी उसे निचले जबड़े में अमीलोब्लास्टोमा ट्यूमर होने की वजह से चेहरा कुरूप हो गया था, खाने में भी परेशानी थी, उसके निचले जबड़े को आधा काटकर ट्यूमर निकाला गया एवं जबड़े को पैर की हड्डी फिबुला से माइक्रोवेस्कुलर स्कास्टिक सर्जरी द्वारा पुनः बनाया गया। इसे डॉ. घाली, डॉ. अंकित शर्मा द्वारा किया गया एवं निश्चेतना डॉ. प्रतिभा जैन द्वारा दी गई। आज का चौथा ऑपरेशन तम्बाकू खाने की वजह से जबड़े मुंह का केंसर होने की वजह से खाने-पीने में मजबूर 50 वर्षीय पुरुष का किया गया, जिसके आधे जबड़े को काटकर अलग करने के साथ गर्दन में गले की लिम्फनोड को भी अलग किया गया। इस ऑपरेशन को डॉ. प्रीति जैन, अंजनेय दुबे द्वारा एवं निश्चेतना डॉ. रीपमाला द्वारा दी गई। सभागार में बैठे अन्य चिकित्सकों को लाइव सर्जरी में ऑपरेटिंग सर्जन के द्वारा सर्जरी की व्याख्या विस्तार से की गई जिसका कोआर्डिनेशन डॉ. लक्ष्मी शेट्टी पुणे एवं डॉ. सुमित असरानी द्वारा किया गया। रविवार को कार्यशाला के अंतिम दिन कुछ और जटिल ऑपरेशन संपन्न होंगे।

21वें निःशुल्क नेत्र शिविर में 500 से अधिक नेत्र रोगियों की जांच हुई

जबलपुर। हर तीर्थ के दर्शन करने के लिए नेत्रों का स्वस्थ होना चाहिए, ईश्वरीय कृपा से हृदय चक्षु में भगवत दर्शन होते हैं। भौतिक रूप से नेत्रों का परीक्षण चिकित्सा विज्ञान में संभव है। महापुरुष भगवान स्वरूप में विराट स्वरूप में आशीर्वाद देते हैं। गुरु चरणों का आशीर्वाद मिलते ही शिष्य शून्य से शिखर पर पहुंच जाते हैं। गुरु संत महात्माओं परमात्मा का सानिध्य प्राप्त होते ही धर्म संस्कृति की ध्वजा पताका को लेकर शिष्य सारे जगत के कल्याण के लिए कार्य करता है। संतों की कृपा, परमात्मा के आशीर्वाद से वर्ष 2005 से साकेतवासी पूज्य नृसिंह पीठाधीश्वर महंत रामचंद्रदास की पावन स्मृति में आयोजित निःशुल्क नेत्र शिविर नरसिंह मंदिर में पूज्य जगतगुरु डॉ. श्यामदेवाचार्य महाराज के सूक्ष्म दिव्य कृपा छाया में स्वामी कौशल किशोरदास बड़े भक्तमाल अयोध्या, राम रंगी द्वाराचार्य जगद्गुरु नरसिंह पीठाधीश्वर डॉ. स्वामी नरसिंह देवाचार्य महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानंद, स्वामी कलिकानंद, स्वामी मुकुंददास, आचार्य वासुदेव शास्त्री, श्रीकृष्ण राज आराध्य ने आशीर्वाद दिया।

शोभायात्रा से श्रीमद् भागवत कथा प्रारंभ

जबलपुर। पाटन रोड स्थित करमेता में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन 21 से 28 फरवरी तक किया गया है, जिसमें भागवत के आचार्य जबलपुर करमेता निवासी विजय गौतम की सुपुत्री सुश्री अनुष्का गौतम के मुख वाणी से भागवत कथा का वाचन किया जा रहा है। 21 फरवरी को उनके निजस्थान से भागवत जी की बड़ी धूमधाम से शोभायात्रा निकाली गई, व्यास पीठ तक लाकर कथा का शुभारंभ किया गया।

ज्ञान गंगा इंस्टीट्यूट में पांच दिवसीय इनोवेशन बूटकैम्प का हुआ समापन

जबलपुर। एआईसीटीई (ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन) और शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल द्वारा प्रायोजित पाँच दिवसीय इनोवेशन, डिज़ाइन और एंटरप्रेन्योरशिप बूटकैम्प स्टेज-।। का समापन समारोह ज्ञान गंगा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंसेज, जबलपुर में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के दृष्टिकोण के तहत आयोजित किया गया है। इस बूटकैम्प में भारत के विभिन्न हिस्सों से 200 से अधिक छात्रों ने भाग लिया, जिसका उद्देश्य युवाओं में नवाचार और उद्यमिता कौशल को बढ़ावा देना था। समापन समारोह की शुरुआत मान्यवरों का स्वागत करते हुए की गई। इसके बाद डॉ. नीता नाथानी और डॉ. प्रीति राय ने बूटकैम्प की यात्रा के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने प्रतिभागियों की मेहनत और समर्पण की सराहना की और यह बताया कि इस कार्यक्रम ने सफलतापूर्वक रचनात्मकता, डिज़ाइन सोच और उद्यमिता को बढ़ावा देने के अपने उद्देश्य को पूरा किया है। इस अवसर पर प्रमुख व्यक्तित्वों की उपस्थिति रही, जिनमें नितिन कुमार (एआईसीटीई), शेख वसीम (वाधवानी फाउंडेशन), इंजीनियर डी.सी. जैन, अध्यक्ष डॉ. राजनीत जैन, सचिव डॉ. पंकज गोयल, इंजीनियर अपूर्व सिंघई, इंजीनियर विशेष जैन और अन्य प्रतिष्ठित संकाय सदस्य शामिल थे।

रेल स्काउट कार्यालय में आयोजित किया गया विचार दिवस कार्यक्रम

जबलपुर। जिला स्काउट कार्यालय जबलपुर मंडल पश्चिम मध्य रेल भारत स्काउट्स एण्ड गाइड्स द्वारा स्काउटिंग के संस्थापक रॉबर्ट स्टीफेंसन स्मिथ बेडेन पॉवेल (बीपी) और लेडी बीपी का जन्मदिवस 'विचार दिवस' के रूप में मनाया गया जिसमें सर्वप्रथम जिला सचिव अनिल चौबे द्वारा छायाचित्र पर माल्यार्पण किया गया जिसके बाद कु. यनन्या डोंगरे द्वारा बीपी की जीवनी पर संक्षिप्त जानकारी दी गई। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक सुनील टेलर, सुबोध विश्वकर्मा, राजश्री द्विवेदी, सच्चिपति नंदन, विमलेश तिवारी, संजीव तिवारी, स्काउटर कृष्णा उपाध्याय, शुभम कुशवाहा, अब्दुल वाजिद एवं मंडल के स्काउट गाइड उपस्थित रहे।

स्काउट्स एंड गाइड्स ने मनाया विश्व विचार दिवस

जबलपुर। भारत स्काउट गाइड मध्य प्रदेश जिला संघ जबलपुर द्वारा राज्य मुख्यालय भोपाल के आदेशानुसार और सहायक राज्य संगठन आयुक्त ललित कुमार मिश्रा एवं जिला शिक्षा अधिकारी पदेन जिला कमिश्नर स्काउट घनश्याम सोनी के मार्गदर्शन में 22 फरवरी 2025 को स्काउटिंग के संस्थापक लार्ड बेडेन पावेल एवं लेडी बेडेन पॉवेल का जन्म दिवस जिसे गर्ल गाइड्स और गर्ल स्काउट्स आंदोलन के अतीत वर्तमान और भविष्य को किस प्रकार बेहतर बनाए की थीम पर मनाया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रिंकुंज विज अध्यक्ष नगर निगम जबलपुर एवं अध्यक्ष जिला संघ जबलपुर, विशिष्ट अतिथि अजय तिवारी जिला संरक्षक, डॉ. विजयकांत तिवारी जिला मुख्य आयुक्त जिला संघ जबलपुर, देवेन्द्र कुमार भट्ट जिला संघ जबलपुर रहे। इस अवसर पर सभी विद्यालय के स्काउट्स एंड गाइड्स को रानी दुर्गावती संग्रहालय जबलपुर का भ्रमण कराया गया, जिसमें उन्होंने महाकौशल क्षेत्र की ऐतिहासिक विरासत एवं संस्कृति को नजदीक से जाना। जिला संघ द्वारा आयोजित 'क्लाइमेट चेंज और स्काउट का समृद्ध इतिहास' विषय पर विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था, जिसमें प्रथम पुरस्कार विहान देवरगड़, द्वितीय पुरस्कार यशिका, तृतीय पुरस्कार सृष्टि कोल को मिला।

विराट पुस्तक मेला एवं आध्यात्मिक प्रदर्शनी 25 फरवरी से

जबलपुर। संस्कारधानी जबलपुर में एक विराट पुस्तक मेला एवं आध्यात्मिक प्रदर्शनी का आयोजन 25 फरवरी से 3 मार्च 2025 तक शहीद स्मारक ग्राउण्ड, गोलबाजार, जबलपुर में किया जा रहा है, जो प्रतिदिन पूर्वान्ह 11 बजे से रात्रि 9 बजे तक रहेगा। इस पुस्तक मेला में युगऋषि, वेदमूर्ति, तपोनिष्ठ पं. श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा मानव जीवन की लगभग सभी समस्याओं के समाधान हेतु जीवनोपयोगी साहित्य उपलब्ध होगा। यह साहित्य जाति, वर्ग, धर्म, सम्प्रदाय से ऊपर उठकर मानव मात्र के कल्याण के लिए युगऋषि द्वारा लिखा गया है जिसमें वेद, पुराण, उपनिषद, धर्म दर्शन स्मृति, गायत्री एवं यज्ञ का तत्वदर्शन, संस्कार, उपासना, साधना, वनौषधि विज्ञान, अध्यात्म का वैज्ञानिक प्रतिपादन, स्वावलंबन, शिक्षा, ग्राम्य प्रबंधन, व्यक्ति, परिवार, समाज एवं राष्ट्र निर्माण, छात्रोपयोगी, पर्यावरण, नारी जागरण, ज्योतिष विज्ञान, गीत-संगीत आदि विषयों पर विशाल साहित्य की श्रृंखला उपलब्ध होगी।

अनेक प्रदेश से महाकुंभ प्रयागराज आने-जाने वाले हजारों लोग कर रहे भोजन ग्रहण

महाकुंभः गांधीग्राम में लगातार हो रहा भंडारे का आयोजन

सिहोरा। राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 30 जबलपुर सिहोरा हाईवे सड़क मार्ग पर गांधीग्राम तिराहे पर मानव सेवाभाव का अनूठा उदाहरण देखने को मिल रहा है यहां पर भाजयुमो जिला अध्यक्ष राजमणि सिंह बघेल के संयोजन में लगातार 12 दिनों से सुबह से लेकर शाम तक जहां महाकुंभ प्रयागराज जाने आने वाले यात्रियों को स्वल्पाहार, भोजन,चाय,पानी का वितरण किया जा रहा है वहीं अनेक यात्री रात्रि के समय निःशुल्क विश्राम भी कर रहे हैं। रात्रि विश्राम करने वाले यात्रियों के लिए प्रसाधन,सोने के कपड़े, स्नान हेतु व्यवस्था आदि का प्रबंध भी किया गया है।

हाइवे सड़क किनारे आयोजित इस भंडारे में भारत के विभिन्न प्रदेशों में मध्यप्रदेश के अलावा महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक, केरल, तेलंगाना, हैदराबाद सहित अन्य प्रांत के महिला पुरुष बड़ी संख्या में ठहरकर भंडारे में भोजन ग्रहण कर मुक्त कंठ से प्रशंसा कर रहे हैं।

एक बार में हजारों लोगों का बन रहा खाना- भाजयुमो जिला अध्यक्ष राजमणि सिंह बघेल द्वारा भंडारे कार्यक्रम में भोजन बनाने के लिए ऐसे बर्तन की उपलब्धता कराई गई है कि 5 हजार लोगों का खाना एक साथ बन जाता है जहां खाना के तैयार किया जाता है वहां भक्तों की टीम सेवाकार्य में लगी हुई है। जो सुबह से लेकर शाम तक अनवरत जारी रहता है। आयोजन बघेल ने कहा है कि मानवता की सेवा करना ही सच्चा धर्म है।

श्रीमती प्रतिभा शुक्ला- चैतन्य सिटी तिलहरी निवासी श्री संजय शुक्ला की धर्मपत्नी श्रीमती प्रतिभा शुक्ला (45) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती छोटी बाई सैनी- ग्रीन सिटी रोड गोल्ड टाउन निवासी श्री राज किशोर सैनी की धर्मपत्नी श्रीमती छोटी बाई सैनी (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार माढ़ोताल मोक्षधाम में किया गया।

श्री बृज लाल पृथ्यानी- रसीदगंज नया मोहल्ला निवासी श्री बृज लाल पृथ्यानी (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री प्रताप सिंह सैनी- न्यू शोभापुर कॉलोनी निवासी श्री प्रताप सिंह सैनी (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री कैलाश चंद्र दीक्षित- गुप्ता कॉलोनी गढ़ाफाटक निवासी श्री कैलाश चंद्र दीक्षित (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री सूरज पटेल- राजीव गांधी नगर निवासी श्री सूरज पटेल का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती प्रेमलता राजपूत- जेडीए कॉलोनी कटंगा निवासी प्रेमचंद राजपूत की धर्मपत्नी श्रीमती प्रेमलता राजपूत (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री मयूर कुमार चौधरी- बाबा टोला रविदास नगर निवासी श्री रोशन लाल चौधरी के पुत्र श्री मयूर कुमार चौधरी (31) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री प्रेम लाल श्रीवास- पटेल नगर महाराजपुर निवासी श्री प्रेम लाल श्रीवास (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राजेंद्र कुमार अतरखेल- चांदमारी तलैया लालमाटी निवासी श्री राजेंद्र कुमार अतरखेल (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती कुसुम बाला ओंडेला- रक्षा कॉलोनी रांझी निवासी श्रीमती कुसुम बाला ओंडेला का निधन हो गया है। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री सुरेश चौधरी- सिंधी कैंप बड़ी मदार टेकरी निवासी श्री सुरेश चौधरी (50) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री राम स्वरूप यादव- एपीआर कॉलोनी 2, बिलहरी निवासी श्री राम स्वरूप यादव (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री कृष्ण कुमार राजपूत- भरतीपुर सामुदायिक भवन के पास निवासी श्री अशोक राजपूत के पुत्र श्री कृष्ण कुमार राजपूत (39) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री सुरेश कुमार राव- बिलहरी पोस्ट आफिस के पीछे निवासी श्री सुरेश कुमार राव (69) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राजेंद्र प्रसाद सोनकर- भरतीपुर निवासी श्री राजेंद्र प्रसाद सोनकर (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री श्यामल चौधरी- प्रेमनगर पोस्ट आफिस के पास मदनमहल निवासी श्री श्यामल चौधरी (89) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सुनिया बाई बंशकार- रांझी थाने के पीछे निवासी श्री बाबू लाल बंशकर की धर्मपत्नी श्रीमती सुनिया बाई बंशकार (100) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती इंद्रा बाई पांडे- शिवनगर गढ़ा गुलौआ निवासी श्री राजाराम पांडे की धर्मपत्नी श्रीमती इंद्रा बाई पांडे (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री यशवंत परांजपे- दाना बाबा सैनिक सोसायटी साकार हिल्स निवासी श्री यशवंत परांजपे (86) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री सुनील कोल- ललपुर नई बस्ती निवासी श्री लखन कोल के पुत्र श्री सुनील उर्फ मधु कोल (38) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री हरिचरण दास गौतम- मप्र हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी महाराजपुर निवासी श्री हरिचरण दास गौतम (52) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

ग्राम भंडरा में बनेगा सामुदायिक भवन

सिहोरा। सिहोरा विधानसभा के अन्तर्गत ग्राम भंडरा(राजा) के पचेलगढ़ महाराजा संग्राम शाह के 52 गढ़ में शामिल के विकास क्रम को ध्यान में रखते हुए सांस्कृतिक मांगलिक सामुदायिक भवन बनेगा जिससे आमजन को शादी विवाह करने में हो रही परेशानी से छुटकारा मिल जायेगा। नीलेश प्रताप सिंह ने बताया। विभिन्न सार्वजनिक आयोजनों के लिए अभी लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता था क्षेत्रीय जनों की मांग पर विधायक संतोष बरकडे ने भवन की स्वीकृति प्रदान कर दी है।

सोना या शेयर... कहां पैसा लगाना ज्यादा फायदेमंद

- दोनों के 20 साल के रिटर्न से समझें पूरी रणनीति
- सोने की कीमतों में 2023-2025 में बढ़ोतरी जारी
- भू-राजनीतिक तनाव से कीमतें प्रभावित हुई
- सोने व सेंसेक्स ने पिछले 20 वर्षों में समान रिटर्न दिया

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

वर्ष 2023 से सोने की कीमतों में तेज बढ़ोतरी देखी गई है, जो 2025 में भी जारी है। ये बढ़ोतरी भू-राजनीतिक तनावों, मुद्रास्फीति और शेयर बाजार की गिरावट के कारण हुई है। पिछले 20 वर्षों में सोना और सेंसेक्स ने समान रिटर्न दिया है, जिससे दोनों निवेशों की अहमियत स्पष्ट होती है। सोना रोज नए रिकॉर्ड बना रहा है। 2023 और 2024 में सोने की कीमतों में 13% और 27% की बढ़ोतरी देखी गई। 2025 में भी यह तेजी जारी है। अब तक इससे लगभग 10% का रिटर्न मिल चुका है। इस सोने की दौड़ के पीछे कई कारण हैं। इनमें बढ़ती महंगाई, भू-राजनीतिक अनिश्चितता और शेयर बाजार में गिरावट शामिल हैं। ऐतिहासिक रूप से सोने को इन जोखिमों से बचाव का सबसे अच्छा तरीका माना जाता रहा है।

इस बात को भूल जाते हैं लोग

अंतराष्ट्रीय सोने की कीमत अमेरिकी डॉलर में होती है। डॉलर में किसी भी मजबूती का मतलब भारतीय रुपये में कमजोरी है। ऐतिहासिक रूप से रुपये ने डॉलर के मुकाबले मूल्य खोया है। इसलिए जब रुपया कमजोर होता है तो सोने का मूल्य बढ़ता है। यह सोने के भारतीय रुपये-मूल्यवर्ग के रिटर्न को बढ़ाता है। भारतीय निवेशकों के लिए सोने में अतिरिक्त रिटर्न (सालाना 2% और 3% के बीच) रुपये के अवमूल्यन से आया है।

इसलिए डायवर्सिफिकेशन जरूरी : सोना और स्टॉक अलग-अलग प्रकार के निवेश हैं, उन्होंने दो दशकों में समान रिटर्न प्रदान किया है। एक दूसरे से बेहतर हैं या नहीं यह बाजार की स्थितियों, जोखिम की भूख और निवेश लक्ष्यों पर निर्भर करता है। इक्विटी और बॉन्ड के साथ सोने में अच्छा निवेश कॉन्सेंट्रेशन रिस्क को कम करते हुए पोर्टफोलियो को स्थिरता प्रदान करता है। कुल मिलाकर आपके एसेट एलोकेशन के हिस्से के रूप में दोनों का सही अनुपात में होना जरूरी है।

सोने में तेजी की वजह क्या

2020 के बाद भू-राजनीतिक तनाव ने सोने की कीमतों को हवा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। दरों में कटौती के अलावा रूस-यूक्रेन युद्ध, इजरायल-हमास संघर्ष और चीन-ताइवान के बीच बढ़ते तनाव के चलते सोने की कीमतें बढ़ी हैं। इसके अलावा, डोनाल्ड ट्रंप के व्हाइट हाउस में वापसी से वैश्विक अनिश्चितता बढ़ गई है। ट्रंप की टैरिफ नीतियां व्यापार युद्ध शुरू कर सकती हैं। इसका वैश्विक मुद्राओं पर महत्वपूर्ण असर पड़ेगा। सोने का भाव देश में 89 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गया है। कुछ समय पहले बेंचमार्क इंडेक्स बीएसई सेंसेक्स भी 25 सितंबर, 2024 को पहली बार 85,000 के स्तर को पार कर गया था। सेंसेक्स 27 सितंबर, 2024 को 85,978 के सर्वकालिक ऊंचे स्तर पर पहुंच गया था। यह 85,571 पर बंद हुआ था, जो अब तक का सबसे ऊंचा लेवल है। आइए देखते हैं कि पिछले 20 वर्षों में रिटर्न के मामले में दोनों में किसने बाजी मारी है।

किसने मारी बाजी

2005 में सेंसेक्स 8,000 पर था। वहीं, सोना लगभग 7,000 रुपये प्रति 10 ग्राम था। 2025 में सोना और सेंसेक्स (29 सितंबर, 2024) दोनों 85,000 रुपये को पार कर गए। दोनों के बीच यह स्तर छूने में चार महीने का अंतर रहा। हालांकि, एक लॉन्ग-टर्म इन्वेस्टमेंट व्यू ऐसे अंतरों को दूर करता है। चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) फॉर्मूला का इस्तेमाल करते हुए दोनों एसेट्स ने पिछले 20 सालों में 12% से 13% का वार्षिक रिटर्न दिया है। क्या यह एक अद्भुत संयोग नहीं है? लेकिन एक बात है, जिसे लोग अक्सर भूल जाते हैं।

एसबीआई जन निवेश की 250 रुपये वाली एसआईपी कितनी बेहतर होगी

- इस योजना में कितना मिलेगा रिटर्न, किस स्कीम में जाएंगे आपके पैसे
- निवेश करने से पहले इस स्कीम के पिछले आंकड़े जांचे

तैयारी
बिजनेस डेस्क

एसबीआई म्यूचुअल फंड ने हाल ही में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के साथ मिलकर जन निवेश एसआईपी लॉन्च की है, जिसके जरिये सिर्फ 250 रुपये की मंथली एसआईपी से निवेश की शुरूआत की जा सकती है। इसे म्यूचुअल फंड में निवेश को आम लोगों के बीच और पॉपुलर बनाने वाला कदम बताया जा रहा है। जो लोग इस जन निवेश एसआईपी के जरिये म्यूचुअल फंड में पैसे लगाना चाहते हैं, उनके मन में पहला सवाल होगा कि इसमें निवेश करने पर कितना रिटर्न मिलने की उम्मीद की जा सकती है। इस सवाल का जवाब जानने के लिए सबसे पहले तो यह मालूम होना चाहिए कि जननिवेश एसआईपी के जरिये जमा की जाने वाली हर रकम एसबीआई म्यूचुअल फंड की किस स्कीम में लगाई जाएगी। इसके बाद उस स्कीम के पिछले रिटर्न के आंकड़े यह अंदाजा लगाने में मदद करेंगे कि निवेश करने पर कितना रिटर्न मिलने की संभावना हो सकती है।

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड में जाएगी रकम

सबसे पहले बता दें कि जन निवेश एसआईपी से मिलने वाली सारी रकम एसबीआई बैलेंस्ड एडवांटेज फंड में निवेश की जाएगी, जो एसबीआई म्यूचुअल फंड की एक हाइब्रिड स्कीम है। जैसा कि नाम से जाहिर है, यह एक बैलेंस्ड एडवांटेज फंड है, जिसे हाइब्रिड म्यूचुअल फंड की कैटेगरी में रखा जाता है। डायनैमिक एसेट एलोकेशन फंड भी बैलेंस्ड एडवांटेज फंड का ही दूसरा नाम है।

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड की क्या है खूबी

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड या डायनैमिक एसेट एलोकेशन फंड की सबसे बड़ी खूबी यह है कि इसके जरिये निवेशकों के पैसों को बाजार की परिस्थितियों के हिसाब से इक्विटी और डेट में डायनैमिक ढंग से इनवेस्ट किया जाता है। सेबी के नियमों के तहत बैलेंस्ड एडवांटेज फंड के पोर्टफोलियो में इक्विटी और डेट दोनों की हिस्सेदारी 0 से 100 फीसदी तक कुछ भी हो सकती है। किस वक्त किस एसेट क्लास में कितने पैसे लगाने हैं, यह फैसला पूरी तरह फंड मैनेजर की समझदारी से किया जाता है. अगर मैनेजर को लगता है कि इक्विटी में रिटर्न गिरने वाला है, तो वह फंड को इक्विटी से डेट की तरफ ट्रांसफर कर सकता है और अगर शेयर बाजार में बेहतर रिटर्न की गुंजाइश नजर आती है, तो वह इक्विटी में फंड एलोकेशन बढ़ा सकता है। यानी इस हाइब्रिड फंड में पैसे लगाने पर निवेशकों को इक्विटी और डेट दोनों में निवेश का फायदा मिलने की उम्मीद रहती है। यही वजह है कि इसे संतुलित रिटर्न देने वाली स्कीम माना जाता है।

एसआईपी से जुड़े सात सवाल जवाब में छिपी फायदे की बात

- एसआईपी के जरिये किए गए निवेश से पूरा फायदा मिलेगा
- आप निवेश की इस रणनीति पर सही ढंग से अमल कर पाएंगे
- रिटेल इनवेस्टर बड़े पैमाने पर एसआईपी के जरिये करते हैं निवेश, इसमें नुकसान का कम रहता है जोखिम
- थोड़े-थोड़े करके पैसे डालने पर टाइमिंग से जुड़ा रिस्क कम

जानकारी
बिजनेस डेस्क

सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी), म्यूचुअल फंड में निवेश करने का एक पॉपुलर तरीका है। रिटेल इनवेस्टर बड़े पैमाने पर एसआईपी के जरिये म्यूचुअल फंड्स में पैसे लगाते हैं, लेकिन क्या ज्यादातर निवेशक एसआईपी के जरिये निवेश की रणनीति को ठीक से समझते हैं? पिछले दिनों शेयर बाजार में गिरावट के दौरान अधिकांश फंड्स के एसआईपी रिटर्न भी घटे। उस पर निवेशकों के बीच जिस तरह से घबराहट देखने को मिली और लोग एसआईपी को कटघरे में खड़ा करने लगे, उसे देखकर तो यही लगता है कि इस बारे में और अधिक समझदारी बनाने की जरूरत है। अगर रिटेल निवेशकों को एसआईपी के जरिये निवेश का पूरा फायदा उठाना है, तो उनके लिए निवेश के इस तरीके को सही संदर्भ में समझना और उससे जुड़ी गलतफहमियों को दूर करना जरूरी है।

एसआईपी क्या एक अलग इनवेस्टमेंट प्रोडक्ट है

बहुत सारे इनवेस्टर एसआईपी को एक अलग इनवेस्टमेंट प्रोडक्ट समझ लेते हैं. जबकि सच ये है कि एसआईपी कोई अलग इनवेस्टमेंट प्रोडक्ट नहीं है। दरअसल, सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान किसी भी म्यूचुअल फंड में डिसिप्लिन के साथ रेगुलर इनवेस्टमेंट करने का एक तरीका है। ऐसा तरीका, जो निवेश करने की प्रक्रिया को आम निवेशकों के लिए आसान और सुविधाजनक बना देता है। साथ ही इसके जरिये रेगुलर इनवेस्टमेंट का डिसिप्लीन यानी अनुशासन भी मेंटेन किया जा सकता है। एसआईपी का मतलब है, आपके चुने हुए इनवेस्टमेंट प्रोडक्ट यानी म्यूचुअल फंड स्कीम में, पहले से तय अंतर पर (मसलन, हर महीने या 3 महीने में) एक निश्चित रकम निवेश करना यानी इसमें एक फिक्स्ड रकम, पहले से तय फ्रीक्वेंसी के हिसाब से आपके चुने हुए म्यूचुअल फंड में निवेश कर दी जाती है। यानी असल में आपका फंड या चुनी हुई स्कीम ही इनवेस्टमेंट प्रोडक्ट है, जबकि एसआईपी तो सिर्फ उसमें पैसे लगाने का एक सुविधाजनक और बेहतर तरीका है।

एसआईपी क्या एक अलग एसेट क्लास

नहीं। एसआईपी कोई अलग एसेट क्लास नहीं है, लेकिन एसआईपी के जरिये आप अलग-अलग एसेट क्लास में निवेश करने वाले फंड्स में पैसे जरूर लगा सकते हैं। मिसाल के तौर पर अगर आप गोल्ड फंड में एसआईपी करते हैं, तो आपके पैसे उस फंड के जरिये गोल्ड में निवेश होते हैं। यानी एसआईपी कोई अलग एसेट क्लास नहीं, बल्कि इनवेस्टमेंट का तरीका है। कुछ-कुछ वैसे ही, जैसे पोस्ट ऑफिस या बैंक में आप रिकरिंग डिपॉजिट के जरिये पैसे जमा करते हैं।

एसआईपी से तय होता है कम या ज्यादा रिटर्न

एसआईपी के जरिये किए जाने वाले निवेश पर आपको कितना रिटर्न मिलेगा, यह उस फंड के परफॉर्मेंस से तय होता है, जिसमें आप पैसे डाल रहे हैं। एसआईपी को निवेश का बेहतर तरीका इसलिए माना जाता है, क्योंकि इसमें निवेश की टाइमिंग का टेंशन नहीं रहता है। यानी एक साथ पूरे पैसे लगाने की तुलना में एसआईपी के जरिये थोड़े-थोड़े करके पैसे डालने पर इनवेस्टमेंट की टाइमिंग से जुड़ा रिस्क कम हो जाता है। इसका फायदा लंबे अरसे में मिलता है. लेकिन ऐसा नहीं कहा जा सकता कि एसआईपी के जरिये निवेश करने पर मिलने वाला रिटर्न लंपसम यानी एकमुश्त निवेश के रिटर्न से हमेशा ज्यादा या कम ही होगा। इसकी वजह ये है कि लंपसम इनवेस्टमेंट का रिटर्न किसी हद तक निवेश की टाइमिंग पर भी निर्भर रहता है। एसआईपी के जरिये म्यूचुअल फंड में पैसे लगाने पर रिटर्न की कोई गारंटी भी नहीं होती। इसका रिटर्न पूरी तरह उस म्यूचुअल फंड स्कीम के प्रदर्शन पर निर्भर है, जिसे आपने सेलेक्ट किया है।

एसआईपी क्या सिर्फ छोटे निवेशकों के लिए

एसआईपी की बड़ी खूबी है कि आप इसके माध्यम से हर महीने सिर्फ 500 रुपये या उससे भी छोटी रकम से भी निवेश की शुरुआत कर सकते हैं, लेकिन ऐसा नहीं कि एसआईपी सिर्फ छोटे निवेशकों के लिए है। सच तो यह है कि एसआईपी में इनवेस्टमेंट की कोई अपर लिमिट यानी ऊपरी सीमा नहीं होती। इसलिए बड़ी पूंजी लगाने वाले हाई नेटवर्थ निवेशक भी एसआईपी के जरिये निवेश करते हैं। उनकी एसआईपी में दिलचस्पी इसलिए रहती है, क्योंकि इसके जरिये पैसे लगाने पर बाजार के उतार-चढ़ाव से फायदा होता है। मार्केट चढ़ने पर एसआईपी की रकम में कम यूनिट्स मिलती हैं, लेकिन जब बाजार गिरता है, तो एसआईपी के उसी फिक्स अमाउंट में ज्यादा यूनिट्स मिल जाती हैं। इस तरह लंबे अरसे के दौरान निवेश की एवरेज प्रति यूनिट कॉस्ट कम हो जाती है। इसी को रुपी-कॉस्ट एवरेजिंग कहा जाता है, जो एसआईपी की सबसे बड़ी खूबी है।

एसआईपी क्या सिर्फ इक्विटी फंड्स के लिए

ऐसा सोचना सही नहीं है कि एसआईपी के जरिये सिर्फ इक्विटी फंड्स में ही निवेश किया जा सकता है। एसआईपी का इस्तेमाल आप डेट फंड्स या हाइब्रिड फंड्स से लेकर गोल्ड फंड तक, किसी भी म्यूचुअल फंड स्कीम में पैसे लगाने के लिए कर सकते हैं। डेट फंड्स में एसआईपी के जरिये इनवेस्ट करना, कुछ-कुछ वैसा ही है, जैसे बैंक या पोस्ट ऑफिस के रिकरिंग डिपॉजिट (आरडी) में पैसे लगाना। डेट फंड्स में आमतौर पर इक्विटी फंड्स के मुकाबले ज्यादा स्टेबल रिटर्न मिलते हैं। इसलिए डेट फंड में एसआईपी करना उन निवेशकों के लिए बेहतर रहता है, जो ज्यादा रिस्क नहीं लेना चाहते या जो शॉर्ट टर्म के लिए निवेश करना चाहते हैं।

एसआईपी के साथ क्या हमेशा लॉक इन पीरियड जुड़ा होता

टैक्स सेविंग इक्विटी लिंक्ड सेविंग्स स्कीम्स (ईएलएसएस) में किए गए निवेश पर 3 साल का लॉक-इन पीरियड लागू होता है, जबकि रिटायरमेंट फंड्स और चिल्ड्रेंस फंड्स में 5 साल का लॉक-इन होता है। यह लॉक-इन इन स्कीम्स में एसआईपी के जरिये निवेश करने पर भी लागू रहता है, लेकिन बाकी ज्यादातर ओपन-एंडेड म्यूचुअल फंड्स में आप अपने निवेश को कभी भी निकाल सकते हैं, अगर आप एसआईपी शुरू करने के बाद किसी वजह से उसे बीच में रोकना यानी पॉज करना चाहते हैं, तो आप यह काम भी बड़ी आसानी से कर सकते हैं। इसके लिए आपको कोई एक्सट्रा फीस भी नहीं देनी पड़ती है। आप अपनी जरूरत के हिसाब से कुछ यूनिट्स भी बेच सकते हैं। ऐसा करते समय एग्जिट लोड और मुनाफे पर लागू टैक्स की जानकारी जरूर कर लेनी चाहिए। एग्जिट लोड यूनिट्स के होल्डिंग पीरियड के हिसाब से अलग-अलग लगता है।

एसआईपी का 1 साल का रिटर्न देखकर राय बनाना कितना सही

एसआईपी के जरिये किए गए निवेश पर सिर्फ 6 महीने या 1 साल का रिटर्न देखकर राय बनाना सही नहीं है। इक्विटी फंड्स की एसआईपी के मामले में यह बात समझना और भी जरूरी है। दरअसल, इक्विटी फंड्स में एसआईपी करने वालों को हमेशा यही सलाह दी जाती है कि उन्हें 5 साल या उससे भी ज्यादा समय के लिए एसआईपी करने पर फोकस करना चाहिए, क्योंकि इनवेस्टमेंट पर एवरेजिंग और कंपाउंडिंग का पूरा फायदा लेने के लिए ऐसा करना बेहतर रहता है। हालांकि अपने निवेश के उद्देश्य और इनवेस्टमेंट होराइजन के हिसाब से आप कम समय के लिए भी एसआईपी कर सकते हैं.लेकिन उसके लिए सही स्कीम या फंड का सेलेक्शन जरूरी है। उदाहरण के लिए अल्ट्रा शॉर्ट ड्यूरेशन या शॉर्ट ड्यूरेशन फंड जैसे डेट फंड को शॉर्ट टर्म एसआईपी के लिए बेहतर माना जाता है। लेकिन अगर आप स्मॉल कैप या मिड कैप जैसे किसी इक्विटी फंड में एसआईपी शुरू करने के बाद अगले 6 महीने या एक साल में शानदार रिटर्न की उम्मीद करने लगते हैं, तो जरूरी नहीं कि ऐसा हो।

एसबीआई बैलेंस्ड एडवांटेज फंड का लंपसम रिटर्न

- 1 साल का रिटर्न : 9.9%
- 3 साल का औसत सालाना रिटर्न : 12.69%
- लॉन्च से अब तक का औसत सालाना रिटर्न : 11.63%

ऐसा है फंड

एसबीआई बैलेंस्ड एडवांटेज फंड का बेंचमार्क निफ्टी-50 हाइब्रिड कंपोजिट डेबट 50:50 इंडेक्स है, जिसका 1 साल का रिटर्न 9.23%, 3 साल का 9.48% और लॉन्च से अब तक रिटर्न 8.67% रहा है. रिटर्न के ये आंकड़े एसबीआई म्यूचुअल फंड की वेबसाइट से लिए गए हैं। 31 जनवरी 2025 को स्कीम का एक्सपेंस रेशियो रेगुलर प्लान के लिए 1.57% और डायरेक्ट प्लान के लिए 0.69% था. एसबीआई म्यूचुअल फंड की इस स्कीम का एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) 18 फरवरी 2025 तक अपडेटेड आंकड़ों के मुताबिक 32,953.27 करोड़ रुपये था।

एसबीआई बैलेंस्ड एडवांटेज फंड का एसआईपी रिटर्न

- 1 साल का एसबीआई रिटर्न (एन्युलाइज्ड) : 0.99% (रेगुलर प्लान), 1.92% (डायरेक्ट प्लान)
- 3 साल का एसबीआई रिटर्न (एन्युलाइज्ड): 12.55% (रेगुलर प्लान), 13.6% (डायरेक्ट प्लान)

ऐसे कर सकते हैं निवेश

जननिवेश स्कीम को लॉन्च किए जाने से पहले एसबीआई बैलेंस्ड एडवांटेज फंड में मिनिमम एसआईपी अमाउंट 500 रुपये था, लेकिन अब नई पहल के तहत इसमें मिनिमम 250 रुपये की एसआईपी से भी निवेश की शुरुआत की जा सकती है। नई पहल के तहत एसबीआई म्यूचुअल फंड की इस स्कीम में एसबीआई योनो ऐप के अलावा पेटीएम, जिरोधा और ग्रो जैसे डिजिटल फिनटेक प्लेटफॉर्म के जरिये भी निवेश किया जा सकता है। इससे इनवेस्टर अपने मोबाइल से ही एसबीआई की शुरुआत कर पाएंगे।

पिछला रिटर्न भविष्य की गारंटी नहीं

एसबीआई बैलेंस्ड एडवांटेज फंड के पिछले रिटर्न के आंकड़े देखकर आप इस स्कीम के अब तक के प्रदर्शन का अंदाजा लगा सकते हैं. लेकिन म्यूचुअल फंड्स में पिछले प्रदर्शन के भविष्य में भी जारी रहने की कोई गारंटी नहीं होती। फिर भी पिछले प्रदर्शन के आधार पर फंड मैनेजमेंट के बारे में कुछ अनुमान तो लगाया ही जा सकता है। इक्विटी में बड़े एक्सपोजर की गुंजाइश वाले एसबीआई बैलेंस्ड एडवांटेज फंड को रिस्कोमीटर पर हाई रिस्क वाला माना गया है।

निवेश करने के तुरंत बाद मेरे निवेश में गिरावट क्यों हो जाती है शुरू

सुझाव
संदीप वालुंज

निवेश करने के लिए सही समय की भविष्यवाणी करना लगभग असंभव है, इसके बजाय, निवेशित और सुसंगत रहने पर ध्यान केंद्रित करना सबसे बेहतर रहता है।

कई बार यह देखने में आता है कि आप निवेश करें यानी बाजार में पैसा लगाएं और एकदम गिरावट शुरू हो जाए। यह निराशाजनक महसूस करता है जब म्यूचुअल फंड या स्टॉक आपके निवेश के तुरंत बाद गिरने लगते हैं। हालांकि यह दुर्भाग्य की तरह लग सकता है, कई परिहार्य कारक इसमें योगदान करते हैं। निवेशक व्यवहार का दलबार मात्रात्मक विश्लेषण (क्यूएआईबी) लगातार दिखाता है कि व्यक्तिगत निवेशक व्यापक बाजार से कम प्रदर्शन करते हैं। यह काफी हद तक है क्योंकि वे निवेश करने से पहले स्पष्ट संकेतों या सकारात्मक गति की प्रतीक्षा करते हैं, अक्सर गलती करने या लाभ से चूकने के डर से प्रेरित होते हैं। जब तक वे ₹निश्चित₹ महसूस करते हैं, तब तक बाजार पहले से ही वृद्धि में कीमत लगा चुका होता है, जिससे आगे तत्काल ऊपर की ओर बहुत कम गुंजाइश बचती है। इस प्रवृत्ति और निवेश के परिणामों पर इसके प्रभाव को व्यवहारिक वित्त अनुसंधान द्वारा उजागर किया गया है।

झुंड मानसिकता

निवेशक अक्सर दूसरों का अनुसरण करते हैं जब वे बढ़ती कीमतों को देखते हैं, यह सोचकर कि यह सुरक्षा का संकेत है। इससे बाजार की चोटियों के समय बड़े पैमाने पर निवेश हो सकता है जब आशावाद उच्चतम होता है, जिससे बाद में करेक्शन की संभावना बढ़ जाती है।

रीसेंसी बायस

लोग हाल के प्रदर्शन को अनुचित वजन देते हैं। जब कोई स्टॉक या फंड अच्छा प्रदर्शन कर रहा होता है, तो यह ₹सुरक्षित₹ निवेश की तरह लगता है; और लोग जोखिम रेटिंग को अनदेखा करते हैं। जोखिम से बचने वाले कई निवेशक स्मॉलकैप में तब निवेश करते देखे जाते हैं, जब वे काफी ऊपर चढ़ जाते हैं।

नुकसान का डर (जोखिम से बचना)

निवेशक निवेश करने में संकोच करते हैं जब बाजार अनिश्चित या अस्थिर होते हैं, स्थिरता के संकेतों की प्रतीक्षा करते हैं। दुर्भाग्य से, जब तक वे कदम उठाने का सोचते हैं, तब तक विकास की संभावना का एक बड़ा हिस्सा पहले ही घटित हो चुका होता है।

मार्केट टाइमिंग बायस

बाजार स्वाभाविक रूप से अस्थिर हैं, और अल्पकालिक उतार-चढ़ाव सामान्य हैं। यदि आप बाजार के शिखर के दौरान या मूल्यांकन अधिक होने पर निवेश करते हैं, तो एक करेक्शन का पालन किया जा सकता है, जिससे ऐसा प्रतीत होता है कि आपका निवेश गिरावट का कारण बना।

मीन रिवर्सन

मोमेंटम अक्सर शॉर्ट टर्म में स्टॉक या फंड को चलाता है, लेकिन इसका मतलब है कि रिवर्सन (औसत प्रदर्शन पर लौटना) अक्सर मध्यम अवधि में किक करता है. गति का पीछा करने वाले निवेशक इस स्थिर रूप से सामान्य घटना को 'निवेश के तुरंत बाद अंडरपरफॉर्मेंस' कह सकते हैं

दूसरों द्वारा लाभ लेना

जब स्टॉक बहुत तेजी से बढ़ते हैं, तो निवेशकों द्वारा लाभ लेने से गिरावट आ सकती है. उदाहरण के लिए, संस्थागत निवेशक अक्सर पोर्टफोलियो को पुनर्संतुलित करते हैं, ओवरवैल्यूड एसेट बेचते हैं और अंडरवैल्यूड खरीदते हैं. और चूंकि उनके पोर्टफोलियो बड़े हैं, इसलिए यह अक्सर गिरावट की ओर जाता है।

इस घटना से कैसे बचें

- **फंडामेंटल के आधार पर इन्वेस्ट करें** : हाल के प्रदर्शन या रुझानों के बजाय किसी परिसंपत्ति के आंतरिक मूल्य पर ध्यान दें। वैल्यूएशन, अर्निंग ग्रोथ या सेक्टर आउटलुक जैसे मेट्रिक्स का इस्तेमाल करके म्यूचुअल फंड या स्टॉक्स का मूल्यांकन करें।
- **सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) का उपयोग करें** : एकमुश्त निवेश करने के बजाय, एसआईपी आपको समय-समय पर निवेश करने की सुविधा देता है, जिससे बाजार की अस्थिरता का प्रभाव कम होता है।

अनुसंधान और विविधता

केवल पिछले प्रदर्शन पर भरोसा करने से बचें। इसके अलावा, एक क्षेत्र में खराब समय के प्रभाव को कम करने के लिए अपने निवेश को परिसंपत्ति वर्गों, क्षेत्रों और भौगोलिक क्षेत्रों में निवेश करे

निवेश योजना पर टिके रहें

निवेश को अपने लक्ष्यों और जोखिम सहनशीलता के साथ संरेखित करें। अल्पकालिक परिवर्तनों के लिए भावनात्मक रूप से प्रतिक्रिया करने से बचें।

'टाइमिंग द मार्केट' के प्रलोभन से बचें

निवेश करने के लिए सही समय की भविष्यवाणी करना लगभग असंभव है। इसके बजाय, निवेशित और सुसंगत रहने पर ध्यान केंद्रित करें। समय के साथ, अनुशासित और सूचित निवेश आपको इन अल्पकालिक ₹डिप्स₹ से बाहर निकलने और अपने वित्तीय उद्देश्यों को प्राप्त करने में मदद करेगा। जैक बोगल के शब्दों को दोहराते हुए, मैं निवेशकों से यह कहते हुए अपनी बात समाप्त करूंगा: 'अस्थिरता आपका मित्र है, आवेग आपका शत्रु है'।

(लेखक मोतीलाल ओसवाल फायनांशियल सर्विसेस लिमिटेड के ग्रुप चीफ मार्केटिंग ऑफिसर हैं।)

यूएस-एड द्वारा भारत को 21 मिलियन डॉलर प्रदान किए जाने के दावे का मुद्दा आजकल चर्चा में है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान के बाद से भारत में राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। सत्ता दल भाजपा और विपक्षी दल कांग्रेस एक-दूसरे पर पलटवार कर रहे हैं। हालांकि, अमेरिकी यूएस-एड अनुदान रिकार्ड के आधिकारिक ओपन डेटा-सोर्स के मुताबिक भारत को प्रदान की गई अनुदान राशि का कोई उल्लेख ही नहीं है। वर्ष 2008 के पश्चात यूएस-एड द्वारा कोई अनुदान राशि भारत को प्रदान ही नहीं की गई। ट्रंप जिस यूएस-एड की बात कर रहे हैं, वह असल में बांग्लादेश को वितरित की गई थी। इस मुद्दे पर भारत द्वारा चुप्पी साधे रखना भी बड़े सवाल खड़े कर रहा है। इससे देश के आंतरिक मामलों में विदेशी हस्तक्षेप को लेकर भी चिंता बढ़ गई है। इन सबके बावजूद, भारत को हर मुद्दे पर अमेरिका के साथ सुपर पावर की तरह पेश आना चाहिए। सबूत भी मांगने चाहिए और दावों का खुलासा करने पर भी जोर देना चाहिए। भारतीय विदेश मंत्रालय के अनुसार संबंधित विभाग और अधिकारी अमेरिकी गतिविधियों और वित्तपोषण के संबंध में अमेरिकी दावों की जांच कर रहे हैं। इन्हीं सब मुद्दों का विश्लेषण करता आजकल का यह अंक...

यूएस-एड के दावों की जांच जरूरी

कूटनीति

प्रभात कुमार राय

विदेश मामलों के जानकार

अमेरिकी ट्रंप प्रशासन के दक्षता मंत्रालय के प्रभारी सेक्रेटरी एलन मस्क ने एक बयान में कहा था कि भारत के आम चुनाव को प्रभावित करने के लिए यूएस-एड द्वारा 21 मिलियन डॉलर अर्थात 142 करोड़ रुपये प्रदान किए गए। जिस दौर की यह बात है, तब 70 रुपये का एक डॉलर होता था। आजकल एक डॉलर 85 रुपये है। यूएस-एड द्वारा प्रदान की गई राशि को अब अमेरिकी प्रशासन प्रतिबंधित कर रहा है। एलन मस्क के इस बयान ने भारतीय राजनीति में तूफान सा बरपा कर दिया। एक मीडिया संस्थान की विस्तृत जांच पड़ताल के बाद यह तथ्य अब बाकायदा उद्घाटित हो गया कि यह धन राशि भारत को नहीं बल्कि बांग्लादेश को प्रदान की गई थी।

विगत कुछ दिनों से भारत के राजनीतिक पटल पर जबरदस्त सनसनीखेज झूठ चलता रहा। आखिरकार इस झूठ का भारतीय मीडिया द्वारा बाकायदा पर्दाफाश कर दिया गया है। नितांत झूठ का पर्दाफाश हो जाने के पश्चात अब सियासी सन्नाटा है। इससे एक तथ्य पुनः स्पष्ट हो जाता है कि भारतीय राजनीति में झूठ से परिपूर्ण प्रचार प्रसार का कितना अधिक बोलबाला स्थापित हो गया है। अमेरिकन विदेश मंत्रालय की एक एजेंसी है यूएस-एड जिसका पूरा नाम यूनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल एड एंड डेवलपमेंट है। अमेरिकी ट्रंप प्रशासन के दक्षता मंत्रालय के प्रभारी सेक्रेटरी एलन मस्क ने अपने एक बयान में कहा था कि भारत के आम चुनाव को प्रभावित करने के लिए यूएस-एड द्वारा 21 मिलियन डॉलर अर्थात 142 करोड़ रुपये प्रदान किए गए। जिस दौर की यह बात है, तब 70 रुपये का एक डॉलर होता था। आजकल एक डॉलर 85 रुपये है। यूएस-एड द्वारा प्रदान की गई राशि को अब अमेरिकी प्रशासन प्रतिबंधित कर रहा है। एलन मस्क के इस बयान के बाद भारतीय राजनीति में तूफान सा बरपा गया।

बांग्लादेश को प्रदान की गई थी राशि

एक मीडिया संस्थान द्वारा अंजाम दी गई विस्तृत जांच पड़ताल के बाद यह तथ्य अब बाकायदा उद्घाटित हो गया कि यह धन राशि भारत को नहीं वरन् बांग्लादेश को प्रदान की गई थी। अमेरिका के ट्रंप प्रशासन ने दावा पेश किया था कि वोटर टर्न आउट बढ़ाने के लिए यह धन राशि भारत को प्रदान की गई थी। जुलाई वर्ष 2022 में अमेरिकी यूएस-एड द्वारा 142 करोड़ धन राशि बांग्लादेश के चुनाव में वोटर टर्न आउट बढाने की खातिर अनुदान की गई थी। इस राशि के 13।4 मिलियन डॉलर बांग्लादेश में वर्ष 2024 के आम चुनाव से पहले बाकायदा व्यय किए जा चुके थे। यूएस-एड द्वारा वाशिंगटन की एक संस्था कंसोर्टियम फॉर इलेक्शन एंड पॉलिटिकल प्रोसेस स्ट्रेंथनिंग के माध्यम से 21 मिलियन डॉलर बांग्लादेश की एक स्वयंसेवी संस्था को भेजे गए थे, जबकि ट्रंप प्रशासन के शासकीय दक्षता विभाग के सेक्रेटरी कॉरपोरेट टाइकून एलन मस्क द्वारा बिना किसी पुष्ट आधार के बेबुनियाद बयान दे दिया गया कि 21 मिलियन डॉलर भारत को दिए गए।

भारत ने नहीं किया बयान का खंडन

भारतीय हुकूमत द्वारा एलन मस्क के बयान का वक्त रहते खंडन नहीं किया गया। जबकि फॉरेन एक्सचेंज रेगुलेशन एक्ट (फेरा) के तहत भारत भेजे गए विदेशी धन का संपूर्ण ब्यौरा भारत सरकार के पास विद्यमान रहता है। यहां तक कि एलन मस्क द्वारा दिए गए बयान को अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने भी ज्यों का त्यों दोहरा दिया कि भारत को 21 मिलियन डॉलर को प्रदान किए गए थे। फिर क्या था, भारतीय राजनीतिक पटल पर अनेक दिनों तक सियासी कोहराम मचा रहा। भाजपा और कांग्रेस पार्टियां बिना किसी ठोस आधार के केवल ट्रंप प्रशासन द्वारा दिए गए नितांत झूठे बयान के आधार पर परस्पर आरोप प्रत्यारोप के झंझावात में फंस गई।

अमेरिकी यूए-एड द्वारा प्रदान किए जाने वाले प्रत्येक अनुदान के साथ ही एक विशिष्ट निष्पादन संलग्न होता है, जिसमें कि उस देश का नाम भी उल्लेखित किया जाता है, जहां कि इस अनुदान को व्यय किया जाना होता है। अमेरिकी यूएस-एड अनुदान रिकार्ड के आधिकारिक ओपन डेटा-सोर्स के मुताबिक भारत को प्रदान की गई यूस-एड की अनुदान राशि का कोई उल्लेख ही नहीं है।

2008 के बाद भारत को नहीं मिली राशि

वर्ष 2008 के पश्चात यूएस-एड द्वारा कोई अनुदान राशि भारत को प्रदान नहीं की गई है। यूस-एड वस्तुतः विभिन्न देशों की सरकारों को विकास कार्यों को आर्थिक सहायता प्रदान करती रही है और स्वयंसेवी संस्थाओं को भी आर्थिक सहायता प्रदान करती है। यूएस-एड द्वारा प्रदान किए जाने वाले धन राशि की समस्त जानकारी डाटा- सोर्स पर बाकायदा उपलब्ध बनी रहती है। उल्लेखनीय है कि यूएस-एड दीर्घ काल से बांग्लादेश के विकास कार्यक्रमों में सक्रिय तौर पर भागीदार बना रहा है। मोहम्मद यूनुस की कयादत में बांग्लादेश की अंतरिम हुकूमत के साथ हाल ही में यूएस-एड द्वारा 200 मिलियन डॉलर के विकास कार्यक्रमों पर दस्तखत किए गए हैं। लोकतांत्रिक जागरुकता उत्पन्न करने के कुटिल नकाब में अमेरिका द्वारा शेख हसीना हुकूमत के तख्ता पटल की साजिश रची गई थी। जमात-ए-इस्लामी तंजीम के छात्र संगठन के सर्वोच्च लीडर महफूज आलम को यूनुस हुकूमत में मोहम्मद यूनुस के स्पेशल असिस्टेंट का विशिष्ट स्थान प्रदान किया गया है। सरकारी नौकरियों में अवामी लीग से संबंधित लोगों को आरक्षण के विरुद्ध छात्र आंदोलन आरंभ किया गया था। अवामी लीग को प्रदत्त आरक्षण को खत्म कर देने की मांग को शेख हसीना हुकूमत द्वारा तसलीम कर लिया गया था, किंतु इस सबके बावजूद कट्टरपंथी तंजीम जमात-ए- इस्लामी द्वारा प्रेरित और पोषित छात्र आंदोलन बाकायदा पूरी ताकत के साथ जारी रहा। अंततः छात्र आंदोलन की आड़ में जमात-ए-इस्लामी द्वारा शेख हसीना की हुकूमत तख्तापलट कर दिया गया। यूएस-एड द्वारा कथित तौर पर लोकतांत्रिक जागरुकता उत्पन्न करने के लिए प्रदान की गई, यह विशाल धन राशि आखिरकार कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी और उसके लीडर महफूज आलम को सत्ता में आसीन कर गई।

जमात ए इस्लामी को ताकतवर बनाया

नोबेल प्राइज विजेता मोहम्मद यूनुस तो जमात ए इस्लामी के हाथों की कठपुतली बनकर रह गए हैं। महफूज आलम बांग्लादेश की आतंकवादी तंजीम हिजबुल तहरीर का सक्रिय आतंकी रहा है। इस्लामिक कट्टरपंथियों को शक्तिशाली बनाने की जैसी ऐतिहासिक गलती अमेरिका ने पाकिस्तान में अंजाम दी थी और फिर उसका गंभीर परिणाम भी भुगत लिया है। तकरीबन उसी श्रेणी की राजनीतिक गलती अमेरिका ने बांग्लादेश में भी अंजाम दे डाली है। जमात-ए- इस्लामी को ताकतवर बनाकर क्या हासिल कर लेगा अमेरिका नव-साम्राज्यवादी फितरत की अमेरिकी हुकूमत वस्तुतः सीरिया की बशर अल असद हुकूमत का तख्तापलट करने की खातिर अल बगदादी सरीखे जेहादी आतंकवादी की खुले और गुप्त तौर पर सैन्य इमदाद करती रही थी। सीरिया में 85 करोड़ डॉलर का इनाम याफ्ता आतंकवादी सरगना अब अमेरिका चहेता बन बैठा है। दरअसल अमेरिका की कुख्यात खुफिया एजेंसी सीआईए अपनी तख्ता पटल साजिशों को अंजाम देने की खातिर यूस-एड सरीखे विभाग और मुखतलिफ अंतरराष्ट्रीय वित्त पोषित एजेंसियां दुनिया के विभिन्न देशों में सक्रिय स्वयं सेवी संस्थाओं का दुरुपयोग करती ही रहती हैं। शेख हसीना के अब्बा जान बांग्लादेश के निर्माता शेख मुजीब और उनके परिवार की नृशंस हत्या में अमेरिकी सीआईए का हाथ उजागर हुआ था।

अमेरिका नहीं चाहता था बांग्लादेश का निर्माण

उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान की प्रबल समर्थक रही उस दौर की अमेरिकी सरकार को बांग्लादेश का निर्माण कदाचित स्वीकार्य नहीं था। वस्तुतः भारतीय सेना की सक्रिय दखलंदाजी के फलस्वरूप बांग्लादेश का निर्माण रोकने में अमेरिका नाकाम रहा, किंतु बांग्लादेश के कुछ सैन्य अफसरों के माध्यम से सीआईए शेख मुजीब का कत्ल अंजाम देकर तख्ता पलट कराने में कामयाब रहा। पाकिस्तान की राजसत्ता में अमेरिकी हस्तक्षेप तो सदैव ही सर्वविदित रहा है। चीन के अधिक निकट जाने के कारणवश जुल्फिकार अली भुट्टो की हुकूमत का जनरल जिया-उल-हक द्वारा तख्ता पलट में अमेरिकी सीआईए का हाथ निरूपित किया जाता है, क्योंकि तत्कालीन सोवियत रूसी सेना के विरुद्ध अफगान जिहादियों का सैन्य समर्थन करने के लिए तत्कालीन पाक प्रधानमंत्री भुट्टो कदाचित तैयार नहीं हुए थे। कथित तौर पर आर्थिक और सैन्य सहायता के माध्यम से राजनीतिक और सैन्य दखलंदाजी अंजाम देने का अमेरिकी हुकूमतों का दीर्घकालीन का इतिहास रहा है। अफगानिस्तान में कट्टरपंथी इस्लामिक जिहादी सरगना ओसामा बिन लादेन और उसकी तंजीम अलकायदा की परवरिश और परिपोषण करने के लिए अमेरिका द्वारा अरबों-खरबों खर्च कर दिए गए।

अंततः सोवियत रूस के पराभव के पश्चात अलकायदा और ओसामा बिन लादेन ही अमेरिका के प्रबल दुश्मन बनकर उभरे और उसके जिहादी आतंकवादियों द्वारा सन 2001 के 9-11 को न्यूयॉर्क ट्रेड सेंटर पर नृशंस आक्रमण अंजाम दिया। परिणाम स्वरूप अफगानिस्तान में तकरीबन 20 वर्षों तक अमेरिकन सैन्य दखलंदाजी निरंतर बनी रही, किंतु आखिरकार अमेरिकी सेना को तालिबान के हाथों पराजित होकर और आधुनिकतम हथियारों का बड़ा जखीरा छोड़कर अफगानिस्तान से पलायन कर जाने पर विवश होना पड़ा। लोकतांत्रिक अमेरिका अपने तत्कालीन फायदे की खातिर वैश्विक जिहादियों को तैयार करने वाले सबसे कुख्यात देश पाकिस्तान की विराट पैमाने पर सैन्य और आर्थिक सहायता करता रहा है।

नव साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षा मूल कारण

द्वितीय विश्वयुद्ध के पश्चात एक महाशक्ति के तौर पर विश्व पटल पर उभरे अमेरिका को कोरिया, वियतनाम और अफगानिस्तान के युद्धों में शर्मनाक पराजयों का तल्ख दीदार करना पड़ा था, क्योंकि अमेरिका ने नव साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षा के कारण प्रायः अनेक देशों में उन राजनीतिक शक्तियों का समर्थन करता रहा, जो प्रायः गैर लोकतांत्रिक और जनविरोधी रही। चिली में जनतांत्रिक तौर से निर्वाचित राष्ट्रपति अलेंदे का कत्ल करा दिया गया। संपूर्ण दक्षिण अमेरिकी देश वस्तुतः अमेरिका के शत्रु बन गए। अमेरिका द्वारा क्यूबा के अत्यंत लोकप्रिय लीडर फिडल कास्त्रो को कत्ल कराने की बेशुमार कोशिशें अंजाम दी गई। सोवियत संघ के अंध विरोध में अमेरिका ने विश्व पटल पर विनाशकारी इस्लामिक जिहादियों को विकट तौर पर ताकतवर बना दिया। रूस के अंध विरोध में रूस-यूक्रेन युद्ध का आगाज कर दिया। लोकतांत्रिक भारत के अंध विरोध में पाकिस्तान के फौजी तानाशाहों का समर्थन और सहायता अंजाम दी।

सॉफ्ट स्टेट की छवि से बाहर निकले भारत

दो टूक

सुनील अमर

स्वतंत्र पत्रकार

भारत और अमेरिका के बीच हाल के दिनों में ऐसी घटनायें हुई हैं जिनसे भारत के प्रति अमेरिका की नयी सरकार का रवैया और खासकर भारत की विश्व स्तरीय छवि तथा संप्रभुता पर सवाल उठने लगे हैं। ये सवाल इसलिए और ज्यादा मारक हो जाते हैं कि भारत सरकार अपने आपको विश्व की पांचवीं अर्थव्यवस्था बताती है तो प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकन राष्ट्रपति एक दूसरे को 'डियर फ्रेंड' कहकर सम्बोधित करते हैं। ताजा सवाल तथाकथित अमेरिकी सहायता को लेकर है। अमेरिका दुनिया भर में लोकतन्त्र को बढ़ावा देने और ऐसी प्रक्रियाओं की मजबूती के लिए स्वयंसेवी संस्थाओं यानी एनजीओ की मार्फत आर्थिक मदद देता है। अमेरिका में ऐसा करने के लिए वहां की संसद ने सन् 1961 से ही ऐसी व्यवस्था बना रखी है जिसे यूएसएआईडी संक्षेप में यूएसएड कहा जाता है। अमेरिका इनके द्वारा अपने मतलब के देशों में कैसी लोकतांत्रिक व्यवस्था बनाना चाहता है, यह अलग से बहस और खोज का विषय हो सकता है। बीती 19 फरवरी को नवनिर्वाचित अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक भाषण में कहा कि वह भारत में मतदान को बढ़ावा देने के लिए दी जा रही 21 मिलियन डॉलर की अमेरिकी आर्थिक मदद को बन्द कर रहे हैं। ट्रंप ने कहा - 21 मिलियन डॉलर! वाव!! ये लोग (वाइडन प्रशासन) भारत में किसे जिताना चाहते थे? (उनका इशारा था कि मोदी को हराना चाहते थे)। साथ में उन्होंने व्यंग्यपूर्वक यह भी कहा कि भारत के पास पैसा है क्योंकि वह दुनिया में सबसे ज्यादा टैक्स लगाने वाले देशों में से एक है। बात अमेरिका से निकल कर हिन्दुस्तान तक आयी तो कई तरह के अर्थ समेटे हुए थी।

भाजपा व कांग्रेस बने हमलावर

देश के दो प्रमुख राजनीतिक दल भाजपा और कांग्रेस ने इसे हथियार की तरह एक-दूसरे पर इस्तेमाल करना शुरू कर दिया। भाजपा इसमें सोरोस को शामिल करते हुए स्व. शीला दीक्षित तक ले गयी तो कांग्रेस भी पुराने रिकार्ड खंगालते हुए इसे शस्मृति ईरानी तक ले गयी। मजे की बात यह रही कि एक दूसरे पर हमला करने को आतुर ये दोनों प्रमुख राजनीतिक दल यह जानना ही नहीं चाहते थे कि सच्चाई क्या है। इन दोनों ने ट्रंप के अधकचरे भाषण को ही सच मान लिया और गुथ्थमगुथ्था होने लगे! ट्रंप भी एक नेता ही हैं और अपने विरोधी दल को लपेटने का सही या गलत कोई मौका वैसे ही नहीं छोड़ते जैसे कि अपने यहां के नेतागण। सच का पता लगाया एक खोजी पत्रकार ने। महज इन्टरनेट के सहारे पता लगाया कि ट्रंप जिस 21 मिलियन डॉलर की राशि को भारत को दिया जाना बता रहे थे वह असल में बांग्लादेश के लिए मंजूर हुई थी और उसमें से अब तक लगभग साढ़े तेरह मिलियन डॉलर बांग्लादेश को दी भी जा चुकी है, जिसे वहां के छात्र आन्दोलन को खड़ा करने में खर्च किया गया।

भारतीय रवैया निराशाजनक

इसका नतीजा अगस्त 2024 में वहां निर्वाचित सरकार के तख्तापलट के रूप में हुआ। लोकतन्त्र मजबूत करने की अमेरिकी मंशा को आप यहां ठीक से समझ सकते हैं। इस सारे प्रकरण में सबसे

निराशाजनक रवैया भारत सरकार का रहा। बुधवार को सामने आये इस प्रकरण पर शुक्रवार को विदेश मंत्रालय जागा और उसका रवैया भी आधिकारिक कम, राजनीतिक ज्यादा रहा। इसके अगले दिन एक अंग्रेजी अखबार ने 21 मिलियन डॉलर भारत नहीं बांग्लादेश को दिए जाने की खबर प्रमाण सहित छापी लेकिन इन पंक्तियों के लिखे जाने तक भारत सरकार या विदेश मंत्रालय का कोई भी स्पष्टीकरण नहीं आया है।

जिस पैमाने पर भारत सरकार को इस फंडिंग फ्रॉड पर एतराज करना चाहिए था वैसा अभी तक किया नहीं गया। आरोप सरकार बनाने/गिराने का लगा हो तो ऐसे में राजदूत तक तलब कर लिए जाते हैं। दूसरा मामला है अवैध रूप से अमेरिका गये या रह रहे भारतीयों का। दुनिया के हर देश के नागरिक एक-दूसरे देशों में आते-जाते और रहते हैं। अमेरिका जैसे सम्पन्न देशों की तरफ लोग ज्यादा आकर्षित होते हैं।

अमेरिका और उससे सटे कनाडा में तो भारतवंशियों की भरमार है। बताया जा रहा है कि अमेरिका में अवैध रूप से 18000 से अधिक भारतीय रह रहे हैं। ट्रंप ने अपने चुनावी भाषणों में ही कहा था कि सत्ता में आने पर वे देश से अवैध प्रवासियों को निकाल देंगे। लेकिन जिस तरह से वे अपमानपूर्वक भारतीयों को निकाल रहे हैं उस पर सारी दुनिया को हैरत है और चर्चा हो रही है। महिलाओं तक को हथकड़ी-बेड़ी लगाकर, सिखों की पगड़ी उतारकर, सेना के जहाज में लादकर, भूखे-प्यासे इतनी लम्बी यात्रा कराकर ऐसे भारतीयों को भेजा जा रहा है। ऐसी पहली खेप आने के बाद ही प्रधानमन्त्री मोदी अमेरिका गये थे और माना जा रहा था कि वे इस अपमानजनक रवैये पर ट्रंप से बात करेंगे। प्रायः इस तरह की कूटनीतिक बातें पर्दे के पीछे ही होती हैं। लेकिन लगता है या तो भारत ने अपना एतराज जताया नहीं या फिर अमेरिका माना नहीं क्योंकि उसके बाद से भारतीयों को उसी तरह लाद कर दो खेप और आ चुकी हैं। ट्रंप की मंशा तो साफ है कि जो लोग अवैध रूप से अमेरिका में घुसे हैं वो अपराधी हैं और उनके साथ वैसा ही सलूक किया जाएगा। लेकिन अपने को विश्वगुरु कहने वाला भारत, सवा पांच करोड़ की आबादी वाले दक्षिण अमेरिकी देश कोलम्बिया की तरह विरोध तो कर सकता था जिसने ऐसे ही एक अमेरिकी सैन्य विमान को अपने यहां उतरने की अनुमति देने से इनकार कर दिया और कहा कि वह अपने नागरिकों को स्वयं अपने विमान से सम्मानपूर्वक ले आएगा। भारत एक सम्प्रभु राष्ट्र है और सम्प्रभु होने के सारे संसाधन भारत के पास हैं लेकिन संप्रभुता की रक्षा का माद्दा भी तो होना चाहिये। फंडिंग मामले में देश को विरोध का जो स्टैंड लेना चाहिए वो नहीं लिया गया। सरकार अमेरिका से सख्ती से पूछती तो विरोधी दलों का मुंह अपने आप बन्द हो जाता। देश में एफसीआरए कानून है जो विदेशी फंडिंग को नियंत्रित करता है। कैसे सम्भव है कि 21 मिलियन डॉलर की रकम देश में आती है और सरकार को पता ही नहीं है! इसी कानून का प्रयोग करके मोदी सरकार अब तक करीब 21000 संगठनों का विदेशी सहायता लेने का लाइसेंस रद कर चुकी है।

सच्चाई को जानना जरूरी

चुनाव आयोग ने तो सन् 2023 के कर्नाटक चुनाव के दौरान नेशनल पेमेन्ट कारपोरेशन को आदेश दिया था कि वह ऑनलाइन फंड ट्रांसफर पर निगाह रखे ताकि राजनीतिक दल इस रास्ते से अवैध धन न ले सकें। इतने सारे साधन-संसाधन और फिर भी सच्चाई जाने बगैर ट्रंप के भाषण पर भरोसा करके हवा में मुक्के चलाये जा रहे हैं! और फिर यूएसएड के धन से सिर्फ चुनावी सुधार ही नहीं होते बल्कि मानवीय सहायता, वैश्विक स्वास्थ्य, शिक्षा और जलवायु परिवर्तन जैसे कार्यों पर भी यह धन खर्च किया जाता है। धन कहां खर्च हो रहा है, यह सरकार से बेहतर कौन जान सकता है!

ट्रंप प्रशासन के साथ सचेत रहे भारत

विश्लेषण

शंभू भद्र

वरिष्ठ आर्थिक पत्रकार

अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जब से दूसरी बार सत्ता संभाली है, वैश्विक स्तर पर हलचल तेज हो गई है। भू-राजनीतिक समीकरण बदल रहे हैं, अमेरिकी सरकार एक लिमिटेड कंपनी की तरह आचरण कर रही है, अमेरिका को ग्रेट बनाने के अभियान में ग्लोबल स्तर पर अमेरिकी फंडिंग रोकी जा रही है। मस्क और ट्रंप भारत को लेकर सनसनीखेज दावे कर रहे हैं, गाजा को खाली कराकर नए सिरे से निर्माण की योजना पेश की जा रही है। यूएस यूक्रेन के बिना रूस से वार्ता कर रहा है, यूक्रेन को उसके हाल पर छोड़ा जा रहा है, युद्ध के दौरान यूक्रेन को की गई अमेरिकी आर्थिक मदद करीब 300 अरब यूएस डॉलर की वसूली की बात कही जा रही है। शक्तिशाली नाटो की हवा निकाली जा रही है। यूरोप को ट्रंप प्रशासन समझ नहीं आ रहा है क्योंकि यूरोप के बजाय अमेरिका रूस के प्रति नरम रुख अपना रहा है। चीन के प्रति भी ट्रंप शांत दिख रहे हैं। फिजूल खर्ची कम करने के लिए पहले अमेरिका जलवायु करार व विश्व स्वास्थ्य संगठन से बाहर आया, अमेरिकी सरकारी विभाग में छंटनी की तैयारी हो रही है और अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएड) की ओर से दूसरे मुल्कों को की जा रही फंडिंग रोकी गई है। ट्रंपवाद के साये में नया अमेरिका है, जिसमें दो बिजनेसमैन (राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिकी सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) के प्रमुख एलन मस्क) की जोड़ी बचत व मुनाफे वाली आर्थिकी का मुहावरा गढ़ रही है।

अमेरिका विश्वसनीय नहीं रहा

वर्ष 1947 में आजादी के बाद से करीब पांच दशक तक अमेरिकी नीति पाकिस्तान परस्त और भारत विरोधी रही है। उदारीकरण के बाद से करीब तीन दशक में अमेरिकी नीति में शिफ्टिंग हुई और वह धीरे धीरे भारत के करीब होता गया। भारत के लिए रूस हमेशा भरोसेमंद रहा है, अमेरिका कभी भी विश्वसनीय नहीं रहा। अपने आपसी संबंधों में अमेरिका ने हमेशा अपने फायदे को आगे रखा है। वर्ष 2008 में असैन्य परमाणु करार के बाद भारत व अमेरिका में भरोसा बढ़ना शुरू हुआ, जो अभी दोस्ती के स्तर तक पहुंचा है। ट्रंपवाद में यह भरोसा दरक सकता है। इस समय अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप भारत को लेकर अधिक मुखर हैं। अवैध प्रवासियों को हथकड़ियों में भारत भेजना, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यात्रा के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप की द्विपक्षीय वार्ता से ठीक पहले अमेरिकी सरकार का रेसिप्रोकल टैक्स का ऐलान करना और भारत को अधिक आयात के लिए समझौते का दबाव बनाना दो दशक से मजबूत हुए इंडो-यूएस रिश्ते को दांव पर लगाने जैसा है।

लोकतांत्रिक प्रक्रिया में दखल

अब ट्रंप का दावा करना कि भारत में 'मतदान प्रतिशत' बढ़ाने के लिए पूर्ववर्ती बाइडन प्रशासन के समय यूएसएड के जरिये 2.1 करोड़ डॉलर की फंडिंग की गई थी, भारतीय लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सीधा दखल है। ट्रंप ने बृहस्पतिवार को वाशिंगटन में 'रिपब्लिकन गवर्नर्स एसोसिएशन' की बैठक को संबोधित करते हुए यह दावा किया। ट्रंप ने मियामी में एफआईआई प्राथमिकता शिखर

सम्मेलन में भारत को मिलने वाले वित्त पोषण पर चिंता जताई थी और दावा किया था कि 'किसी और को निर्वाचित कराने' का प्रयास किया जा रहा था। उन्होंने 'मतदान प्रतिशत' बढ़ाने के लिए भारत को 2.1 करोड़ डॉलर प्रदान करने के उद्देश्य पर सवाल उठाया था। उनकी टिप्पणी एलन मस्क के नेतृत्व वाले सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) द्वारा यह खुलासा किए जाने के बाद आई है कि अमेरिकी संस्था 'यूएसएड' ने भारत में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए निर्वाचन आयोग को 2.1 करोड़ डॉलर का योगदान दिया है। भारत ने ट्रंप के इस दावे को गंभीरता से लिया है।

भारत ने कहा कि देश में कुछ गतिविधियों के लिए 'यूएसएड' द्वारा वित्त पोषण किए जाने के बारे में खुलासे 'बेहद परेशान करने वाले' हैं और इससे देश के आंतरिक मामलों में विदेशी हस्तक्षेप को लेकर चिंता पैदा हुई है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि संबंधित विभाग और अधिकारी कुछ अमेरिकी गतिविधियों और वित्तपोषण के संबंध में अमेरिकी प्रशासन द्वारा दी गई जानकारी की जांच कर रहे हैं। वोटर टर्नआउट के लिए 2.1 करोड़ डॉलर की अमेरिकी फंडिंग अगर नरेन्द्र मोदी व भाजपा की राह रोकने के लिए हुई है तो यह और भी चिंता की बात है। चूंकि डोनाल्ड ट्रंप ने अभी तक इसका कोई सबूत नहीं दिया है, उल्टे उन्होंने बांग्लादेश को भी दी जा रही 29 अरब डॉलर की यूएस मदद पर भी सवाल उठाया है। एक मीडिया रिपोर्ट में वोटर टर्नआउट के लिए 2.1 करोड़ डॉलर की अमेरिकी फंडिंग बांग्लादेश में होने की बात सामने आई है। इसलिए इस पूरे मामले की जांच जरूरी है। भारतीय लोकतांत्रिक मूल्यों पर हमला करने वाले लोगों को बेनकाब किया जाना चाहिए। यह मदद किसने ली, किस मकसद से ली, कैसी ली, सभी तथ्यों का पर्दाफाश जरूरी है। फंडिंग विवाद की जड़ तक पहुंचना आवश्यक है। अमेरिका ने 16 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय गैर सरकारी संगठन 'कंसोर्टियम फॉर इलेक्शंस एंड पॉलिटिकल प्रोसेस स्ट्रेंथनिंग' (सीईपीपीएस) को अनुदान के रूप में कई देशों को दी जा रही 48.6 करोड़ (लगभग 4300 करोड़ रुपये) अमेरीकी डॉलर की वित्तीय सहायता पर रोक लगाई है। तो क्या अमेरिका मतदान प्रतिशत बढ़ाने के नाम पर भारत में मोदी को सत्ता से बेदखल करने की साजिश रच रहा था? ट्रंप प्रशासन को भी इस बारे में जांच करनी चाहिए। यूएसएड से मिली मदद का इस्तेमाल जिस संस्था के जरिए हुआ, उससे जॉर्ज सोरोस का भी कनेक्शन है।

अमेरिकी फंडिंग की जांच कराएं

अमेरिकी उद्योगपति जॉर्ज सोरोस कई बार भारत में नरेन्द्र मोदी की सरकार को हटाने के लिए मुहिम चलाने का ऐलान कर चुके हैं। यूएसएड से जो पैसा लिया गया, उसमें दावा किया गया कि भारत में दलित और पिछड़े वर्ग के मतदाता वोटिंग में कम हिस्सा लेते हैं, इसलिए इन तबकों तक पहुंचने में, उन्हें वोटिंग के लिए प्रोत्साहित करने में इस पैसे का इस्तेमाल होगा। संयोग देखिए कि राहुल गांधी ने भारत में जातिगत जनगणना को लेकर आवाज बुलंद की और अपनी अमेरिकी यात्रा के दौरान भारत में लोकतंत्र खतरे में है की बात कही। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को फायदा भी हुआ। अमेरिकी फंडिंग की इसलिए गहराई से जांच होनी चाहिए। कांग्रेस ने यूएसएड की भारत में फंडिंग पर श्वेतपत्र लाने की मांग सरकार से की है। भारतीय लोकतंत्र में बाधा डालने वाले बहुत विदेशी उपद्रवी हैं। भारत को बांग्लादेश में भी अमेरिकी भूमिका की जांच करनी चाहिए। अमेरिका इसमें मदद करे। हर मुद्दे पर अमेरिका के साथ भारत को ठसक के साथ पेश आना चाहिए, सबूत मांगना चाहिए और दावों का खुलासा करना चाहिए। भारत दस वर्ष में सॉफ्ट स्टेट की छवि से बाहर निकला है, अब अमेरिका के साथ ट्रेड, टैक्स व कूटनीतिक डील में भारत को सॉफ्ट स्टेट जैसा व्यवहार नहीं करना चाहिए। भारत को एक सुपर पावर जैसा व्यवहार करना चाहिए।

2024 में लेन-देन मूल्य 246.83 लाख करोड़ का हो गया

यूपीआई हर महीने करीब 16 अरब से अधिक लेनदेन संभाल रहा है और 2030 तक यह तीन गुना बढ़ने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि रियल-टाइम धोखाधड़ी का पता लगाना, क्लाउड-नेटिव तकनीक और मजबूत डिजिटल सुरक्षा व्यवस्था अब जरूरी हो गई है

देश में वित्तीय समावेशन नई ऊंचाइयों पर पहुंचा

यूपीआई से भारत में डिजिटल भुगतान में आई क्रांति डिजिटल लेनदेन में हिस्सेदारी बढ़कर 84 फीसदी हुई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) डिजिटल लेनदेन और वित्तीय समावेशन को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा रहा है। वित्त वर्ष 2024 में किए गए हर पांच में से चार डिजिटल लेनदेन यूपीआई के माध्यम से हुए जिससे इसकी हिस्सेदारी 84 प्रतिशत तक पहुंच गई है। फिनटेक कंसल्टिंग और एडवाइजरी फर्म 'द डिजिटल फिफ्थ' की रिपोर्ट के अनुसार यूपीआई सिर्फ एक भुगतान प्रणाली (पेमेंट सिस्टम) नहीं है।

बल्कि यह भारत के लिए एक संपूर्ण डिजिटल इकोसिस्टम के रूप में कार्य कर रहा है। फर्म के संस्थापक और सीईओ समीर सिंह जैनी के मुताबिक यूपीआई हर महीने करीब 16 अरब से अधिक लेनदेन संभाल रहा है और 2030 तक यह तीन गुना बढ़ने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि रियल-टाइम धोखाधड़ी का पता लगाना, क्लाउड-नेटिव तकनीक और मजबूत डिजिटल सुरक्षा व्यवस्था अब जरूरी हो गई है ताकि डिजिटल पेमेंट सिस्टम सुरक्षित और निर्बाध रूप से काम कर सके।

तेजी से बढ़ रहा यूपीआई लेनदेन

2018 में यूपीआई के जरिए कुल 375 करोड़ लेनदेन किए गए थे जबकि 2024 में यह संख्या 17,221 करोड़ तक पहुंच गई। लेनदेन का कुल मूल्य भी 2018 में 5.86 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 2024 में 246.83 लाख करोड़ रुपए हो गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2019 में भारत के डिजिटल भुगतान में यूपीआई की हिस्सेदारी 34 प्रतिशत थी जो 2024 में 83 प्रतिशत से भी अधिक हो गई है। यह बढ़त कार्ड और वॉलेट आधारित लेनदेन की तुलना में काफी तेज रही है।

देश में 3 करोड़ से अधिक व्यापारी यूपीआई से जुड़े हुए

वित्तीय प्रौद्योगिकी में गेम चेंजर

यूपीआई ने अपनी सहजता, सुरक्षा और बहुउपयोगिता के साथ भारत में डिजिटल भुगतान को पूरी तरह से बदल दिया है। चौबीसों घंटे लेन-देन की सुविधा प्रदान करके और सिंगल-क्लिक भुगतान और वर्चुअल एड्रेस जैसी सुविधाएँ प्रदान करके, यह उपयोगकर्ताओं के लिए सुविधा और गोपनीयता दोनों सुनिश्चित करता है। एक ऐप में कई बैंकिंग सेवाओं को एकीकृत करने की इसकी क्षमता इसे वित्तीय प्रौद्योगिकी में एक गेम-चेंजर बनाती है।

व्यापारियों के बीच बढ़ी लोकप्रियता

देश में 3 करोड़ से अधिक व्यापारी (मर्चेंट्स) यूपीआई से जुड़े हुए हैं, और मर्चेंट-टू-कस्टमर लेनदेन 67 प्रतिशत की सालाना दर से बढ़ रहा है। यह पीयर-टू-पीयर लेनदेन से अधिक तेजी से आगे बढ़ रहा है। यूपीआई की बढ़ती लोकप्रियता और डिजिटल भुगतान में इसकी मजबूत पकड़ दिखाती है कि भारत तेजी से कैशलेस अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। आने वाले वर्षों में यूपीआई डिजिटल ट्रांजैक्शन का सबसे बड़ा माध्यम बना रहेगा।

2016 में लॉन्च हुआ था यूपीआई

नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) द्वारा 2016 में लॉन्च किए गए यूपीआई ने कई बैंक खातों को एक ही मोबाइल एप्लिकेशन में एकीकृत करके देश के भुगतान इकोसिस्टम में क्रांति ला दी है। इसके प्लेटफॉर्म से 632 बैंक जुड़े हैं। यह प्रणाली बिना देरी किए रुपयों का हस्तांतरण, व्यापारी भुगतान और पीयर-टू-पीयर लेनदेन को सक्षम बनाती है। यूपीआई ने न केवल वित्तीय लेन-देन को तेज, सुरक्षित और सरल बना दिया है, बल्कि इसने आम लोगों, छोटे व्यवसायों और व्यापारियों को भी सशक्त बनाया है, जिससे देश नकदी रहित अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर हुआ है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि समावेशी विकास और आर्थिक प्रगति के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने की भारत की प्रतिबद्धता को उजागर करती है।

खबर संक्षेप

मॉरीशस में मुख्य अतिथि होंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी अगले महीने मॉरीशस की यात्रा करेंगे। वे मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। मॉरीशस के पीएम नवीन रामगुलाम ने नेशनल असेंबली में इसका ऐलान किया। रामगुलाम ने इसे दोनों देशों के बीच घनिष्ठ द्विपक्षीय संबंधों का प्रमाण बताया। हर साल 12 मार्च को मॉरीशस अपना राष्ट्रीय दिवस मनाता है। इसे 12 मार्च, 1968 को ब्रिटिश शासन से आजादी मिली थी। मॉरीशस स्वतंत्रता की 57वीं वर्षगांठ मना रहा है।

बीएसएफ हेडक्वार्टर के बाहर धमाका, जांच शुरू

अमृतसर। अमृतसर में बीएसएफ हेडक्वार्टर खासा कैंट के गेट नंबर 3 के बाहर शुक्रवार देर रात करीब 1.30 बजे जोरदार धमाका हुआ। धमाके के बाद आसपास इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस व सैन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी। वहीं सैन्य अधिकारी और पुलिस अधिकारी इस बात से पूरी तरह इनकार कर रहे हैं कि किसी भी तरह का कोई ब्लास्ट हुआ है। वहीं दूसरी तरफ विदेश में बैठे आतंकी हैप्पी पासियां और गोपी नवाब शहरियों ने ब्लास्ट की जिम्मेदारी ली।

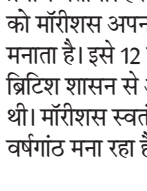

पीएम शेरिंग तोबगे के दौरे पर विदेश मंत्रालय का बयान

आपसी समझ, विश्वास, सदभावना से दोस्ती और सहयोग की मिसाल

विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत और भूटान की मित्रता और सहयोग के संबंध भरोसे, सद्भावना और आपसी समझ पर आधारित हैं। दोनों देशों के बीच नियमित उच्च-स्तरीय आदान-प्रदान की परंपरा के तहत भूटान के पीएम का दौरा हुआ, जो हमारी विशेष साझेदारी की पहचान है।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत और भूटान के बीच मित्रता और सहयोग के संबंध एक मिसाल हैं, जो विश्वास, सद्भावना और आपसी समझ पर आधारित हैं। दोनों देशों के बीच नियमित उच्च स्तरीय आदान-प्रदान की परंपरा के तहत भूटान के पीएम शेरिंग तोबगे का भारत दौरा हुआ। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणवीर जायसवाल ने शनिवार को यह बात कही। तोबगे ने 'स्कूल ऑफ अल्टीमेट लीडरशिप' (एसओयूएल) के पहले नेतृत्व सम्मेलन में भाग लेने के लिए 20 से 21 फरवरी तक भारत की आधिकारिक यात्रा की, जिसका उद्घाटन पीएम नरेंद्र मोदी ने किया था। मंत्रालय ने कहा कि इस दौरान तोबगे ने पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। भूटान के पीएम से रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, सूचना एवं प्रसारण मंत्री किरेन रिजिजू, विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा और केंद्र सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने मुलाकात की।

■ पीएम तोबगे ने कई मंत्रियों से की मुलाकात

तोबगे बोले- मोदी ने सदैव मेरा मार्गदर्शन किया

ऐतिहासिक साझेदारी गहरा करने के लिए प्रतिबद्ध

एसओयूएल लीडरशिप सम्मेलन में भूटान के पीएम महामहिम शेरिंग तोबगे के संबोधन की सराहना करते हुए मोदी ने कहा कि हम भारत और भूटान के बीच अनोखी और ऐतिहासिक साझेदारी को गहरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पीएम मोदी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया 'एक्स' पर पोस्ट में लिखा कि एक बार फिर अपने मित्र पीएम शेरिंग तोबगे से मिलकर खुशी हुई। लीडरशिप सम्मेलन में उनके संबोधन की सराहना करता हूँ। हम भारत और भूटान के बीच अनोखी और ऐतिहासिक साझेदारी को और गहरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

दोनों देशों के बीच उच्च स्तरीय आदान-प्रदान परंपरा

विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत और भूटान की मित्रता और सहयोग के संबंध भरोसे, सद्भावना और आपसी समझ पर आधारित हैं। दोनों देशों के बीच नियमित उच्च-स्तरीय आदान-प्रदान की परंपरा के तहत भूटान के पीएम का दौरा हुआ, जो हमारी विशेष साझेदारी की पहचान है।

पीएम मोदी को बताया बड़ा भाई और गुरु

'स्कूल ऑफ अल्टीमेट लीडरशिप' समिट में शुक्रवार को तोबगे ने पीएम मोदी को अपने 'बड़े भाई' और 'गुरु' के रूप में संबोधित किया। उन्होंने कहा, निसंदेह मैं आपमें एक बड़े भाई की छवि देखता हूं, जो हमेशा मेरा मार्गदर्शन करते हैं और मुझे मदद देते हैं। तोबगे ने 'स्कूल ऑफ अल्टीमेट लीडरशिप' समिट को मोदी की बुद्धिमत्ता का परिणाम बताया और कहा कि यह उनके नेतृत्व सही नेताओं को आगे बढ़ाने और उन्हें महान भारतीय गणराज्य की सेवा में सक्षम बनाने की प्रतिबद्धता का एक और प्रमाण है।

भारतवंशी काश पटेल बने एफबीआई निदेशक

गीता पर हाथ रखकर ली शपथ न्याय के प्रति जताई प्रतिबद्धता

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

संयुक्त राष्ट्र अमेरिका की फेडरल ब्यूरो ऑफ इंवेस्टिगेशन (एफबीआई) के निदेशक भारतवंशी काश्यप पटेल जिन्हें मीडिया काश पटेल के नाम से संबोधित करता है, ने भगवद गीता पर हाथ रखकर शपथ ली। समारोह के दौरान उनके परिवार के सदस्य और उनकी महिला मित्र मौजूद थीं। इसका आयोजन व्हाइट हाउस परिसर में आइजनहावर कार्यकारी कार्यालय भवन (ईईओबी) में किया गया।

उनकी महिला मित्र शपथ के दौरान भावुक दिखीं। अमेरिकी अटार्नी जनरल पाम बांडी ने पटेल से गीता पर हाथ रखकर शपथ लेने के लिए दाहिना हाथ उठाने कहा। पटेल ने कहा कि मैं अमेरिकी सपने को जी रहा हूं। जो कोई सोचता है कि अमेरिकी ड्रीम दम तोड़ चुका है, वह यह देखे। आप पहली पीढ़ी के भारतीय बच्चे से बात कर रहे हैं, जो इस महान राष्ट्र की महत्वपूर्ण एजेंसी का नेतृत्व करने वाला है। ऐसा कहीं और नहीं हो सकता है।

काश के लिए बहुत सम्मान: ट्रंप

ट्रंप ने पटेल की तारीफ करते हुए कहा कि खुफिया एजेंटों के मन में काश के लिए बहुत सम्मान है। मुझे लगता है कि वह इस पद पर अब तक के सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति बनेंगे। पटेल के पद संभालने के साथ ही संघीय जांच ब्यूरो ने वाशिंगटन मुख्यालय से 1,500 कर्मचारियों को ट्रांसफर करने का आदेश दिया। लगभग 1,000 कर्मचारियों को अमेरिका के आसपास के क्षेत्रीय कार्यालयों में भेज दिया जाएगा, अन्य 500 को अलबामा में हंट्सविले ट्रांसफर करने का आदेश दिया जाएगा। संघीय सरकार के आंकड़ों के अनुसार, ब्यूरो के पास जून 2024 तक वाशिंगटन में 9,414 कर्मचारी थे, जबकि देशभर में 37,478 कर्मचारी थे।

जनता का विश्वास बहाल करेंगे

पटेल ने कहा कि एफबीआई की एक लंबी विरासत है। जी-मेन से लेकर 9/11 के बाद हमारे देश की सुरक्षा तक। अमेरिकी लोग एक ऐसी एफबीआई के हकदार हैं जो पारदर्शी, जवाबदेह और न्याय के प्रति प्रतिबद्ध हो। हमारी न्याय प्रणाली के राजनीतिकरण ने जनता के विश्वास को खत्म कर दिया है। मगर यह आज खत्म हो गया है।

भारत-जापान इकोनॉमी एंड इन्वेस्टमेंट फोरम में बोले पीयूष

भारत का पांचवां सबसे बड़ा विदेशी निवेशक जापान, 43 अरब डॉलर से ज्यादा का निवेश

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

जापान, भारत का एक मुख्य साझेदार है और जापान की ओर से 2000 से लेकर 2024 के बीच 43 अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया गया है, जो इसे भारत का पांचवां सबसे बड़ा विदेशी निवेशक बनाता है। भारत-जापान इकोनॉमी एंड इन्वेस्टमेंट फोरम को संबोधित करते हुए केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यह बात कही। केंद्रीय मंत्री ने सरकार का उद्देश्य जीडीपी में मैन्युफैक्चरिंग की हिस्सेदारी बढ़ाकर 25 प्रतिशत करना है और इस लक्ष्य को हासिल करने में जापान एक अहम साझेदार होने वाला है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जापान उत्कृष्टता के लिए एक बेंचमार्क के रूप में कार्य करता है और भारत मैन्युफैक्चरिंग में समान उच्च मानकों को अपनाने का प्रयास कर रहा है।

1400 से अधिक जापानी कंपनियां भारत में

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि करीब 1,400 से अधिक जापानी कंपनियां भारत में ऑपरेट कर रही हैं और 8 राज्यों में 11 इंडस्ट्रियल टाउनशिप जापानी इंटरप्राइजेज की मेजबानी कर रही हैं। उन्होंने आगे बताया कि मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल और दिल्ली, अहमदाबाद, बेंगलुरु और चेन्नई के मेट्रो सिस्टम में जापान पार्टनर है जो भारत के विकास में जापान की अहम भूमिका को दिखाता है।

जयशंकर ने तौहीद हुसैन को दी चेतावनी

विदेश मंत्री ने कहा-अब बांग्लादेश आतंकवाद को सामान्य न बनने दे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार तौहीद हुसैन से दो टूक शब्दों में कहा था कि ढाका आतंकवाद को सामान्य न बनने दे। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को यह खुलासा किया। दोनों नेताओं की मुलाकात इस सप्ताह की शुरुआत में मस्कट में हुई थी। बैठक के बाद विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा था कि बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के विदेश मामलों के सलाहकार के साथ बातचीत द्विपक्षीय संबंधों और बिम्सटेक पर केंद्रित थी।

मोदी और यूनुस के मिलने पर चर्चा

बातचीत के दौरान अप्रैल में बैंकॉक में आयोजित होने वाले बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के दौरान मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस और पीएम नरेंद्र मोदी के बीच एक बैठक करने का विषय भी उठा। बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के लिए बंगाल की खाड़ी पहल' (बिम्सटेक) का छठा शिखर सम्मेलन 2-4 अप्रैल को बैंकॉक में होगा।

ईरान के जनरल इब्राहिम जब्बारी ने इजराइल को दी चेतावनी

'ऑपरेशन टू प्रॉमिस 3' से तेल अवीव को मिट्टी में मिला देंगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ईरान और इजराइल के बीच मिसाइलों की जंग के बाद अब जुबानी जंग छिड़ गई है। दोनों देश अब एक दूसरे को खुलकर धमकी दे रहे हैं और हमला करने की बात कह रहे हैं। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के जनरल इब्राहिम जब्बारी ने चेतावनी दी कि ईरान 'ऑपरेशन टू प्रॉमिस 3' के तहत इजराइल को मिट्टी में मिला देगा। सही समय पर, सटीकता के साथ और इजराइल को नष्ट करने और तेल अवीव और हाइफा को जमींदोज कर देगा। जब्बारी की टिप्पणी उच्च रैंकिंग वाले आईआरजीसी अधिकारियों की ओर से एक सप्ताह में तीसरी ऐसी धमकी है। उधर, इजराइली विदेश मंत्री गिदोन साआर ने जवाब देते हुए कहा, यदि यहूदी लोगों ने इतिहास से कुछ सीखा है, तो वह यह है यदि आपका दुश्मन कहता है कि उसका लक्ष्य आपको नष्ट करना है तो उस पर विश्वास करें। हम तैयार हैं।

धमाकों के बाद यूएस दूतावास का अलर्ट

येरूशलम। इजराइल में तीन बसों में हुए बम धमाकों के बाद अमेरिकी दूतावास ने अलर्ट जारी किया है। इजराइल स्थित अमेरिकी दूतावास ने एक बयान में कहा कि 20 फरवरी को सार्वजनिक बसों में हुए विस्फोटों के बाद अत्यधिक सावधानी बरतते हुए अमेरिकी दूतावास ने अमेरिकी सरकारी कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों पर 14 दिन के लिए सार्वजनिक बसों और इजराइल में लाइट रेल का उपयोग करने पर अस्थायी रूप से प्रतिबंध लगा दिया है। अमेरिकी दूतावास ने अमेरिकी नागरिकों को लगातार सावधानी बरतने और व्यक्तिगत सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने के लिए कहा है।

24 फरवरी से 9 मार्च ईस्ट फूजी युद्ध प्रशिक्षण क्षेत्र में होगा आयोजन

संयुक्त सैन्य अभ्यास 'धर्म गार्जियन' के लिए भारतीय सेना जापान रवाना

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय सेना का एक दल शनिवार को भारत-जापान संयुक्त सैन्य अभ्यास 'धर्म गार्जियन' में भाग लेने के लिए जापान रवाना हो गया। यह अभ्यास 24 फरवरी से 9 मार्च 2025 तक जापान के ईस्ट फूजी युद्ध प्रशिक्षण क्षेत्र में आयोजित होगा। यह जानकारी रक्षा मंत्रालय ने दी। 'धर्म गार्जियन' एक वार्षिक सैन्य अभ्यास है जो बारी-बारी से भारत और जापान में आयोजित किया जाता है। इसका पिछला संस्करण फरवरी-मार्च 2024 में राजस्थान में हुआ था। इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य शहरी युद्ध और आतंकवाद विरोधी अभियानों में भारत और जापान की सेनाओं के बीच बेहतर तालमेल और समन्वय स्थापित करना है। भारतीय दल में 120 सैनिक शामिल हैं जिनमें से अधिकांश मद्रास रेजिमेंट के जवान हैं। इनके साथ अन्य यूनिट्स के सैनिक भी भाग ले रहे हैं। जापान की ग्राउंड सेल्फ डिफेंस फोर्स के 34वें इन्फैंट्री रेजिमेंट के समान संख्या में सैनिक इस अभ्यास में शामिल होंगे।

दोनों देशों की सैन्य साझेदारी और सांस्कृतिक संबंध गहरे होंगे

भारतीय दल में 120 सैनिक शामिल, अधिकांश मद्रास रेजिमेंट से

सामरिक अभ्यास और आपदा रणनीति पर जोर देंगे

दोनों सेनाएं संयुक्त रणनीति, सामरिक अभ्यास, शारीरिक फिटनेस और आपदा प्रतिक्रिया रणनीतियों पर जोर देंगी। इससे युद्ध कौशल विकसित करने, सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने और दोनों सेनाओं के बीच आपसी समन्वय को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, यह अभ्यास अक्टूबर 2024 में भारत के थलसेना प्रमुख की जापान यात्रा के बाद रक्षा सहयोग को और मजबूत करेगा। भारत और जापान इस अभ्यास के जरिए क्षेत्रीय सुरक्षा, शांति और स्थिरता के प्रति अपनी साझी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। यह दोनों देशों की मजबूत सैन्य साझेदारी और सांस्कृतिक संबंधों को और गहरा करेगा। 'धर्म गार्जियन' भारत-जापान की दोस्ती और विश्वास का प्रतीक है, जो उनके व्यापक रक्षा सहयोग को और मजबूत बनाएगा।

संभावित खतरों से निपटेंगे

भारत और जापान के बीच सहयोग हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बदलते सुरक्षा परिदृश्य के संदर्भ में महत्वपूर्ण हो गया है। दोनों देश क्षेत्र में स्थिरता, विकास और अंतरराष्ट्रीय नियमों के प्रति सम्मान की समान सोच रखते हैं। नियमित संयुक्त सैन्य अभ्यास के माध्यम से, वे संभावित खतरों से निपटने और क्षेत्रीय शांति बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करेंगे।

राष्ट्रपति ट्रंप ने सीक्यू ब्राउन को हटाया

लेफ्टिनेंट जनरल डैन कैन होंगे संयुक्त सेना के नए अध्यक्ष

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की कि उन्होंने संयुक्त सेना के अध्यक्ष सीक्यू ब्राउन को हटा दिया है। उनकी जगह वायु सेना के लेफ्टिनेंट जनरल डैन कैन को नया अध्यक्ष नामित किया गया है। ट्रंप ने यह भी संकेत दिया कि यह अमेरिकी सेना में बदलाव की शुरुआत है और आने वाले दिनों में और भी बड़े फैसले लिए जा सकते हैं।

ट्रंप ने कहा कि नए अध्यक्ष के रूप में लेफ्टिनेंट जनरल डैन "राजिन" कैन की नियुक्ति होगी। कैन एक अनुभवी एफ-16 पायलट हैं जिन्होंने अमेरिकी वायु सेना और नेशनल गार्ड में अपनी सेवाएं दी हैं। हाल ही में, वे सीआईए में सैन्य मामलों के एसोसिएट डायरेक्टर के रूप में काम कर रहे थे। इसके अलावा, ट्रंप ने घोषणा की कि पेंटागन अपने बजट में कटौती करेगा और अगले हफ्ते 5,400 प्रोबेशनरी कर्मचारियों को हटाने की योजना बना रहा है।

धनश्री वर्मा को तलाक के बाद मिली 60 करोड़ की एलिमनी

मुंबई। क्रिकेटर युजवेंद्र चहल और कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा का तलाक हो चुका है। दोनों आपसी सहमति से एक-दूसरे से अलग हो चुके हैं। उनके बीच अलगाव की खबरें तो काफी समय से आ रही थीं, लेकिन अब जाकर कानूनी रूप से युजवेंद्र और धनश्री एक-दूसरे से अलग हुए हैं। यह चर्चा जोरों पर थी कि तलाक के बाद युजवेंद्र ने धनश्री को 60 करोड़ रुपये की एलिमनी दी है। अब इस मामले में धनश्री के परिवार ने चुप्पी तोड़ दी है। धनश्री के परिवार के एक सदस्य ने नाम न बताने की शर्त पर बॉम्बे टाइम्स से कहा, एलिमनी को लेकर जो झूठी खबरें फैलाई जा रही हैं, हम उनसे बहुत दुखी हैं। मैं एक बात स्पष्ट कर देना चाहता हूं...न तो इतनी रकम कभी मांगी गई, ना ही हमारे सामने पेशकश की गई।

लाइफ Style

कृति

इस साल नहीं करेंगी शादी

एजेंसी ⏭ मुंबई

अभिनेत्री कृति सैनन पिछले काफी समय से बिजनेसमैन कबीर बहिया के साथ अपने अफेयर को लेकर चर्चा में हैं। खबर है कि दोनों इस साल शादी करने वाले हैं। हाल ही में कृति अपने बॉयफ्रेंड कबीर के घरवालों से मिलने दिल्ली पहुंचीं। अब ताजा खबर यह है कि कृति इस साल शादी नहीं करेंगी।

दरअसल, अभिनेत्री इस वक्त अपनी आगामी परियोजनाओं की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसके चलते वह इस साल शादी के बंधन में नहीं बंधेगी। कृति इन वक्त दिल्ली में हैं और अपनी आगामी फिल्म 'तेरे इश्क में' की शूटिंग कर रही हैं। इसके तुरंत बाद कृति अपनी अगली फिल्म की तैयारी शुरू कर देंगी, जो 'कॉकटेल' का सीक्वल हो सकता है। एक सूत्र ने कहा, इस साल कृति के पास समय ही कहां है? वह अभी दिल्ली में हैं और 'तेरे इश्क में' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इसके बाद वह एक सीक्वल की शूटिंग करेंगी। बीच में कोई ब्रेक नहीं है।

बेंगलुरु में एक शादी में शामिल हुए थे कबीर और कृति : पिछले दिनों कबीर और कृति को बेंगलुरु में एक शादी में साथ देखा गया था, जहां दोनों ने कपड़े भी एक ही रंग के पहने हुए थे और दोनों शादी का जमकर लुत्फ उठा रहे थे। बता दें कि 1999 में लंदन के एक अमीर परिवार में जन्मे 25 साल के कबीर ने 2018 में इंग्लैंड के बोर्डिंग स्कूल मिलफील्ड में अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की। कबीर ब्रिटेन की एक बड़ी ट्रेवल एजेंसी के मालिक कुलजिंदर बहिया के बेटे हैं।

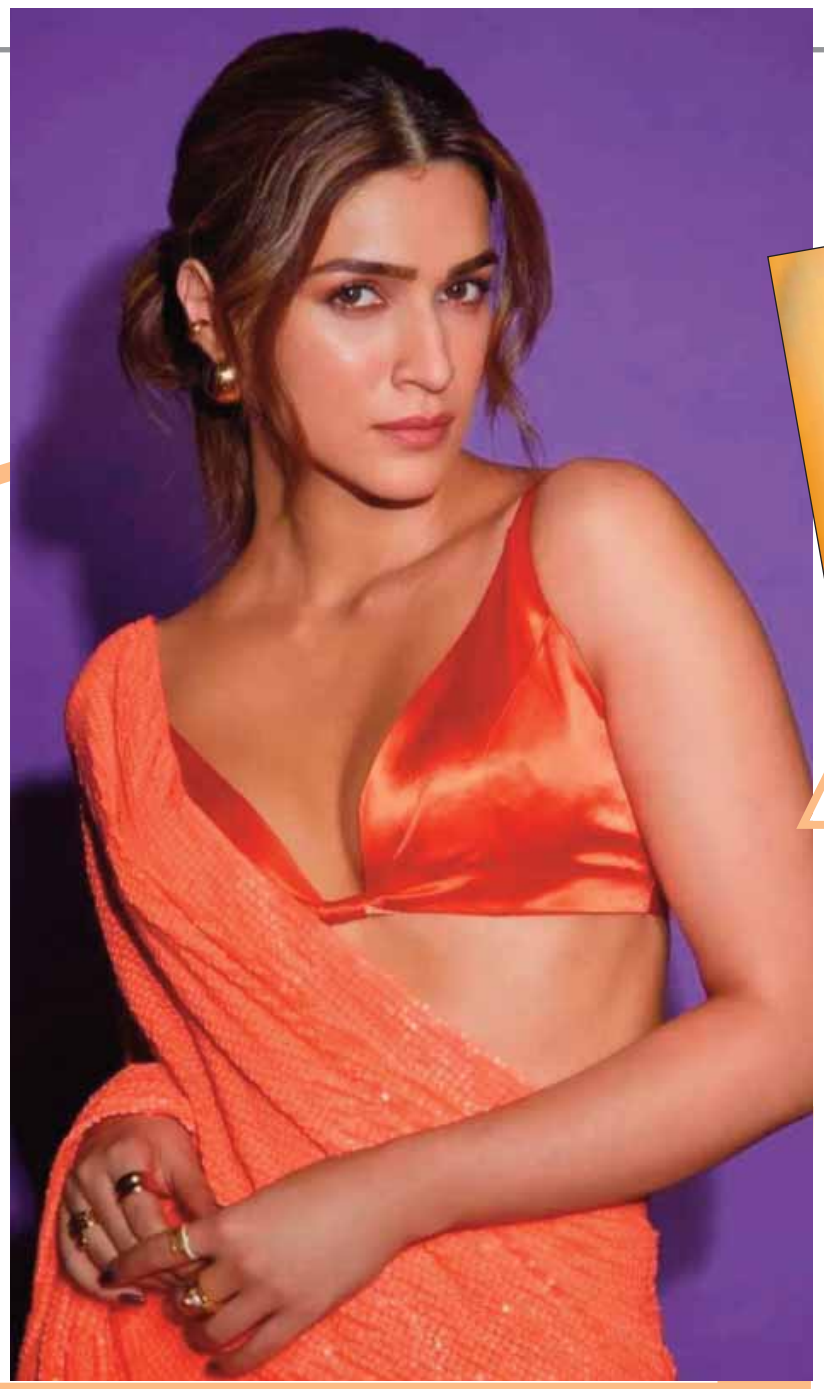

हॉलीवुड मसाला

अभिनय के बाद निर्देशन में उतरेंगी

लॉस एंजिल्स। 'टाइटैनिक' फेम अभिनेत्री केट विंसलेट अभिनय में दमखम दिखाने के बाद निर्देशन के क्षेत्र में पदार्पण करने वाली हैं। हॉलीवुड रिपोर्टर के अनुसार, केट नेटफ्लिक्स के लिए 'गुडबाय जून' नामक फीचर फिल्म का निर्देशन करने के लिए तैयार हैं। ऑस्कर विजेता अभिनेत्री इस फिल्म में अभिनय भी करेंगी और इसका निर्माण भी वही कर रही हैं। फिल्म में टोनी कोलेट, जॉनी फ्लिन, एंड्रिया राइजबोरो, टिमोथी स्पाल और हेलेन मिरेन मुख्य भूमिका में होंगे। फिल्म की पटकथा विंसलेट के पूर्व पति सैम मेंडेस के बेटे जो एंडर्स ने लिखी है।

भारत में धूम मचाने को तैयार रैपर एमिनेम...

लॉस एंजिल्स। अमेरिकी रैपर, गीतकार और रिकॉर्ड निर्माता एमिनेम उर्फ मार्शल ब्रूस मैथर्स के प्रशंसक दुनियाभर में फैले हुए हैं। भारत में भी उनकी दीवानगी प्रशंसकों के सिर चढ़कर बोलती है। एमिनेम पहली बार भारत में धूम मचाने के लिए तैयार हैं। एमिनेम ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपने विश्व दौरे का ऐलान किया है, जिसकी शुरुआत 15 मार्च, से लॉस एंजिल्स से होगी और 22 जून, 2025 को वह मेलबर्न में अपने इस दौरे का समापन करेंगे। इस बीच 3 जून, को एमिनेम मुंबई में प्रस्तुति देने जा रहा हैं। उन्होंने लिखा, 'इंतजार खत्म हुआ। आखिरकार 3 जून को अपने पहले इंडिया शो के लिए मुंबई आ रहा हूं, जो मेरे 2025 वर्ल्ड टूर का हिस्सा है।' एमिनेम को 'मॉर्किंगबर्ड', 'लूज योरसेल्फ', 'विदाउट मी', 'रैप गॉड', 'स्टेन', 'द रियल स्लिम शेडी' और 'नॉट अफ्रेड' जैसे गानों के लिए जाना जाता हैं।

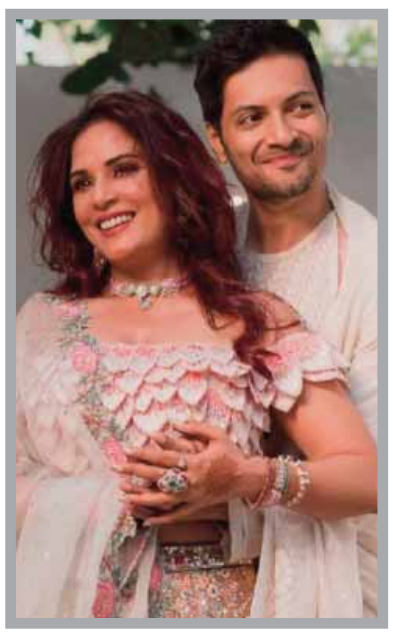

ऋचा व अली की शॉर्ट फिल्म हुई रिलीज

मुंबई। ऋचा चड्ढा और अली फजल काफी समय से अपनी शॉर्ट फिल्म 'टॉप्स' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं, जिसकी कहानी समलैंगिक रिश्ते पर आधारित है। इसमें उल्लास सम्राट और रोहित मेहरा मुख्य भूमिका में हैं, वहीं सुधांशु सरिया इस फिल्म के निर्माता हैं। अब सुधांशु के जन्मदिन के मौके पर इसे यूट्यूब पर रिलीज कर दिया गया है। इस फिल्म को आप लोटस विजुअल प्रोडक्शंस के यूट्यूब चैनल पर देख सकते हैं। शॉर्ट फिल्म 'टॉप्स' का निर्देशन अरविंद कौलागी ने किया है। फिल्म की कहानी भी उन्होंने ही लिखी है। इसके अलावा ऋचा अपनी आगामी को लेकर 'आखिरी सोमवार' को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। यह फिल्म इसलिए खास है, क्योंकि इसकी कहानी खुद ऋचा ने लिखी है। अभिनेत्री और निर्माता के बाद राइटर बन गई हैं।

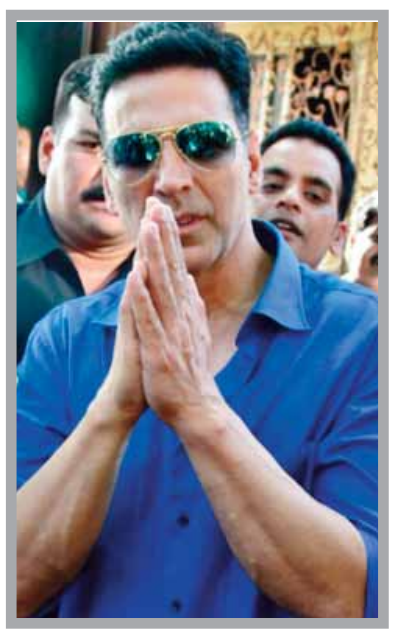

अक्षय ने निर्देशक अरुण से मिलाया हाथ

मुंबई। अक्षय कुमार पिछली बार फिल्म 'स्काई फोर्स' में नजर आए थे, जिसने बॉक्स ऑफिस पर औसत कमाई की थी। हालांकि, अक्षय ने फिल्म में अपने अभिनय के जरिए खूब वाहवाही लूटी थी। आने वाले दिनों में अक्षय की कई फिल्में रिलीज होने वाली हैं और अब उनके खाते से एक नई फिल्म जुड़ गई है। दरअसल, अक्षय पिछली बार धनुष के साथ 'कैप्टन मिलर' लेकर आए निर्देशक अरुण माथेश्वरन की अगली फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने वाले हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अरुण माथेश्वरन बॉलीवुड में आने की तैयारी कर रहे हैं और अपनी पहली हिंदी फिल्म के लिए वह अक्षय के साथ बातचीत कर रहे हैं। अक्षय को उनकी फिल्म की कहानी पसंद आई है और वह इसका हिस्सा बनने के लिए अपनी रजामंदी भी दे चुके हैं।

टीवी मसाला

सलमान-अमिताभ के बाद कपिल बने हाइएस्ट फीस वाले एक्टर...

मुंबई। कपिल शर्मा अपना शो लेकर टीवी से ओटीटी प्लेटफॉर्म पर पहुंच गए हैं। उनका दी ग्रेट इंडियन कपिल शो नेटफ्लिक्स पर आया है। अभी तक इसके दो सीजन आ गए हैं। अब ओटीटी प्लेटफॉर्म ने तीसरे सीजन की तैयारी शुरू कर दी है। बीते दिनों नेटफ्लिक्स ने अनाउंस भी किया। इस शो के दो सीजन को अच्छी सफलता मिली। इसमें कई नेशनल और इंटरनेशनल स्टार भी पहुंचे हैं। 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' का तीसरा सीजन भले ही अभी शुरू नहीं हुआ है। लेकिन इसमें परफॉर्म करने वाले एक्टर्स की फीस सामने आ रही हैं। मिड डे की रिपोर्ट की माने तो शो के लिए कपिल शर्मा ने 5 करोड़ रुपए की फीस चार्ज की है। वहीं, सुनील ग्रोवर को 25 लाख प्रति एपिसोड, अर्चना पूरन सिंह और कृष्णा अभिषेक 10-10 लाख रुपए प्रति एपिसोड और किकू शारदा को 7 लाख रुपए प्रति एपिसोड मिल रहे हैं। कपिल शर्मा नेटफ्लिक्स से हर एपिसोड से 5 करोड़ रुपए ले रहे हैं। वहीं, अमिताभ बच्चन भी केबीसी के एक एपिसोड के लिए 5 करोड़ रुपए चार्ज करते हैं। एक एपिसोड के लिए सबसे ज्यादा फीस सलमान खान चार्ज करते हैं। उन्होंने बिग बॉस 17 के लिए 12 करोड़ रुपए की फीस ली थी। ऐसे में कपिल शर्मा तीसरे सबसे बड़े सेलेब्रिटी हैं, जो एक एपिसोड के लिए करोड़ों रुपए चार्ज करते हैं।

बता दें, कपिल शर्मा का 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' साल 2024 में शुरू हुआ था। तब नेटफ्लिक्स ने पहले सीजन में 13 एपिसोड रिलीज किए थे। लेकिन सीजन की सफलता देखते ही उन्होंने दूसरे सीजन की अनाउंसमेंट कर दी थी। अब जल्द ही वो तीसरा सीजन लेकर आएंगे। हालांकि ये जानकारी सामने नहीं आई है कि इस सीजन में कितने एपिसोड होंगे और कौन-कौन गेस्ट होगा।

वहीं, कपिल के शो के को-स्टार कृष्णा अभिषेक ने एक व्लॉग शेयर किया है। इसमें उन्होंने अपने शो के हिट होने का मंत्र बताया है। उन्होंने कहा, दूसरे सीजन की जब लॉन्चिंग हुई थी। तब इन्होंने (नेटफ्लिक्स) पोलका डॉट्स वाले कपड़े नहीं पहनने है। लेकिन कपिल भाई ने वही पहने थे। बाद में पता चला कि दूसरा सीजन हिट हुआ। तब से मेरा ऐसा मानना है कि जो ये लोग बोलें आप बिल्कुल मत करो।

संगीतकार प्रीतम चक्रवर्ती के 40 लाख रुपए चुराने वाला ऑफिस बॉय सांबा से गिरफ्तार

मुंबई। 1938 में, रवींद्रनाथ टैगोर ने कथा काव्य संग्रह में परिशोध कविता में लिखा था:-

राजकोष से चोरी! पकड़ो चोर को,
नहीं तो, नगरपाल, रक्षा नहीं तेरी,
मुण्ड रहेगा नहीं देह पर...
राजा के शासन में रक्षी दल
घर-घर, गली-गली चोर ढूंढते फिरते हैं...

यह 2025 है। राजकोष से तात्पर्य बॉलीवुड के प्रसिद्ध संगीत निर्देशक प्रीतम चक्रवर्ती के ऑफिस से है। यहां से चोरी किए गए 40 लाख रुपये लेकर फरार हुए चोर को मुंबई पुलिस ने जम्मू-कश्मीर के सांबा शहर से गिरफ्तार कर लिया। चोर कोई और नहीं, बल्कि प्रीतम चक्रवर्ती के ऑफिस का ऑफिस बॉय था। उसका नाम आशिष बुटीराम सायल है, उम्र 32 वर्ष। 4 फरवरी को दोपहर करीब 2 बजे, मुंबई के उत्तर-पश्चिम उपनगर गोरेगांव में स्थित प्रीतम चक्रवर्ती के ऑफिस **Unimas Record Private Limited** से आशिष बुटीराम ने 40 लाख रुपये की नकदी चुरा ली। यह राशि फिल्म इंडस्ट्री के एक क्लाइंट से प्राप्त हुई थी और प्रीतम चक्रवर्ती के सचिव, विनीत छेड़ा, ने इसे ऑफिस में एक ट्रॉली बैग में रखा था। योजना थी कि थोड़ी देर बाद विनीत यह पैसे प्रीतम चक्रवर्ती के घर लेकर जाएंगे और उनसे कुछ दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कराएंगे। हालांकि, जब विनीत थोड़ी देर के लिए किसी और काम से बाहर गए और वापस लौटे, तो उन्होंने देखा कि ट्रॉली बैग गायब है। उन्होंने तुरंत आशिष बुटीराम को फोन किया, लेकिन उसका मोबाइल बजता रहा और कुछ देर बाद स्विच ऑफ हो गया। यह देखकर विनीत को संदेह हुआ और उन्होंने तुरंत प्रीतम को सूचना दी। प्रीतम ने विनीत को मलाड पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कराने को कहा। एफआईआर दर्ज होने के बाद, मलाड पुलिस ने गोरेगांव, मलाड, कांदिवली, चारकोप, वर्सोवा और मार्वे रोड क्षेत्रों में लगे लगभग 150 से 200 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की। फुटेज में देखा गया कि आशिष बुटीराम कांदिवली इलाके में एक ऑटो-रिक्शा से उतरा, फिर कभी पैदल, कभी ऑटो-रिक्शा से सात-आठ घंटे तक अलग-अलग इलाकों में घूमता रहा।

सांसें थाम देने वाली मर्डर मिस्ट्री, बॉक्स ऑफिस पर 10 गुना कमाई कर मचाया तहलका, बनी 2025 की पहली सुपरहिट

मलयालम भाषा की इस साल की पहली सुपरहिट फिल्म 'रेखाचित्रम'

मुंबई। साउथ सिनेमा का बीते कुछ साल से जलवा रहा है और बॉक्स ऑफिस पर तगड़ी कमाई की है। इस साल भी साउथ सिनेमा की कुछ फिल्में अब तक खूब पैसा कमा चुकी हैं। हम आपके लिए बीते महीने रिलीज हुई एक सांसें थाम देने वाली मर्डर मिस्ट्री लेकर आए हैं। इस फिल्म की कहानी ने लोगों का दिमाग हिला दिया था। इतना ही नहीं इस हत्या और हत्यारे की खोज में लोग ऐसे उलझे थे कि कहानी कब खत्म हो जाती है पता ही नहीं चलता। इस फिल्म ने न केवल कहानी के दम पर लोगों को रिझाया बल्कि बॉक्स ऑफिस पर भी 10 गुना कमाई कर होश उड़ा दिए हैं। इस फिल्म का नाम है 'रेखाचित्रम' बीते महीने की 9 जनवरी को ये मलयालम फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

मर्डर मिस्ट्री ने उड़ाया था लोगों के होश

इस मर्डर मिस्ट्री फिल्म की कहानी को लोगों ने खूब पसंद किया था। फिल्म को 'जोफिन टी चाको' ने डायरेक्ट किया था। साथ ही लीड रोल में आसिफ अली, अनश्वरा राजन और मनोज के जयन नजर आए थे। कहानी जॉन मंथिरल, रामू सुनील ने डायरेक्टर जोफिन के साथ मिलकर लिखी थी। फिल्म की कहानी एक हत्या की गुत्थी में उलझी हुई है जिसे सुलझाने के लिए एक खास पुलिस अधिकारी को बुलाया जाता है। अंत में दर्शकों को सारे सवालों के जवाब मिल जाते हैं।

मलयालम भाषा की इस साल की पहली सुपरहिट

'रेखाचित्रम' फिल्म मलयालम भाषा में बनी इस साल की पहली सुपरहिट फिल्म भी बन गई है। महज 6 करोड़ रुपयों की लागत से बनी इस फिल्म ने कमाई के मामले में रिकॉर्ड तोड़ दिया है। फिल्म ने कुल 55 करोड़ रुपयों से ज्यादा का कलेक्शन सभी को चौंका दिया है। इतना ही नहीं ये फिल्म 10 गुना कमाई कर मलयालम भाषा की पहली सुपरहिट फिल्म बन गई है।

ओटीटी पर जल्द ही होगी रिलीज : अब जल्द ही इस फिल्म को ओटीटी पर भी देखा जा सकता है। फिल्म की कहनी की भी जमकर तारीफ हुई है। साथ ही फिल्म के रिलीज के साथ ही इसका रिव्यू भी काफी अच्छा रहा था।

हंसी और मजाक के साथ-साथ गंभीर मुद्दों को भी छुआ

पंचायत के 'बनराकस' से भी ज्यादा हंसाकर लोटपोट कर देंगी ये वेब सीरीज

मुंबई। *पंचायत वेब सीरीज अमेजन प्राइम वीडियो का एक बेहतरीन कॉमेडी शो है, इसे आप आसानी से स्ट्रीम कर सकते हैं। यह वेब सीरीज ग्रामीण भारत की जिंदगी और उसके विभिन्न पहलुओं को एक हल्के और कॉमेडी पूर्ण तरीके से दिखाती है। इसकी कहानी एक युवा इंजीनियर के बारे में है, जो एक सरकारी नौकरी मिलने के बाद एक छोटे से गाँव में पंचायत सचिव के रूप में काम करने आता है। यह सीरीज न सिर्फ समाज के विभिन्न वर्गों और उनके संघर्षों को दिखाती है, बल्कि इस पूरे सफर को बहुत ही सहज और मनोरंजक तरीके से पेश करती है। अगर आप पंचायत से मिलती जुलती हंसा-हंसाकर लोटपोट कर देने वाली सीरीज देखना चाहते है जानिए इनके बारे में।*

जमाई राजा : यह एक बहुत ही शानदार ड्रामा शो है जिसमें सामाजिक वर्गों और पारिवारिक रिश्तों को अच्छे तरीके से दिखाया गया है। इसमें रोमांस और कॉमेडी का अच्छा मिश्रण देखने को मिलता है। अगर आप इस सीरीज-शो को देखना चाहते हैं तो आप इसे आसानी से जीo पर देख सकते हैं। इस शो में भी आपको एक परिवार और परिवार के लोगों के बारे में काफी कुछ जानने को मिलने वाला है, इसे देखकर आपको लगने वाला है कि हर एक घर में इस शो वाला किरदार तो होता ही है।

गुल्लक : यह वेब सीरीज एक आम मिडल क्लास परिवार की जिंदगी को दिखाती है, जहां हर रोज की छोटी-छोटी बातें और घटनाएं हंसी का कारण बनती हैं। कहानी में मिश्रा परिवार के सदस्य अपने रोजमर्रा के कामों में जो कुछ भी करते हैं, उसे देखकर आपको अपनी बचपन की यादें ताजा हो जाएंगी। इसकी हल्की-फुल्की और सजीव कहानी आपको हंसी से लोटपोट कर देगी। इसे आप सोनी लाइव में देख सकते हैं।

कोटा फैक्ट्री : अगर आपको पंचायत में अभिषेक त्रिपाठी (सचिव जी) का किरदार पसंद आया था, तो आपको कोटा फैक्ट्री में जीतू भैया का किरदार भी पसंद आएगा। इसे आप नेटफिलिक्स में देख सकते हैं। यह कहानी कोटा में आईआईटी की तैयारी कर रहे छात्रों की है, जो हंसी और मजाक के साथ-साथ गंभीर मुद्दों को भी छूती है। एक छात्र की यात्रा में हास्य और भावनाओं का बेहतरीन मिश्रण देखने को मिलेगा।

ये मेरी फैमिली : गुल्लक और पंचायत जैसी सीरीज के फैंस के लिए यह एक बेहतरीन विकल्प है। यह सीरीज 90 के दशक के एक मीडिल क्लास परिवार की कहानी है। इसे आप अमेजन प्राइम वीडियो में देख सकते हैं। इस कहानी में गुप्ता फैमिली को दिखाया गया है, जहां परिवार के सदस्यों के साथ हंसी-मजाक और उनके छोटे-मोटे झगड़े बेहद दिलचस्प होते हैं। यह सीरीज आपको पुराने दिनों की याद दिलाएगी और हंसी से लोटपोट कर देगी।

सास, बहू, अचार प्राइवेट लिमिटेड : इस सीरीज में एक मिडल क्लास महिला सुमन की कहानी है, जो अपने परिवार को आर्थिक मदद देने के लिए आचार बनाने का व्यापार शुरू करती है। यह जीo कहानी में सुमन और उनके परिवार की मजेदार यात्रा को दर्शाया गया है, जो आपको हंसा हंसा कर लोटपोट कर देगी। यह सीरीज खासतौर पर उन लोगों के लिए है जो हल्की-फुल्की और मजेदार कहानियों के शौकीन हैं।

मामला लीगल है : यह सीरीज आपको कोर्ट के अंदर की मजेदार घटनाओं और झमेलों से रूबरू कराती है। पटपड़गंज जिला न्यायालय की सेटिंग के साथ, इसमें होने वाली हास्यपूर्ण स्थिति और संवाद आपको हंसा हंसा कर लोटपोट कर देंगे। यह सीरीज नेटफिलिक्स पर देख सकते हैं। सीरीज में कोर्ट के अंदर हो रही हलचल को हास्य के अंदाज में पेश करती है, जिससे आप पंचायत के मजेदार पल याद करेंगे।

61000 किमी की रफ्तार से आ रहे खतरे ने बदल लिया रास्ता

एजेंसी ▶▶| वॉशिंगटन

क्या धरती पर महाप्रलय का खतरा टल गया है? धरती की तरफ से तेजी से बढ़ रहा विनाशक क्षुद्रग्रह यानी एस्टेरॉयड 2024 वीआर4 को लेकर नासा की तरफ पूरी दुनिया के लिए राहत भरी खबर दी है। यह एस्टेरॉयड एक बड़ी इमारत के आकार का बताया जा रहा है, जो 61000 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से पृथ्वी की तरफ बढ़ रहा था। हालांकि अब नासा ने ताजा अपडेट में बताया है कि एस्टेरॉयड 2024 वीआर4 के पृथ्वी से टकराने की आशंका 2.8% से घटकर मात्र 0.16% रह गई है।

नासा ने दी खुश करने वाली खबर, टल गया तबाही का खतरा!

तो अब हमें डरने की जरूरत नहीं?

फिलहाल, वैज्ञानिकों के मुताबिक घबराने की कोई जरूरत नहीं है। हालांकि, नासा और दुनिया भर की स्पेस एजेंसियां लगातार इस एस्टेरॉयड पर नजर बनाए हुए हैं। इस घटना से एक बार फिर यह साबित हुआ कि अंतरिक्षीय पिंडों की मॉनिटरिंग और प्लेनेटरी डिफेंस रिसर्च कितनी जरूरी है।

क्या पृथ्वी को कोई और खतरा है?

वैसे एस्टेरॉयड 2024 वीआर4का खतरा टलता दिख रहा है, लेकिन ब्रह्मांड में कई और एस्टेरॉयड हैं, जिनका अध्ययन किया जा रहा है। वैज्ञानिक हर समय ऐसे संभावित खतरों पर नजर रखते हैं, ताकि अगर कभी कोई वास्तविक संकट आए, तो समय रहते उससे निपटा जा सके। लेकिन स्पेस हमेशा नई रोमांचक चुनौतियां लेकर आता है, इसलिए अपडेट्स के लिए जुड़े रहें और अंतरिक्ष की दुनिया पर नजर बनाए रखें!

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा की नई ऑब्जर्वेशन के अनुसार, पृथ्वी अब इस एस्टेरॉयड के 'अनिश्चितता क्षेत्र' के किनारे पहुंच चुकी है, जिसका मतलब है कि अगर यह ट्रेंड जारी रहा, तो जल्द ही टकराव का खतरा पूरी तरह खत्म हो सकता है। नासा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में बताया, 'एस्टेरॉयड 2024 वीआर4 के टकराने की आशंका 2.8% से घटकर 0.16% हो गई है। नए अवलोकनों की बदौलत, पृथ्वी अब हमारी सिकुड़ती 'अनिश्चितता क्षेत्र'के मुहाने पर है। अगर यह प्रवृत्ति जारी रहती है, तो जोखिम जल्द ही 0% तक पहुंच सकता है।'

ज्यादा खूबसूरत, छोटा कद, झुकी हुई पीठ और पंजे जैसे हाथ... कैसे होंगे 3025 के इंसान?

वॉशिंगटन। भविष्य में इंसान कैसे दिखेंगे, यह सवाल ना सिर्फ वैज्ञानिकों बल्कि हर किसी के लिए बेहद दिलचस्प हैं। कई एक्सपर्ट्स मानते हैं कि इंसानों का वर्तमान रूप अंतिम अवस्था नहीं है, बल्कि यह सिर्फ एक और पड़ाव हैं। तकनीक, अंतरिक्ष यात्रा और जलवायु परिवर्तन की वजह से दुनिया तेजी से बदल रही है और वैज्ञानिकों का मानना है कि इसके साथ-साथ इंसान भी बदलेंगे। एक्सपर्ट्स के मुताबिक भविष्य में इंसानों का रंग और रूप ज्यादा समान हो जाएगा। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि औसत व्यक्ति का रंग गहरा होगा और वे मॉरीशस या ब्राज़ील के लोगों की तरह दिख सकते हैं। इसके अलावा भविष्य के इंसान आज की तुलना में ज्यादा आकर्षक और खूबसूरत हो सकते हैं।

आने वाली पीढ़ियों में अधिक होंगे जीन

पहले प्राकृतिक चयन का असर इस बात पर निर्भर करता था कि कौन से लोग प्रजनन से पहले ही मर जाते थे, लेकिन आधुनिक मेडिकल की वजह से अब ज्यादातर लोग प्रजनन की उम्र तक पहुंच जाते हैं, जिससे अब यह तय करेगा कि कौन से जीन आगे बढ़ेंगे। कुछ वैज्ञानिकों का मानना है कि इस वजह से इंसान छोटे कद के हो सकते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि जल्दी यौन परिपक्वता (यानी जल्दी जवान होना) का संबंध छोटे कद से हो सकता हैं। अगर जल्दी जवान होने वाले लोग ज्यादा बच्चे पैदा करेंगे, तो उनके जीन आने वाली पीढ़ियों में अधिक होंगे।

हो सकते हैं ज्यादा सुंदर

अगर प्राकृतिक चयन में मृत्यु की दर कम हो जाती है तो विकास इस बात पर निर्भर करेगा कि कौन ज्यादा बच्चे पैदा कर सकता हैं। इससे पुरुषों के ज्यादा आकर्षक बनने की संभावना बढ़ जाती हैं। एक्सपर्ट्स का मानना है कि जैसे-जैसे समाज ज्यादा खुला होगा और महिलाओं को अपने जीवनसाथी चुनने की ज्यादा स्वतंत्रता मिलेगी तो आकर्षक पुरुषों के जीन आगे बढ़ने की संभावना ज्यादा होगी। इससे इंसान औसतन ज्यादा सुंदर हो सकते हैं। अतीत में विभिन्न मानव आबादियां एक-दूसरे से अलग रहती थीं, जिससे वे अलग-अलग दिखती थीं। लेकिन, आजकल अलग-अलग जातियों और समुदायों के बीच विवाह आम होता जा रहा है, जिससे भविष्य में इंसानों का रूप ज्यादा समान हो सकता हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक जब अलग-अलग जातीय समूहों का आपस में मिश्रण होगा तो औसत व्यक्ति का रंग हल्का भूरा हो सकता है, जैसा कि ब्राज़ील या मॉरीशस के लोगों में देखा जाता हैं।

लोग शरीर में तकनीक को कर सकते हैं शामिल

भविष्य में नई तकनीकें इंसानों के विकास को बदल सकती हैं। सीआरआईएसजीआर-सीएएस9 जैसी तकनीकों के जरिए वैज्ञानिक डीएनए को बदल सकते हैं, जिससे इंसान अपनी विशेषताओं को कंट्रोल कर सकते हैं। हालांकि अभी इसे अनैतिक माना जाता है। लेकिन, भविष्य में लोग अपनी त्वचा का रंग, इंटेलीजेंस और अन्य विशेषताओं को बदलने के लिए इस तकनीक का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा भविष्य में लोग शरीर में तकनीक को शामिल कर सकते हैं, जैसे कि रंग बदलने वाले टैटू या साइबरनेटिक सुधार। इस तरह के बदलाव प्राकृतिक विकास की तुलना में तेजी से हो सकते हैं। इसके अलावा यह भी कहा गया है कि कंप्यूटर और फोन का ज्यादा इस्तेमाल होने और खराब जीवनशैली की वजह से इंसानों की झुकी हुई पीठ या पंजे जैसे हाथ भी हो सकते हैं।

मुथूट फाइनेंस ने सुनहरी सोच सीजन 3 के साथ वित्तीय सशक्तिकरण का राष्ट्रव्यापी आंदोलन शुरू किया

हरिभूमि न्यूज, नई दिल्ली।

दो बेहद सफल सीजन के बाद, भारत की सबसे बड़ी गोल्ड लोन एनबीएफसी मुथूट फाइनेंस सुनहरी सोच सीजन 3 के साथ वापस आ गई है, जो गोल्ड लोन से जुड़ी मिथकों को तोड़ने और लाखों लोगों को प्रेरित करने के उद्देश्य से एक शक्तिशाली आंदोलन है। कथावाचक के रूप में दिग्गज माधुरी दीक्षित के साथ, यह सीजन मुथूट फाइनेंस के ग्राहकों की असाधारण वास्तविक जीवन की सफलता की कहानियां बताता है, जिन्होंने अपने सोने को अवसर और वित्तीय स्वतंत्रता के इंजन में बदल दिया। 24 फरवरी 2025 से रेडियो सिटी 91.1 एफएम और मिर्ची 98.3 एफएम पर लाइव होने वाला यह अभियान वास्तविक जीवन के ग्राहकों की प्रेरणादायक गवाही को जीवंत करेगा, जिससे यह संदेश पुष्ट होगा कि गोल्ड लोन केवल उधार लेने के बारे में नहीं है, बल्कि गरिमा और गर्व के साथ सपनों को सशक्त बनाने के बारे में है।

क्षेत्रीय विस्तार के साथ राष्ट्रव्यापी प्रभाव

अभियान को नई ऊंचाइयों पर ले जाते हुए, सुनहरी सोच सीजन 3 को 64 रेडियो स्टेशनों पर प्रचारित किया जाएगाए जिसे 100 से अधिक शीर्ष आरजे द्वारा प्रवर्तित किया जाएगा। अपनी क्षेत्रीय पहुंच का विस्तार करने के लिए, अभियान में आरजे रौनक, सुदेश भोसले, मनोज जोशी और जीशु सेनगुप्ता जैसी प्रभावशाली आवाजें शामिल होंगी, जो हिंदी, गुजराती, मराठी और बंगाली में चुनिंदा कहानियां सुनाएंगे। मुथूट ग्रुप के संयुक्त प्रबंध निदेशक अलेक्जेंडर जॉर्ज मुथूट ने कहा कि इन वास्तविक जीवन के ग्राहकों की गवाही के वीडियो मुथूट समूह के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर व्यापक रूप से साझा किए जाएंगे। सोना सिर्फ एक संपत्ति नहीं है, यह अवसरों का एक वित्तीय प्रवेश द्वार है।

शेल्टर से कुत्ता खरीद लाया कपल, अजीब सा लगा बर्ताव जब ले गए डॉक्टर के पास, सच जानकर उड़ गए होश

लंदन। आपने ऐसी कहानी तो बहुत सुनी होंगी कि कोई इंसान सड़क या कहीं से लावारिस पड़ा जानवर कुत्ता समझ कर उठा लाया हो, लेकिन बाद में पता चला हो कि वह तो कुत्ता है ही नहीं। पर कई बार लोग सोच समझ कर किसी तरह का कोई कुत्ता गोद ले लेते हैं। इसके लिए उन्होंने डॉग शेल्टर जैसी संस्थों की मदद लेनी पड़ती है। लेकिन, कई बार ऐसा करना भी कम जोखिम का काम नहीं होता है। एक जोड़े को एक रेस्क्यू किया हुआ बड़ा सा कुत्ता गोद लेना तब भारी पड़ गया, जब वे उसे डॉक्टर के पास ले गए. लेकिन डॉक्टर ने खुलासा किया कि वह तो किसी भी नस्ल का कुत्ता ही नहीं है।

वैवाहिकी
वधु चाहिए
वधु चाहिए
ब्राहमण वर्षो से अकेले अधिकारी को अधिकतम 45 वर्ष तक की "जिम्मेदारीमुक्त" महिला साथी चाहिए जाति बंधन नहीं उच्च जाति को प्राथमिकता स्वयं फोन करें.
मो.: 7898132122

अपना ही पेशाब पीने का शौकीन है ये कपल, मिनटों में गटक लेता है बोतल

लंदन। सोशल मीडिया पर इन दिनों एक कपल का वीडियो बेहद अजीब कारणों से वायरल हो रहा है। कपल का दावा है कि उन्होंने सालों से पानी नहीं पिया है। प्यास मिटाने के लिए ये सिर्फ अपना पेशाब पीते हैं। आजतक आपने लोगों को पानी पीते देखा होगा। माना जाता है कि पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से बॉडी के टॉक्सिन्स बाहर निकल जाते हैं। ये टोक्सिन पसीने या पेशाब के रास्ते बाहर निकल जाते हैं। लेकिन, क्या हो अगर आपको पता चले कि कोई इंसान पानी की जगह अपना पेशाब ही पीने का आदी हो? जी हां, सोशल मीडिया पर इन दिनों एक ऐसे ही कपल की काफी चर्चा है। इस कपल का दावा है कि उन्होंने बीते कई सालों से पानी नहीं पिया है।

राशिफल

मेष — मन प्रसन्न रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। माता का सानिध्य मिलेगा। भाग-दौड़ अधिक रहेगी। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं।

वृष — आत्मसंयत रहें। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। नौकरी में कार्यभार में वृद्धि हो सकती है। आय में भी वृद्धि होगी। वस्त्रों पर खर्च बढ़ेंगे।

मिथुन — आत्मसंयत रहें। आय में वृद्धि होगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें।

कर्क — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में भी परिवर्तन होगा। ऑफिस में उच्चाधिकारियों का सहयोग रहेगा।

सिंह — मन परेशान रहेगा। संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। किसी पैतृक सम्पत्ति से धन की प्राप्ति हो सकती है। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

कन्या — परिवार का साथ मिलेगा। कुछ पुराने मित्रों से भेंट हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ेगी। भाइयों का सहयोग रहगा।

तुला — आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। शैक्षिक कार्यों में अड़चनें आ सकती

वृश्चिक — धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। वाहन के रख-रखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं। कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे।

धनु — वाणी में मधुरता रहेगी। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। कार्यभार में भी वृद्धि होगी। धनलाभ के अवसर मिलेंगे।

मकर — दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। नौकरी में विदेश जाना हो सकता है। वाहन सुख में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। सेहत का ध्यान रखें।

कुंभ — क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। मन परेशान हो सकता है। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं, परन्तु स्वास्थ्य का ध्यान भी रखें।

मीन — नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। खर्च भी बढ़ेंगे। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु संयत रहें।

इन लड़कियों ने जीता लोगों का दिल

नहीं देखा होगा ऐसा 'लो बजट' बर्थडे सेलिब्रेशन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दोस्त का बर्थडे हो और यार-दोस्त पार्टी ना मांगे ऐसा तो हो ही नहीं सकता. लड़के अपने दोस्त को तबतक नहीं छोड़ते हैं, जब तक वह दोस्तों को अपने बर्थडे की पार्टी नहीं दे देता है। लेकिन, इसके उलट स्कूल की कुछ लड़कियों ने अपनी बेस्टी का बर्थडे कुछ इस तरह मनाया है, जो इन सभी के लिए जिंदगीभर के लिए एक यादगार लम्हा बन गया है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में स्कूल में कुछ छात्राओं को अपनी

बेस्टी का सरप्राइजिंग बर्थडे मनाते देखा जा रहा है। इस वायरल वीडियो पर लड़के और लड़कियां दोनों ही शानदार कमेंट्स पोस्ट कर रहे हैं।

यादगार बर्थ डे सेलिब्रेशन

वीडियो में देखेंगे कि कुछ लड़कियां क्लासरूम में दरवाजा बंद करके खड़ी हैं और अपनी बर्थडे गर्ल का इंतजार कर रही हैं। जैसे ही बर्थडे गर्ल क्लासरूम में आती हैं, उसकी सहेलियां उसे हैप्पी बर्थडे बोल विश करने लग जाती हैं। वहीं, इन छात्राओं ने अपनी बेस्टी को कपड़े से बने ताज और हैप्पी बर्थडे बैंड पहनाया। इसके बाद बोर्ड पर बने केक से सेलिब्रेशन शुरू किया है। सबसे पहले जलती मोमबत्ती की लौ को मिटाया और तालियां बजाईं।

बर्थडे सेलिब्रेशन देख लोग खुश

इस पर एक लड़की यूजर ने लिखा है, 'वाओ, बहुत खूबसूरत, हैप्पी बर्थडे डियर'। दूसरी यूजर लिखती है, इस बर्थडे सेलिब्रेशन को मैं कभी नहीं भूल पाऊंगी। तीसरी यूजर लिखती है, यह तुम्हारी लाइफ का सबसे बेस्ट बर्थडे सेलिब्रेशन है, इससे अच्छा कुछ और नहीं हो सकता है। वहीं, कुछ यूजर्स ने इस बर्थडे सेलिब्रेशन पर चुटकियां भी ली है। एक यूजर ने लिखा है, लो बजट बर्थडे सेलिब्रेशन। दूसरा यूजर लिखता है, लड़कियों तुमने अपनी बेस्टी को इतने सस्ते में कैसे छोड़ दिया। वहीं, इस वीडियो पर कई यूजर्स ने कमेंट बॉक्स में रेड हार्ट इमोजी भी शेयर किए हैं।

सुपर जीनियस है 14 साल का बच्चा, बना चुका है 6 वर्ल्ड रिकॉर्ड

एजेंसी ▶▶| मुंबई

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स अक्सर दुनिया भर के लोगों की उपलब्धियों को दर्ज करता है। इस क्रम में हाल में एक 'ह्यूमन कैलकुलेटर' शामिल हुआ, जिसने सिर्फ़ एक दिन में छह विश्व रिकॉर्ड बनाए। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के अनुसार, महाराष्ट्र के 14 वर्षीय सुपर टैलेंटेड बॉय आर्यन शुक्ला ने पिछले साल 'सबसे तेज़ समय में 50 पांच अंकों के नंबर्स को मेंटली ऐड' का रिकॉर्ड बनाकर पहली बार बड़ी संख्या में लोगों का ध्यान आकर्षित किया। छह रिकॉर्ड जीतने के बाद, आर्यन ने अपनी सफलता के कुछ कारण भी शेयर किए। उन्होंने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स को बताया, 'प्रतियोगिताओं की तैयारी के लिए हर दिन प्रैक्टिस करना महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक है, इसलिए मैं हर दिन लगभग 5-6 घंटे अभ्यास करता हूं।' उन्होंने कहा, सहज योग ध्यान मुझे शांत और केंद्रित रहने में मदद करता है। आर्यन ने यह भी समझाने की कोशिश की कि जब वह असंभव' योगों को बहुत तेजी से हल करता है तो उसके दिमाग में क्या होता है।

हरिभूमि की एजेंसी एवं प्रतियों के लिये संपर्क करें
मों. 9340637789

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।
18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 इंच लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
08116592844

वधु चाहिए
विश्वकर्मा (लोहार)
17/09/82
हाइट 6', एमबीबीएस, अविवाहित, डॉक्टर प्राइवेट क्लीनिक हेतु शिक्षित अविवाहित सजातीय अपर कास्ट, वधु चाहिए।
मैरिज ब्यूरो क्षमा।
सम्पर्क करे
9131453175

मांगलिक वधु चाहिए
32 वर्षीय, 5'4" अग्रवाल/ ग्रेजुएट, बिलासपुर में दुकान व घर है, छत्तीसगढ़ या मध्यप्रदेश से हिंदी भाषी अविवाहित कन्या चाहिए।
मैरिज ब्यूरो क्षमा करे।
6232014944

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में एकत्रित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

शब्द पहेली - 5787

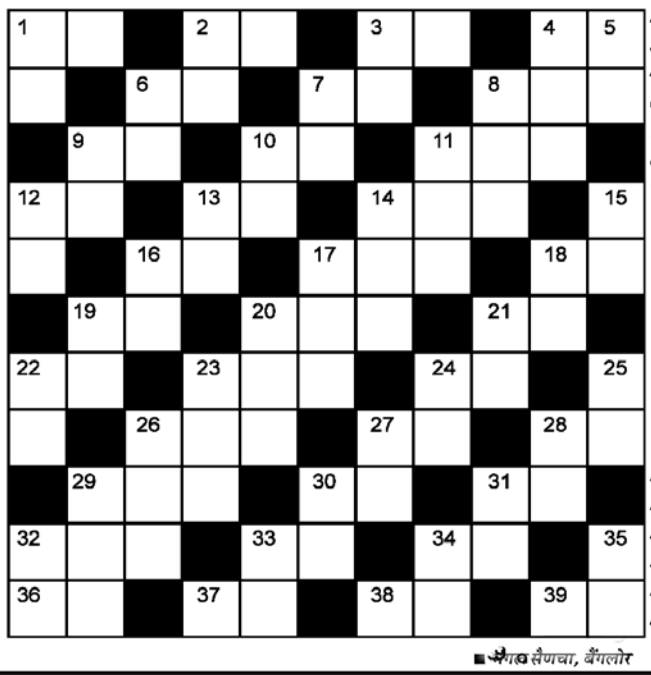

बाएँ से दाएँ
1. कार्य, काम-2
2. अग्नि, अनल-2
3. संग, संगत-2
4. मदिरा, शराब-2
6. चुटीली बात-2
7. उम्मीद-2
8. समाचार, सूचना-3
9. भगवान कृष्ण के खेल-2
10. छाया, परछाई-2
11. कहासुनी-3
12. जी, चित-2
13. निशा-2
14. पासों का खेल-3
16. करीना की फिल्म-2
17. आगे वाला-3
18. सीधा, सरल-2
19. वीर, बहादुर-2
20. दलदल, गाद-3
21. तांत, टेलीग्राम -2
22. वंश, खानदान-2
23. नशा, नशापानी-3
24. चिट्ठी, पत्र-2
26. सही का विलोम-3
27. ठिकाना-2
28. प्राण, दम-2
29. नरक (उर्दू-3)
30. बीता हुआ दिन-2
31. पोखर, तालाब-2
32. हताहत-3
33. दर, मूल्य-2
34. आयु-2
36. अंधकार-2
37. पांव, पैर-2
38. कान्हा-2
39. टैक्स, हाथ-2

ऊपर से नीचे
1. समय, वक्त-2
2. आगमन-2
3. पति की मां-2
4. भोर, सवेरा-3
5. झगड़ा-2
6. लॉक, द्वारयंत्र-2
7. धाय, नर्स, दाई-2
8. अवरोध, रुकावट-3
9. मगन, मग्न-2
10. सप्त, सप्तम-2
11. लक्ष्मी, रमा-3
12. मौज, मजा-2
13. महाराजा-2
14. घिसन, रगस-3
15. गमन, जाना-2
16. पुनः, वापस-2
17. स्थिर-3
18. निष्कर्ष-2
19. कांटा-2
20. मूल्य, दाम-3
21. पितामह-2
22. मजदूर-2
23. ईश्वर-3
24. भूल, गलती-2
25. मछली-2
26. नगमा-3
27. क्षण-2
28. पाश-2
29. दूसरा-3
30. थोड़ा-2
31. तांबा-2
32. हमला-2
33. कलंक-2
34. गरम-2
35. मयूर-2

■ मंगल सैणचा, बैंगलोर

शब्द पहेली -5786 का हल

क	ख	■	ज	प	■	त	न	■	शा	न
प	त	न	■	ल	त	■	भ	ला	■	शा
■	वा	न	र	■	म	ल	■	ज	रा	■
फि	■	द	म	न	■	क	द	■	ज	न
दा	दा	■	ल	क	वा	■	म	स्त	■	ख
■	न	या	■	ल	च	क	■	र	थ	■
रा	■	क	ल	■	क	ल	म	■	ल	ब
ही	र	■	हू	र	■	ह	म	ल	■	ल
■	स	जा	■	जा	ल	■	ता	ड़	ना	■
य	■	म	त	■	ब	थ	■	ना	का	रा
म	य	■	ल	क्ष्य	■	न	ल	■	म	जा

सूडोकु नवताल- 5797

सरल

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 5796 का हल

8	2	4	3	9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

■ MANGAL SENACHA BANGALORE

विशेषः राष्ट्रीय विज्ञान दिवस, 28 फरवरी

हमारे सौर मंडल में एक प्राकृतिक सूरज तो है ही, जिससे असीमित ऊर्जा निरंतर निकलती रहती है। लेकिन अब भारतीय वैज्ञानिकों समेत दुनिया के कई देशों के वैज्ञानिक मिलकर एक कृत्रिम छोटा सूरज यानी मिनी सन का निर्माण कर रहे हैं। कैसा है धरती का यह सबसे बड़ा और महंगा प्रोजेक्ट, कैसे करेगा यह अपना कार्य? इसके बारे में आप जरूर जानना चाहेंगे।

भारतीय वैज्ञानिकों की मदद से बन रहा

धरती पर पहला मिनी सन

कवर स्टोरी
अपराजिता

हाल ही में फ्रांस यात्रा के दौरान भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ इंटरनेशनल थर्मोन्यूक्लियर एक्सपेरिमेंटल रिएक्टर (आईटीईआर) यानी दुनिया के उस प्रोजेक्ट को देखने गए, जिसके तहत धरती में कृत्रिम 'मिनी सूरज' बनाने की कोशिश हो रही है। यह कोशिश दुनिया के कई देशों के वैज्ञानिक मिलकर कर रहे हैं, जिनमें भारतीय भी हैं।

सबसे बड़ा-महंगा प्रोजेक्टः दुनिया के इस सबसे बड़े एक्सपेरिमेंटल प्रोजेक्ट की शुरुआत साल 2006 में फ्रांस के राष्ट्रपति भवन एलिसी पैलेस में हुई, जहां दुनिया के कई देश इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट पर साथ-साथ काम करने को राजी हुए। ये देश थे- अमेरिका, यूरोपीय यूनियन के देश, रूस, चीन, भारत और दक्षिण कोरिया। आज इस प्रोजेक्ट में 30 देश अपना योगदान दे रहे हैं।

हमारा देश न केवल इस प्रोजेक्ट की लागत में हिस्सेदारी कर रहा है, बल्कि हमारे कई वैज्ञानिक इस प्रोजेक्ट की कोर टीम का हिस्सा भी हैं। दरअसल, सूरज में जिस प्रक्रिया से ऊर्जा उत्पन्न होती है, इस प्रोजेक्ट का मकसद उसी प्रक्रिया से बिजली उत्पन्न करना है। एक तरह से वैज्ञानिक धरती में कृत्रिम 'मिनी सूरज' बनाने की कोशिश कर रहे हैं। यह अब तक का दुनिया का सबसे महंगा और महत्वाकांक्षी एक्सपेरिमेंटल प्रोजेक्ट है, जो अगर सफल हुआ तो असीमित मात्रा में बिजली पैदा करेगा।

असीमित ऊर्जा का होगा उत्पादनः इस प्रोजेक्ट के तहत दुनिया की सबसे बड़ी 'टोकामक' बनाई जा रही है। टोकामक रशियन शब्द है, जिसका मतलब एक ऐसी मशीन है, जिसका इस्तेमाल परमाणु नाभिकीय संलयन से ऊर्जा पाने के लिए किया जाता है। वास्तव में यह एक एक्सपेरिमेंटल डिवाइस है, इसमें चुंबकीय क्षेत्र का इस्तेमाल करके प्लाज्मा को 'डोनट' के आकार में सीमित कर दिया जाता है। इस आकार को वैज्ञानिकों की भाषा में टोरस कहते हैं। यह वैक्यूम वेसल 'सुपरकंडक्टिंग मैग्नेट' होता है। टोकामक में गरम प्लाज्मा को एक निश्चित आयतन में बनाए रखने के लिए डिजाइन किया गया होता है। टोकामक में बनी ऊर्जा बर्तन की दीवारों में गर्मी के रूप में अवशोषित होती है। इसे थर्मल इंसुलेशन के लिए बड़े क्रायोस्टेट में रखा जाता है। इस प्रोजेक्ट से जुड़े वैज्ञानिकों का अनुमान है कि प्रोजेक्ट के सफल होने पर इस पावर प्लांट से 500 मेगावाट न्यूक्लियर एनर्जी का उत्पादन किया जाएगा।

आसान नहीं है यह प्रोजेक्टः इस प्रोजेक्ट का लक्ष्य है, न्यूक्लियर फ्यूजन यानी परमाणु संलयन में महारत हासिल करना। न्यूक्लियर फ्यूजन, सूर्य और बाकी तारों में होने वाली एक प्रक्रिया है, जिससे उनमें गर्मी पैदा होती है। हालांकि पृथ्वी पर न्यूक्लियर फ्यूजन की नकल करके एक मिनी सूरज बना लेना बेहद मुश्किल है। यदि ऐसा हो गया तो हमें असीमित मात्रा में ऊर्जा मिल सकती है। साथ ही यह ऊर्जा जीवाश्म ईंधन की तरह ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन भी नहीं करेगी। दुनिया में जो न्यूक्लियर एनर्जी इस्तेमाल की जाती है, वो परमाणु विखंडन यानी न्यूक्लियर फिजन से हासिल होती है, इस प्रक्रिया में रेडियोएक्टिव कचरा पैदा होता है, जबकि न्यूक्लियर फ्यूजन में किसी तरह का कचरा नहीं निकलता।

मिनी सन का स्ट्रक्चर-फंक्शनिंगः इस प्रोजेक्ट के तहत जो मिनी सूरज बनाया जा रहा है, उसमें असीमित ऊर्जा उत्पन्न करने के लिए दो हाइड्रोजन परमाणुओं को बहुत अधिक वेग से एक-दूसरे की तरफ धकेला जाता है, इससे ये दोनों जुड़कर हीलियम परमाणु बनाते हैं। साथ ही इस दौरान न्यूट्रॉन भी बनता है, जिससे अत्यधिक मात्रा में ऊर्जा निकलती है। प्रोजेक्ट के विशेषज्ञों का मानना है कि फ्यूजन से एनर्जी पैदा करना अपने आप में कोई मुश्किल काम नहीं है, लेकिन इसे लगातार बनाए रखना मुश्किल है। इसी तकनीक को हासिल करने के लिए वैज्ञानिक और टेक्निकल एक्सपर्ट दशकों से मेहनत कर रहे हैं। आईटीईआर प्रोजेक्ट का आकार इतना बड़ा है, जिसमें 39 बड़ी इमारतें बन सकती हैं। न्यूक्लियर फ्यूजन के लिए इस्तेमाल की जाने वाली डिवाइस टोकामक का वजन 23,000 टन है। यह वजन तीन एफिल टावर के संयुक्त वजन के बराबर है। इस रिएक्टर में दस लाख घटक शामिल हैं, जो कम से कम एक करोड़ छोटे भागों में बंटे हुए हैं। रिएक्टर में लगभग 4,500 कंपनियों से जुड़े सैकड़ों वैज्ञानिक और कर्मचारी दिन-रात काम कर रहे हैं। शुरू में प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत करीब 5 अरब डॉलर थी, समय के साथ यह बढ़कर 22 अरब डॉलर हुई। अब अमेरिका के ऊर्जा विभाग का अनुमान है कि प्रोजेक्ट की कीमत 65 अरब डॉलर तक हो सकती है। इस खर्च को देखते हुए ही इसे दुनिया का सबसे मंहगा वैज्ञानिक प्रोजेक्ट कहा जा रहा है।

शुरू होने में लगेंगे कुछ वर्षः प्रोजेक्ट की शुरुआत में माना जा रहा था कि यह प्रोजेक्ट 2020 तक पूरा हो जाएगा, लेकिन जुलाई 2024 तक रिएक्टर सिर्फ पूरी तरह से असेंबल हो पाया था। अब अनुमान है कि 2039 तक यह प्रोजेक्ट काम करना शुरू कर सकता है। *

एक्सपर्ट कमेंट

इस मिनी सूरज प्रोजेक्ट का सात सालों तक नेतृत्व करने वाले फ्रांस के बर्नार्ड बिगोट ने एक बार कहा था, 'हम यहां जो करने की कोशिश कर रहे हैं, अगर उसमें सफल रहे यानी मिनी सूरज बना लिया तो फिर इंसान द्वारा बनाया गया यह सूरज कभी नहीं डूबेगा' यानी यह 'फ्यूजन पावर प्लांट' हर समय चलता रहेगा।'

भारत की है महत्वपूर्ण भूमिका

भारत इस प्रोजेक्ट का शुरू से ही हिस्सा है। हम इस प्रोजेक्ट में 10 प्रतिशत खर्च की जिम्मेदारी उठा रहे हैं। हमने इस प्रोजेक्ट के लिए 17,500 करोड़ रुपए देने का वादा किया है। साथ ही करीब 25 से 30 भारतीय वैज्ञानिक हमेशा इस प्रोजेक्ट में मौजूद होते हैं। यूरोपीय संघ प्रोजेक्ट की लागत का 45 प्रतिशत खर्च उठा रहा है। हमारा इस मायने में एक और अहम योगदान है कि रिएक्टर को ठंडा करने के लिए जिस 'क्रायोस्टेट फ्रीजर' का इस्तेमाल हो रहा है, उसे हमारी लार्सन एंड टुब्रो कंपनी ने ही बनाया है। यह क्रायोस्टेट फ्रीजर दुनिया में अपनी तरह का सबसे बड़ा फ्रीजर है। यह टोकामक के अंदर सुपरकंडक्टिंग मैग्नेट और वैक्यूम वेसल के बाहर लगता है और इससे रिएक्टर को -193 डिग्री सेल्सियस तक ठंडा किया जाएगा। क्रायोस्टेट 54 यूनिट्स से मिलकर बना है, इसे 2020 में फ्रांस भेजा गया था। इस क्रायोस्टेट का वजन 3,800 टन है और इसकी ऊंचाई कुतुब मीनार की आधी है। इस फ्रीजर की वजह से प्रोजेक्ट में भारत की भागीदारी बहुत अहम हो गई है।

एआई ने शुरू किया मैन-मशीन कॉम्पिटिशन

वैज्ञानिक प्रगति आज उस मुकाम पर पहुंच चुकी है कि इंसान के द्वारा निर्मित मशीन, इंसान को ही चुनौती दे रही है। हालात ये हो गए हैं कि कई स्तरों पर एआई, इंसान को मात देने लगी है। इनके कॉम्पिटिशन का परिणाम क्या होगा, वक्त ही बताएगा।

साइंटिफिक वर्ल्ड
लोकमित्र गौतम

हालांकि दशकों से कहा जा रहा है कि इंसान और मशीन में वर्चस्व की जंग शुरू होने वाली है। लेकिन पिछले एक-डेढ़ दशक में मशीन वाकई इंसान के साथ प्रतिस्पर्धा के कई मोर्चों पर इंसान की क्षमताओं को मात देकर आगे निकल रही है।

कई मामलों में बहुत आगे है मशीनः आज डेटा प्रोसेसिंग के मामले में जीनियस से जीनियस इंसान भी एआई यानी आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस का सामना नहीं कर सकता। डेटा प्रोसेसिंग मामले में इंसान एआई के सामने कहीं नहीं टिकता है। यहां एआई इंसान से सैकड़ों नहीं हजारों गुना तेज और कुशल हो चुका है। लेकिन बात यहीं तक सीमित नहीं है। मशीन अब सिर्फ कैलकुलेट भर नहीं करती, वह सोचने में भी सक्षम है। यही नहीं इस कारण से मशीन जटिल निर्णय लेने में भी माहिर हो रही है। डीप लर्निंग, नैनो प्रोसेसिंग और न्यूरल नेटवर्क्स ने एआई की संभावनाओं को चमत्कारिक बना दिया है।

मशीन से सीख रहा इंसानः इंसान कई मामलों में न केवल एआई से बहुत कुछ सीख रहा है बल्कि उससे प्रेरित भी हुआ है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की चुनौतियों के चलते इंसान ने अपनी सोचने और समझने की क्षमता को कहीं ज्यादा तीव्र, परिष्कृत और नए आयामों तक पहुंचने के संदर्भ में निखारा है। क्योंकि इसे जंग कहें या न कहें लेकिन इंसान ने इस बात को भली-भांति जान लिया है कि अगर वह नई तकनीक को अपनाने में पीछे रहेगा तो मशीन उसे हर हाल में पछाड़ देगी। इसके बावजूद कि भले लेखन, संगीत, चित्रकला और फिल्म निर्माण के क्षेत्र में एआई क्रिएटिव रोल निभाता दिख रहा हो, लेकिन यह भूमिका उसके सेल्फ डिसीजन का नतीजा नहीं है, यह उसे हासिल निर्देशों का रिजल्ट होता है। लेकिन कौन जाने जीपीटी-4, डीएएलएल-ई, डीएएलएल-ई 2 और डीएएलएल-ई 3 जैसे टूल्स के बाद मशीन ओरिजिनल क्रिएटिविटी के मामले में भी इंसान को मात देने की कोशिश करे।

लाजवाब है रोबोटिक टेक्नीकः हाल के दिनों में मशीन ने जिन और कई क्षेत्रों में इंसान को हैरान या कहें कि हतोत्साहित किया है, वह सेल्फ ड्राइविंग, ऑटोएक्टिव ड्रोन और रोबोटिक असिस्टेंस का तकनीकी क्षेत्र है। आज इंसान से कहीं बेहतर कार ड्राइविंग एआई नियंत्रित रोबोट कर रहा है। ऑटोड्राइवर ड्रोन भी इंसान के अनुमान से कहीं ज्यादा सटीक लक्ष्य पर वार कर रहा है। विभिन्न सहायता क्षेत्रों में जिस तरह की असिस्टेंस आज एआई प्रदान कर रही है, निःसंदेह वह इंसान के बस में नहीं है। कहना चाहिए आटोनोमस सिस्टम को एआई ने सिर्फ क्रांतिकारी ही नहीं बनाया हैरान करने की हद तक उपयोगी और सटीक भी बनाया है।

मैन्युफेक्चरिंग और हेल्थ केयर के मामले में भी मशीन, इंसान से किसी हद तक जंग जीत चुकी है या कहें वह अपर हैंड है। जितनी सफाई से आज कोई रोबोट, सर्जन की सर्जरी के दौरान मदद करता है, कोई भी नर्स उतनी सफाई से मदद नहीं कर पाती। लेकिन हां, एक मामले में एआई नर्स के सामने पिछड़ जाता है कि नर्स बिना किसी कमांड के भी कई निर्णय अपनी बुद्धिमत्ता से ले लेती है, जो एआई के बस में नहीं है।

कुछ घटी-कुछ बढ़ी हैं जॉब्सः एआई के कारण आज ऑटोमेशन के कई सेक्टर में इंसान के लिए जॉब या तो खत्म हो गए हैं या बहुत कम रह गए हैं। लेकिन हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि एआई ने नई इंडस्ट्रीज और रोजगार के क्षेत्र भी बनाए हैं। डेटा साइंस और मशीन लर्निंग इंजीनियरिंग, एआई विकसित इंडस्ट्रीज हैं। रोजगार के क्षेत्र में एथिक्स और लर्निंग को एआई ने नए आयाम दिए हैं।

सच तो यह है कि जिस तरह से एआई ने हाल के सालों में इंसान को चौंकाया, छकाया और कई क्षेत्रों में हराया भी है, उससे आदमी प्रेरित होकर खुद चौकन्ना हो रहा है, जिससे कि वह एआई के साथ कदम से कदम मिलाकर चल सके और पहली बार दुनिया में मैन-मशीन की आशंकित जंग के बजाय एक साझा युग शुरू हो। *

क्रिएटिविटी में इंसानों से पीछे मशीन

हालांकि डेटा एप्लीकेशन का निर्णय लेने के मामले में, उसके संदर्भों को एनालाइज करने में इंसान एआई से आज भी कोसों आगे है। इसी तरह देखें तो क्रिएटिविटी के मामले में भी भले एआई, इंसान को टक्कर दे रही हो, लेकिन उसकी यह टक्कर अभी क्रिएटिविटी को सिमुलेट करने तक ही सीमित है, जबकि इंसान अपनी कल्पनाशीलता से नई सोच और नए रेफरेंस विकसित करने में भी माहिर है।

कविता
हरीश कुमार 'अमित'

खुशबू

बीतती जाती है जिंदगी
लम्हा-लम्हा,
मगर बीते हुए लम्हों के
खूबसूरत हिस्सों की खुशबू
करती रहती है
अक्सर हमारा पीछा
देर तक,
बड़ी दूर तक।
झिलमिलाते रहते हैं
जब-तब
बीत चुके खुशनुमा लम्हों के अक्स
हमारे दिलो-दिमाग में
इसी खुशबू की बदौलत।
आता है जब-जब
हमारी जिंदगी का खराब वक्त,
देती है तब हमें
बहुत सुकून और सहारा
इन्हीं बीत चुके लम्हों की
भीनी-भीनी-सी खुशबू।
होती है साबित
बहुत मददगार
यही खुशबू
ऐसे बुरे वक्त का
मुकाबला करने में।

व्यंग्य / डॉ. मुकेश असीमित

कुर्सी वंदना

आप चाहते हैं कि आपको आपकी मनचाही कुर्सी मिले, आपका सात जन्मों तक का कुर्सी-संगम बना रहे। कुर्सी को बुरी नजर से बचाव मिले, तो आप यहां दिए जा रहे फार्मूले जरूर अपनाएं।

लो जी, अब तनिक कुर्सी प्रेमियों को भी कुछ खुशखबरी सुना दें। कुर्सी का बिछोह सबसे बड़ा गम है। कुर्सीगीरी ऐसे ही नसीब नहीं होती। अपनी कुर्सी कैसे बचाए रखनी है, बस इसी जुगत में सब कुलबुलाते रहते हैं। कुर्सी की ऊंचाई भी छोटी-बड़ी होती रहती है। आपकी कुर्सी दिन-दूनी, रात-चौगुनी अपना कद ऊंचा करे, इसके लिए हम कुछ नायाब फार्मूले लेकर आए हैं।

आप चाहते हैं कि आपको आपकी मनचाही कुर्सी मिले, आपका सात जन्मों तक का कुर्सी-संगम बना रहे। कुर्सी को विरोधियों की बुरी नजर से बचाव मिले, तो आप यहां दिए जा रहे फार्मूले जरूर अपनाएं। शर्तिया सफलता की गारंटी बिल्कुल चांदसी दवाखाने के हकीम की मर्दानगी ताकत वापस दिलाने की गारंटी जैसी।

सबसे पहले, अपने गले में रुद्राक्ष की जगह किसी खाती से 108 मनकों की कुर्सी बीड-नुमा माला बनवाएं। इसे गले में डालकर रखें। सुबह-शाम गले से उतारकर इसका जाप करें। जाप के साथ यह मंत्र उच्चारण आवश्यक है- 'ॐ कुर्स्याय नमः।'

एक बार कुर्सी प्राप्त हो जाने के बाद, जिस प्रकार से आप रंग बदलते हैं, उसी प्रकार से मंत्र जाप भी बदल लें। अब यह मंत्र जाप करना है-'कुर्सी अधिष्ठानम अक्षयं कुरु।'

इस मंत्र का अर्थ है, 'कुर्सी को स्थिर और अक्षय बनाओ।' यह मंत्र कुर्सी को स्थायित्व प्रदान करने की प्रार्थना करता है, जिससे कि वह सदैव आपके नियंत्रण में रहे और आपको उस पर से गिरने, उतरने, धकियाने या गिराने का भय न हो। यह मंत्र कुर्सीधारकों को एक आध्यात्मिक आश्वासन प्रदान करता है कि उनकी कुर्सी उन्हें आत्मविश्वास और शांति प्रदान करेगी।

कुर्सी प्राप्त होने के बाद यदि कुर्सी पूजन महोत्सव रखा जाए, तो आपकी कुर्सी की स्थिरता की शत-प्रतिशत गारंटी है।

मान लीजिए, आपका नया-नया प्रमोशन हुआ है या आपको जुगाड़ लगाकर मंत्री पद प्राप्त हुआ है। नई नवेली कुर्सी आपको प्राप्त हुई है। पता लगा कि कुर्सी-संगम को गिने-चुने चार दिन भी नहीं हुए कि आ गया कोई न कोई विलेन आपके इस संगम को गम में बदलने के लिए।

पहली बात तो यह कि इतनी आसानी से कहां यह कुर्सी मिलती है? भाई, बड़े जतन से, जोड़-तोड़, जुगाड़ और कुछ नए-पुराने वादों की मिश्रित खाद से यह कुर्सी हासिल की गई है। अब, इससे पहले कि कुर्सी के साथ रंगरेलियां मनाना शुरू करें, क्यों न एक बार कुर्सी पूजन को विधिवत निपटा लें? तो चलिए, आज हम लोग कुर्सी का पूजन करेंगे, विधि-विधान से। पंडित जी को बुला लें, शुरू में आप मुझे भी बुला सकते हैं। आजकल तो वैसे भी ब्रिज कोर्स का जमाना है। सोचा है, डॉक्टरी बढ़िया चले न चले, ये कुर्सी-पूजन कर्मकांड से ही कमा लेंगे। तो हम कुर्सी के लिए विशेष मंत्रोच्चार करेंगे, ताकि कुर्सी पर किसी की नजर न उलझे और इसमें नवग्रह-शक्ति का प्रयोग करके इसे और भी अजेय बनाया जा सके।

मंत्र इस प्रकार है- 'ॐ कुरसीयै नमः, ॐ बैठकाय स्थायिनमः सिद्धिं कुरु-कुरु स्वाहा।' इस मंत्र का अर्थ है कि कुर्सी पर बैठने वाले को स्थायित्व प्राप्त हो और कोई भी चुनावी हवा इसे उड़ा न सके। पंडित जी इस कुर्सी के चारों ओर लोभ, मोह, काम, क्रोध के फूल चढ़ाएंगे, जो राजनीति के जरूरी तत्व हैं।

अब पूजा का मुख्य आकर्षण- चढ़ावा।

चढ़ावे में मंत्री जी से अपने पूर्व वादों की माला, जनता के सपनों को चूर कर बनाए गए बुरादे की मिठाई, और विपक्ष की आलोचनाओं की धूप-बाती अर्पित करें। ये सब कुर्सी की सेवा में पेश करने से कुर्सी की ऊर्जा और बढ़ जाती है।

अंत में, सभी आरती उतारें, जिसमें कुर्सी के चारों ओर मीडिया के कैमरे और राजनीतिक समर्थकों की फ्लैश लाइट्स भी शामिल करें। ये सब प्रथम पूज्य देव हैं, जो आपकी कुर्सी को टिकाए रखने में मदद करेंगे। आरती के बाद सभी मिलकर प्रसाद रूप में 'सत्ता का स्वाद' मिश्रित मावे की मिठाई का भोग लगाएं।

कुर्सी पूजन के पश्चात माहौल को और उत्सवमय बनाने के लिए 'कुर्सी उत्सव' का आयोजन कर सकते हैं। इस आयोजन का प्रस्ताव और खर्च किए जाने वाले फंड को हाई लेवल मीटिंग में पहले ही स्वीकृत करवा लें। कुर्सी उत्सव को सालाना वार्षिक उत्सव की तरह ऑफिस प्रोसीडिंग में शामिल करवाया जा सकता है। कुर्सी के स्वागत के लिए एक विशेष 'कुर्सी रथ' का आयोजन किया जाए, जिसे समर्थकों द्वारा फूलों और गुब्बारों से सजाया जाए। इस रथ को उन चार नेताओं से खिंचवाया जाए, जिन्होंने आपकी कुर्सी को हथियाने में खींचातानी की थी। रथ यात्रा के दौरान बैंड-बाजे बजवाएं और 'कुर्सी महारानी की जय' के नारे लगवाएं।

कुर्सी की महिमा को बखान करते हुए, एक विशेष भक्ति-गीत को गवैयों से गवाया जाए, जिसमें गीत के बोल हो सकते हैं-'कुर्सी तेरे साथ में, सब कुछ अपने हाथ में।'

अगर दिल्ली तक आपकी पहुंच है, तो कृपया इस भक्ति गीत को भी लोकतंत्र के अधिकृत गीत की मान्यता दिलवा दें। इस बहाने गीत की रॉयल्टी मुझे मिलती रहेगी, तो मेरा भी रोटी-पानी का जुगाड़ हो जाएगा।

आप चाहें तो एक मजेदार 'कुर्सी दौड़' का आयोजन करवा सकते हैं, वैसे भी यह तो देश का राष्ट्रीय खेल घोषित हो जाना चाहिए था, अब तक। इस खेल में तो सभी नेता पहले से ही माहिर हैं, इसलिए ज्यादा कुछ बताने की जरूरत नहीं होगी।

सभी नेताओं को एबीएस अपनी-अपनी कुर्सियों पर बैठकर दौड़ना होगा। नेता बिना कुर्सी के अपंग हैं, दीन-हीन और बेसहारा हैं। आप उन्हें दौड़ाएंगे तो वे एक कदम भी न चल सकेंगे। यह बहुत मजेदार खेल होगा, देखना कि कैसे सभी नेता अपनी-अपनी कुर्सियों को धकेलते हुए फिनिश लाइन की ओर बढ़ रहे होंगे।

समारोह की अंतिम प्रतिस्पर्धा में, आप 'कुर्सी टग ऑफ वॉर' जैसा खेल रख सकते हैं या रूमाल-झपट्टा की तरह 'कुर्सी-झपट्टा' जैसा कोई खेल- यह आपकी मर्जी। कुर्सी को बीच में रस्से से बांध दीजिए, और फिर दोनों तरफ से दोनों गुटों के नेता रस्सी खींचें। *

लघुकथा / सरस्वती रमेश

अपना-अपना मुनाफा

महिला ने बड़े हुलस के साथ दुकानदार से पूछा, 'यह वाला हार कितने का है?' महिला की आंखों की चमक बता रही थी कि वह इस हार को लेकर ही रहेगी।

दुकानदार ने इस चमक को पढ़ लिया था। वह हार महिला की ओर बढ़ाते हुए बोला, 'तीन सौ रुपए!'

हार को हाथ में लेकर महिला ने उसे ललचाई आंखों से देखा। उलट-पलट कर ध्यान से उस मल्टी कलर हार का मुआयना किया। मन ही मन बोली, 'यह तो वही हार है, जो मैंने कुछ दिन पहले ऑनलाइन साइट पर देखा था। वहां इसकी कीमत 700 रुपए थी और यहां यह सिर्फ 300 में मिल रहा है। यानी आधे से भी कम कीमत पर। मुझे कुल 400 रुपए का फायदा हो रहा है।'

'भैया यह हार पैक कर दीजिए।' कहते हुए उसने तीन सौ रुपए पर्स से निकाल कर दुकानदार के सामने काउंटर पर रख दिए।

दुकानदार ने मन ही सोचा, 'यह हार तो मैं दो सौ का भी दे सकता था, लेकिन इस महिला ने कम करने को कहा ही नहीं। आज तो एक ही हार पर सौ रुपए का अतिरिक्त मुनाफा हो गया।' *

मैच का प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स पर दोपहर 2.30 बजे

भारत एक जीत से सेमीफाइनल में बनाएगी जगह

चैंपियंस ट्रॉफी : भारत और चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के बीच महामुकाबला आज

एजेंसी ▶▶| दुबई

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के महामुकाबले में भारत और पाकिस्तान रविवार को यहां आमने सामने होंगे। इस मैच में रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम की निगाह सेमीफाइनल में जगह पक्की करने पर टिकी होगी जबकि मोहम्मद रिजवान के नेतृत्व वाली टीम टूर्नामेंट से जल्दी बाहर होने से बचने की कोशिश करेगी।

भारत ने जहां अपने पहले मैच में बांग्लादेश को छह विकेट से हराकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की वहीं पाकिस्तान को न्यूजीलैंड से 60 रन से करारी हार का सामना करना पड़ा था। उपमहाद्वीप की इन दोनों टीम के बीच चैंपियंस ट्रॉफी में आखिरी मुकाबला 2017 में फाइनल में हुआ था जिसमें पाकिस्तान की टीम ने जीत हासिल की थी। भारत और पाकिस्तान के बीच यह मुकाबला पूर्व की तरह बहुचर्चित नहीं है जिससे उम्मीद की जा रही है कि दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में ग्रुप ए के इस मैच में दोनों टीम थोड़ा सहज होकर मैदान पर उतरेंगी।

'ऑफ साइड' पहेली पर कोहली ने दिया ध्यान

भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले चैंपियंस ट्रॉफी के मैच से पहले स्पिन गेंदबाजों के सामने जमकर अभ्यास किया। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 36 वर्षीय कोहली तेज गेंदबाजों की ऑफ स्टंप से बाहर जाती गेंदों पर आउट हुए। वह चैंपियंस ट्रॉफी के पहले मैच में बांग्लादेश के खिलाफ 22 रन बनाकर आउट हो गए थे। वनडे में कोहली को लगातार छह बार स्पिन गेंदबाजों ने आउट किया है। कोहली ने अभ्यास के दौरान अधिकतर स्पिन गेंदबाजों का सामना किया। इनमें लेग स्पिनर, ऑफ़ स्पिनर और बाएं हाथ के स्पिनर शामिल थे।

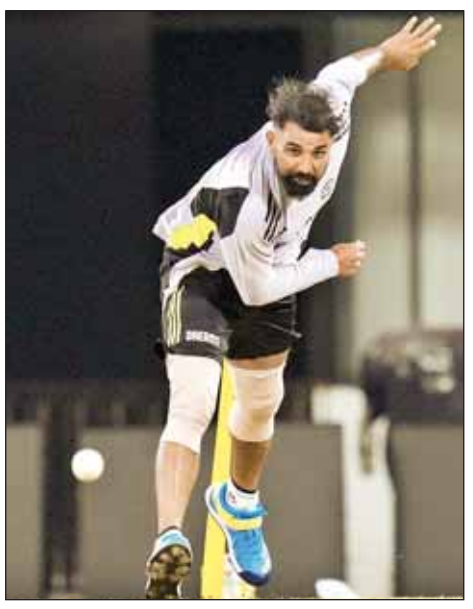

शमी बरपा रहे कहर

भारतीय गेंदबाजी अच्छी नजर आती है। फिट होकर वापसी करने वाले तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने पिछले मैच में पांच विकेट हासिल किए थे। उन्हें हर्षित राणा का भी अच्छा सहयोग मिला था। शमी की शानदार गेंदबाजी से फिलहाल यह तय हो गया है कि भारत को अभी जसप्रीत बुमराह की कमी नहीं खलेगी जो चोटिल होने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे। ऑल राउंडर हार्दिक पंड्या आईसीसी की प्रतियोगिताओं में पाकिस्तान के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करते रहे हैं। चैंपियंस ट्रॉफी के 2017 के फाइनल में भी उन्होंने भारत की आखिर तक उम्मीद बनाए रखी थी।

फायदे में भारत

भारतीय टीम प्रत्येक पहलू में फायदे की स्थिति में नजर आ रही है। उसकी टीम ने यहां की परिस्थितियों से अच्छी तरह सामंजस्य बिठा लिया है जबकि पाकिस्तान की टीम कराची में न्यूजीलैंड के हाथों करारी हार के बाद यहां पहुंची है। भारत और पाकिस्तान की टीम जब आमने-सामने होती हैं तो खिलाड़ियों पर काफी दबाव होता है। भारतीय टीम हालांकि इस तरह की परिस्थितियों से निपटने में बेहतर नजर आती है।

फार्म में भारतीय बल्लेबाज

कप्तान रोहित शर्मा की फॉर्म भारत के लिए चिंता का विषय बनी हुई थी लेकिन बांग्लादेश के खिलाफ उन्होंने जिस तरह से बल्लेबाजी की उससे लगता है कि इस सलामी बल्लेबाज ने अपनी लय हासिल कर ली है। उन्होंने 41 रन की तूफानी पारी खेल कर भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई थी। सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल की शानदार फॉर्म भारत के लिए बहुत अच्छा संकेत है। उन्होंने पिछले मैच में शतक बनाया था जिससे भारत ने 229 रन का लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया था।

लोगो में मेजबान पाकिस्तान का नाम हटाए जाने से पीसीबी खफा

एजेंसी ▶▶| कराची

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने चैंपियंस ट्रॉफी में भारत और बांग्लादेश के बीच गुरुवार को दुबई में खेले गए मैच के सीधे प्रसारण के दौरान दिखाए गए टूर्नामेंट के लोगो में देश का नाम न होने पर खेल की संचालन संस्था अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के सामने अपनी नाराजगी व्यक्त की है।

पीसीबी सूत्रों के अनुसार आईसीसी ने गलती स्वीकार कर ली है और आश्वासन दिया है कि वह दुबई में सभी मैचों में पाकिस्तान के नाम के साथ तीन पंक्ति वाले लोगो का उपयोग करेगा। भारत ने सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान का दौरा करने से इनकार कर दिया था और वह हाइब्रिड फार्मूले के तहत अपने मैच दुबई में खेल रहा है। भारत और बांग्लादेश के बीच खेले गए मैच के प्रसारण में ऊपर बाएं तरफ जो लोगो लगा था उसमें केवल चैंपियंस ट्रॉफी 2025 लिखा था। उसमें मेजबान पाकिस्तान का नाम नहीं था।

कोई मुफ्त पास नहीं देगा पीसीबी

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पहली बार मौजूदा चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान दीर्घाओं, वीआईपी क्षेत्र या हास्पिटेलिटी बॉक्स के लिए कोई मुफ्त पास नहीं देने का फैसला किया है। आम तौर पर पाकिस्तान में जब भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट होता है तो पीसीबी मीडिया, सरकारी महकमों, वीआईपी या प्रायोजकों के लिए मुफ्त पास के तौर पर टिकट रखता है। इस बार पीसीबी अध्यक्ष के निजी मेहमानों और प्रायोजकों के लिए कुछ टिकट को छोड़कर कोई कोटा या मुफ्त पास नहीं रखे गए हैं।

खबर संक्षेप

रुबलेव और ड्रेपर में होगा खिताबी मुकाबला

दोहा। आंद्रे रुबलेव ने तीन सेट तक चले कड़े मुकाबले में फेलिक्स ऑगर अलियासिमे को 7-5, 4-6, 7-6 (5) से हराकर कतर ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। कतर ओपन में दूसरी बार चैंपियन बनने के लिए रुबलेव के सामने जैक ड्रेपर की चुनौती होगी। ड्रेपर ने एक अन्य सेमीफाइनल में जिरी लेहेका को 3-6, 7-6 (2), 6-3 से हराया। ड्रेपर ने रुबलेव के खिलाफ अभी तक जो तीन मैच खेले हैं उन सभी में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। रुबलेव तीसरी बार कतर ओपन के फाइनल में पहुंचे हैं। वह 2018 में फाइनल में हार गए थे लेकिन 2020 में उन्होंने यहां खिताब जीता था।

बेटे अन्वय के साथ थर्ड डिविजन में खेले द्रविड़

बेंगलुरु। भारत के पूर्व कप्तान और कोच राहुल द्रविड़ शनिवार को अपने बेटे अन्वय के साथ विजया क्रिकेट क्लब (मालूर) के लिए थर्ड डिविजन (ग्रुप वन) में खेले। द्रविड़ छठे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए और आठ गेंद में दस रन बनाए। वहीं अन्वय ने 60 गेंद में 58 रन बनाए जिसकी मदद से विजया क्लब ने यंग लायंस क्लब के खिलाफ सात विकेट पर 345 रन जोड़े। स्वप्निल ने 50 गेंद में 12 चौकों और चार छक्कों के साथ 107 रन बनाए। अन्वय विकेटकीपर बल्लेबाज हैं जबकि द्रविड़ के बड़े बेटे समित तेज गेंदबाज हरफनमौला हैं।

एंड्रिवा-टौसन खिताब से एक कदम दूर

दुबई। किशोरी मीरा एंड्रिवा ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए एलेना रयबाकिना को 6-4, 4-6, 6-3 से हराकर दुबई ओपन टेनिस चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाई। सत्रह वर्षीय एंड्रिवा तीसरे सेट में 3-1 से पिछड़ रही थी लेकिन उन्होंने इसके बाद लगातार पांच गेम जीतकर अपने दूसरे टूर फाइनल में प्रवेश किया। वह दुबई ओपन के फाइनल में पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गई है। एंड्रिवा फाइनल में डेनमार्क की क्लारा टौसन से भिड़ेंगी। दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका को हराने वाली टौसन ने दूसरे सेमीफाइनल में करोलिना मुचोवा को 6-4, 6-7 (4), 6-3 से हराया।

इंग्लैंड ने बनाया सबसे बड़ा स्कोर, डकेट ने रचा इतिहास

एजेंसी ▶▶| कराची

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के चौथे मैच में इंग्लैंड के साथ-साथ टीम के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट ने इतिहास रच दिया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड ने 50 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 351 रन बनाए। यह चैंपियंस ट्रॉफी का अब तक का हाइएस्ट टोटल है।

इसके साथ ही इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। न्यूजीलैंड ने चैंपियंस ट्रॉफी 2004 में 347/4 स्कोर किया था। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट ने ऑस्ट्रेलिया की खिलाफ आतिशी पारी खेली। उन्होंने 115.38 की स्ट्राइक रेट से 143 गेंदों पर 165 रन ठोक दिए। इस दौरान उन्होंने 17 चौके और 3 छक्के जड़े। इसके साथ ही डकेट ने भी खास रिकॉर्ड पर कब्जा जमाया। वह चैंपियंस ट्रॉफी में हाइएस्ट स्कोर बनने वाले बल्लेबाज बन गए हैं।

ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड मैच में बजा भारत का राष्ट्रगान

आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में शनिवार को ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में मुकाबला खेला गया। इस मुकाबले में ऐसा वाकया देखने को मिला, जिससे फैन्स दंग रह गए। दरअसल मुकाबला शुरू होने से पहले ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड दोनों देशों का राष्ट्रगान बजना था। लेकिन इस दौरान ऑस्ट्रेलिया का राष्ट्रगान बजने की बजाय भारत का राष्ट्रगान बजने लगा।

सबसे बड़ा स्कोर

स्कोर	टीम	खिलाफ	वर्ष
351/8	इंग्लैंड	ऑस्ट्रेलिया	2025
347/4	न्यूजीलैंड	अमेरिका	2004
338/4	पाकिस्तान	भारत	2017
331/7	भारत	द.अफ्रीका	2013
323/8	इंग्लैंड	द.अफ्रीका	2009

हाइएस्ट वनडे स्कोर

स्कोर	खिलाड़ी	बनाम	वर्ष
188*	गैरी कस्टर्न	यूएई	1996
181	विव रिचर्ड्स	श्रीलंका	1987
180*	फखर जमां	न्यूजीलैंड	2023
165	बेन डकेट	ऑस्ट्रेलिया	2025

टॉप खिलाड़ियों के भत्ते में बढ़ोतरी की अब हर 6 महीने में होगी समीक्षा

नई दिल्ली। खेल मंत्रालय की टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना के लिए चुने गए खिलाड़ियों को इस ओलंपिक चक्र में अभ्यास और विदेश में स्पर्धाओं के दौरान मिलने वाले भत्ते में बढ़ोतरी की जाएगी। उन्हें हर छह महीने में समीक्षा की प्रक्रिया के तहत शारीरिक और मनोवैज्ञानिक टेस्ट देने होंगे। टॉप्स का कोर समूह 179 से घटाकर 94 कर दिया गया है और डेवलपमेंटल सूची में 112 खिलाड़ी हैं। एक ओलंपिक चक्र पूरा होने के बाद यह आम रूटीन होता है लेकिन तैराकी, स्क्वाश, गोल्फ और टेनिस जैसे खेलों का कोर सूची में नाम नहीं है।

गुलवीर सिंह 5000 मीटर में विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई

नई दिल्ली। भारत के एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता गुलवीर सिंह ने अमेरिका के बोस्टन में एक इनडोर प्रतियोगिता में 5000 मीटर दौड़ में एशियाई इंडोर का रिकॉर्ड को तोड़ते हुए इस साल के आखिर में होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए भी क्वालीफाई किया। गुलवीर ने शुक्रवार को बोस्टन में टेरियर डीएमआर चैलेंज इनडोर प्रतियोगिता में 12 मिनट और 59.77 सेकंड का समय लेकर चौथा स्थान हासिल किया। इस तरह से वह 13 मिनट से कम समय में 5000 मीटर दौड़ने वाले पहले भारतीय बन गए। बोस्टन यूनिवर्सिटी ट्रैक पर अपने शानदार प्रदर्शन से उन्होंने थाईलैंड के किरण टूयुन्टिवेट के 2022 में बनाए गए 13 मिनट 8.41 सेकंड के पिछले एशियाई इनडोर 5000 मीटर रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 13 से 21 सितंबर के बीच टोक्यो में आयोजित की जाएगी। पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में इसके लिए क्वालीफाई करने का मानक 13 मिनट 01 सेकंड है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद कोतमा, जिला-अनूपपुर (म.प्र.)
Office: Municipal Council Kotma Dist-Anuppur (M.P.) Email-cmokotma@gov.in Phone-0765823360
क्रमांक. 81/ न.प./भण्डार/नि.स./2024-25 // निविदा सूचना // कोतमा दिनांक-21/02/2025

निम्नलिखित कार्य हेतु केंद्रीकृत प्रणाली से पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है ।

क्रं.	टेण्डर क्र. जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ईएमडी	निविदा की अंतिम तिथि
01.	2025_UAD_404175_1 21.02.2025	वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु जलप्रदाय सामग्री क्रय हेतु निविदा दर आमंत्रण	12 माह या अधिक 2500000.00	5000.00 18750.00	24.03.2025

नोट:-निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाईट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद, कोतमा
जिला अनूपपुर (म.प्र.)

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग सिवनी
email - eeresseoni@rediffmail Phone-07692228140
क्रमांक 395/ लेखा / ग्रा.या.से./2024-25, सिवनी, दिनांक 19/02/2025
संक्षिप्त निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 10/ई.टेण्डरिंग/ग्रायासे. / 2024-25 दिनांक 19/02/2025 (तृतीय आमंत्रण)

निम्नलिखित निर्माण कार्यो हेतु प्रतिशत दर पर ऑनलाईन निविदाएं केन्द्रीयकृत प्रणाली में समतुल्य / सक्षम श्रेणी में पंजीकृत फर्मों एवं ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है । निर्माण कार्य :- नवीन तालाब निर्माण कार्य के लिये जी शेडयूल में वर्णित कार्य एवं सामग्री हेतु (मजदूरी छोड़कर) (मनरेगा हेतु लागू सिव्योर एस.ओ.आर. दिनाक 30.06.2024 से प्रभावशील दर अनुसूची) (तृतीय आमंत्रण)

क्र.	सिस्टम टेण्डर आई.डी.	कार्य	जिला	निविदा की अनुमानित लागत (लाख में)	पूर्णता की समयावधि (माह एवं आमंत्रण क्रम)	ठेकेदार की श्रेणी
1	2025_RES_403726_1	नवीन तालाब निर्माण कार्य, भुरकुंडी, ग्राम पंचायत-भुरकुंडी, वि.खं.- धनौरा	सिवनी	12.90	240 दिवस तृतीय आमंत्रण	नवीन केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत फर्म/ ठेकेदार
2	2025_RES_403727_1	नवीन तालाब निर्माण कार्य हरदुली, ग्राम पंचायत-हरदुली, वि.खं. धनौरा	सिवनी	16.72	240 दिवस तृतीय आमंत्रण	
3	2025_RES_403729_1	नवीन तालाब निर्माण कार्य सारसड़ोल, ग्राम पंचायत- सारसड़ोल, वि.खं. - केवलारी	सिवनी	15.28	240 दिवस तृतीय आमंत्रण	
4	2025_RES_403731_1	नवीन तालाब निर्माण कार्य कोपेझोला, ग्राम पंचायत - रतनपुर, वि.खं. केवलारी	सिवनी	14.23	240 दिवस तृतीय आमंत्रण	
5	2025_RES_403732_1	नवीन तालाब निर्माण कार्य तेंदूटोला, ग्राम पंचायत-झोला, वि.खं. - केवलारी	सिवनी	13.39	240 दिवस तृतीय आमंत्रण	
6	2025_RES_403733_1	नवीन तालाब निर्माण कार्य देवझिर, ग्राम पंचायत-अर्जुनझिर, वि.खं. केवलारी	सिवनी	11.73	240 दिवस तृतीय आमंत्रण	
7	2025_RES_403734_1	नवीन तालाब निर्माण कार्य पीपरड़ोन, ग्राम पंचायत - रतनपुर, वि.खं.- केवलारी	सिवनी	14.24	240 दिवस तृतीय आमंत्रण	
8	2025_RES_403736_1	नवीन तालाब निर्माण कार्य नीरज के खेत के पास ग्वारी,ग्राम पंचायत- ग्वारी, वि.खं.- केवलारी	सिवनी	12.66	240 दिवस तृतीय आमंत्रण	
			कुल	111.15 लाख		
			कुल:- एक करोड़ ग्यारह लाख पन्द्रह हजार रुपए मात्र			

(1) उल्लेखित कार्यों की निविदाओं का विस्तृत विवरण वेबसाईड http://www.mptenders.gov.in.पर देखा सकता है।(2) निविदा प्रपत्र ऑनलाईन क्रय करने हेतु प्रारंभ का समय प्रातः 10.35 बजे दिनांक 28/02/2025 से अंतिम समय शाम 05.30 बजे तक दिनांक 14/03/2025 तक निर्धारित है ।(3) निविदा मे किसी प्रकार का संशोधन किये जाने पर न्यूज पेपर में प्रकाशित नहीं किया जावेगा। निविदा में किया गया संशोधन वेबसाईड एवं कार्यालय के सूचना पटल पर देखा जा सकता है ।
कार्यपालन यंत्री
G-23400/24 ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग- सिवनी

पश्चिम मध्य रेल
विद्युत विभाग (कर्षण वितरण शाखा) जबलपुर
ई –निविदा सूचना
एन.आई.टी. नं.– जबल–टीआरडी–निविदा–2024 –36 दिनांक 18.02.2025
वरि. मंडल विद्युत इंजीनियर/कर्षण वितरण/पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर भारत संघ के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य करने के लिए अनुभवी ठेकेदारों से मुहरबंद निविदायें आमंत्रित करते है। ठेकेदारों के पास राज्य सरकार द्वारा जारी विद्युतीय लायसेंस (फर्म के नाम से या फर्म के किसी पार्टनर के नाम से या स्वंय के नाम में यदि सोल प्रोपराइटर हों) आई.ई नियम 1956 के अनुसार होना चाहिए। **कार्य का नाम**– एलसी नंबर 242, 292, 295, 301, 323, 324, 327, 332, 32, 65 और 67 के लिए रोड ओवर ब्रिज के लिए टीआरडी/ ओएचई कार्य। **कार्य स्थल** – जबलपुर मंडल, **कार्य की अवधि**– 18 माह, **कार्य की कीमत (टेंडर वेल्यू)**– रू. 1,43,10,569.50/– (रूपये एक करोड़ तैतालीस लाख दस हजार पांच सौ उनहत्तर और पचास पैसे मात्र), **बयाना राशि**– रूपये 2,21,600.00/–, **निविदा जमा करने/खुलने की अंतिम तिथि एवं समय**– 17.03.2025 को 15:00 बजे/17.03.2025 को 15:30 बजे, **निविदा सूचना की पूर्ण जानकारी रेलवे वेबसाईट** – https:www.ireps.gov.in निविदाकर्ता अपनी निविदाएं आई.आर.इ.पी.एस. की माध्यम से https://www.ireps.gov.in पर ऑन लाइन निविदा करें। निविदाकताओं से अनुरोध है कि वे समय समय पर बदलाव व शुद्धि पत्रों हेतु IREPS की वेबसाईट https://www.ireps.gov.in देखते रहें न्यूनतम मानदण्ड टेण्डर फार्म के अनुसार और ज्वांइट वेंचर व साझेदारी इस निविदा के लिए लागू होगा।
(हस्ता.)
वरि. मं. वि.इंजी/क.वि.
पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर
स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

पाक कोच जावेद ने मांगी मुदस्सर नजर की मदद

दुबई। पाकिस्तान के अंतरिम मुख्य कोच और चयनकर्ता आकिब जावेद ने चिर प्रतिद्वंद्वी भारत के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले चैंपियंस ट्रॉफी के अहम मुकाबले के लिए टीम को तैयार करने में मदद के लिए अपने पूर्व साथी मुदस्सर नजर की मदद ली है। आकिब ने मुदस्सर को दुबई में पाकिस्तान टीम के नेट सत्र में बुलाया ताकि वह खेल की परिस्थितियों, विशेषकर किसी भी हालिया बदलाव पर अपनी राय साझा कर सकें। टीम के एक करीबी सूत्र ने खुलासा किया कि पिछले कई वर्षों से दुबई में रह रहे मुदस्सर को स्थानीय परिस्थितियों का अच्छा ज्ञान है।

गिल बेहद प्रेरक व्यक्ति, वह भारत के भविष्य के कप्तान

एजेंसी ▶▶| दुबई

ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज क्रिकेटर रिकी पोंटिंग ने भारतीय सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल की जमकर प्रशंसा करते हुए उन्हें बेहद प्रेरक व्यक्ति करार दिया जो अपने खेल को अच्छी तरह से समझता है। उन्होंने गिल को भारत का भविष्य का कप्तान भी करार दिया।

भारत की वनडे टीम के उप कप्तान गिल इस समय बेहतरीन फॉर्म में चल रहे हैं। उन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी में बांग्लादेश के खिलाफ शतक बनाकर भारत की छह विकेट से जीत में अहम भूमिका निभाई थी। पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू में कहा, 'पिछले

कुछ वर्षों में विशेष कर आईपीएल सत्र के दौरान हमें एक दूसरे से मिलने का मौका मिला। मुझे उनका व्यवहार पसंद है। वह बेहद प्रेरित व्यक्ति लगता है जो बल्लेबाजी के साथ-साथ नेतृत्व के मामले में भी सर्वश्रेष्ठ बनना चाहता है।

वह बहुत अच्छा इंसान है। एक बेहद मृदुभाषी व्यक्ति। वह खेल में जो कुछ हासिल करना चाहता है उसको लेकर बेहद प्रेरित है।वह पिछले कुछ वर्षों से अंतरराष्ट्रीय स्तर का बेहतरीन खिलाड़ी है। वह टेस्ट क्रिकेट में वनडे की तरह प्रदर्शन नहीं कर पाया है लेकिन सीमित ओवरों की क्रिकेट में पिछले तीन-चार वर्षों में उसने बेजोड़ प्रदर्शन किया है।'

कार्यालय विकास आयुक्त (हस्तशिल्प)
वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार के सौजन्य से
राज्य स्तरीय गाँधी शिल्प बाजार
का आयोजन
दिनांकः 21 फरवरी, 2025 से 02 मार्च, 2025 तक
समयः प्रातः 10 बजे से रात्रि 09 बजे तक
स्थानः महावीर मंदिर ट्रस्ट, पोलीपाथर, ग्वारीघाट रोड (साउथ एवेन्यू मॉल के बगल) जबलपुर
देश के ख्याति प्राप्त शिल्पियों द्वारा निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी एवं बिक्री में आप सादर आमंत्रित है।
कलकत्ता की साड़ी, गुजराती पैच वर्क की चादरें, कारपेट, इंटीरियर्स, आसाम बाँस एवं बेत के बने उत्पाद, आगरा के लेदर क्राफ्ट, बनारस की साड़ी, कॉटन शर्ट, खादी कुर्ता, साड़ी व डिजाइनर सूट, बेड शीट पेन्टिंग आदि।
आयोजकः- संस्कृति महिला मण्डल, कटनी, म.प्र.

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग, (भ/स) संभाग नरसिंहपुर (म.प्र.)
निविदा सूचना क्रमांक 22 / वर्ष 2024-25 / कार्य.यं. नरसिंहपुर, दिनांक- 20/02/2025
निविदा आमंत्रण
निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रं.	टेण्डर आई डी	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य की अनु. राशि (रू. लाख में)	धरोहर राशि	निविदा फार्म की राशि	आमंत्रण क्रमांक	कार्य समयावधि	भौतिक रूप से लिफाफा प्रस्तुत करने का कार्यालय (मूल एफ. डी. आर. एवं अन्य दस्तावेज)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	2025_PWDRB_404183_1	नरसिंहपुर	नरसिंहपुर उपसंभाग के अंतर्गत नरसिंहपुर सरसला केरपानी मार्ग लंबाई 23.54 कि.मी. मरम्मत का कार्य। (अनुबंध क्रमांक 29 एम. डी. आर. 2016-17 परफारमेंस गारंटी अंतर्गत)	15.88	32,000	2000	प्रथम आमंत्रण	01 माह वर्षाऋतु सहित	सभी दस्तावेज ऑनलाईन सहित प्रस्तुत करें।

उपरोक्त वेबसाइट आनॅलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) बेवसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि 01/03/2025. (17.00) बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट www.mptenders.gov.in में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।
मूल धरोहर (ई.एम.डी.) राशि एवं अन्य सभी दस्तावेज ऑनलाईन प्रस्तुत दिनांक 01/03/2025, (17.30) बजे तक उपरोक्तानुसार संबंधित पोर्टल में प्राप्त की जावेगी ।
कार्यपालन यंत्री
G-23394/24 लोक निर्माण विभाग (भ / स) संभाग नरसिंहपुर

टिकट होने पर ही प्लेटफार्म के अंदर मिलेगा प्रवेश

अंतिम 4 दिन में भीड़ प्रबंधन को लेकर रेल प्रशासन अलर्ट

हरिभूमि जबलपुर।

प्रयागराज महाकुंभ को अब चार दिन शेष बचे है। 24 फरवरी सोमवार को एकादशी और 26 फरवरी को महाशिवरात्रि पर अंतिम पवित्र स्नान होगा। लिहाजा ट्रेनों में भीड़ बढ़ने की पूरी संभावना है। सुरक्षा और यात्रियों के दबाव को ध्यान में रखकर रेलवे अलर्ट मोड पर आ गया है। दिल्ली के स्टेशन पर मची भगदड़ के बाद पूरी सतर्कता बरती जा रही है। स्टेशन में अब उन्हीं यात्रियों को प्रवेश दिया जाएगा, जिनके पास टिकट होगी। इसके लिए जबलपुर रेल मंडल ने खासकर जबलपुर, कटनी, सतना, मैहर स्टेशन में विशेष तैयारी कर ली हैं। आज से महाशिवरात्रि तक रेलवे स्टेशनों के प्रवेश द्वार पर वाणिज्य और सुरक्षा कर्मियों की अतिरिक्त संख्या में तैनाती की गई है। यात्रियों की टिकट का परीक्षण कर, संबंधित समय पर ट्रेन होने पर ही उन्हें प्रवेश दिया जाएगा। यह कवायद प्लेटफार्म पर यात्रियों की भीड़ को बेकाबू होने से रोकने के लिए उठाया गया है।

दिल्ली की घटना के बाद सतर्कता

गत 15 फरवरी को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन में यात्रियों के बीच मची भगदड़ की घटना के बाद पश्चिम मध्य रेल में भी सतर्कता बढ़ा दी गई है। जबलपुर रेल मंडल के जबलपुर, कटनी और सतना रेलवे स्टेशन प्रयागराज रेल मार्ग पर स्थित है। रेलवे ने यात्रियों की भीड़ नियंत्रित करने के लिए स्टेशन पर एक ही द्वार से प्रवेश देने का निर्णय लिया है।

प्लेटफार्म टिकट पर भी रहेगी नजर

यात्रियों की भीड़ बढ़ने पर रेलवे द्वारा स्पेशल ट्रेन चलाई जा रही है। ऐन वक्त पर भी स्पेशल ट्रेन यात्रियों की संख्या को देखते हुए चलाने की योजना है। यह स्पेशल ट्रेन पूर्णतः अनारक्षित रहेगी। इन ट्रेनों में अनारक्षित टिकट लेकर श्रद्धालु यात्रा कर सकेंगे। अभी अनारक्षित टिकट लेकर यात्रियों की भीड़ स्टेशन के अंदर प्रवेश कर जाती है। प्लेटफार्म में भीड़ बढ़ने से व्यवस्था प्रभावित होती है। इसलिए अनारक्षित टिकट का विक्रय ट्रेन की उपलब्ध सुविधा के अनुसार किया जाएगा। प्लेटफार्म टिकट पर भी नजर रखी जाएगी। ज्यादा संख्या में प्लेटफार्म टिकट जारी होने पर उसका विक्रय बंद कर दिया जाएगा। स्पेशल ट्रेन होने की स्थिति में अनारक्षित टिकट यात्रियों को प्लेटफार्म में प्रवेश की अनुमति होगी।

डीएआरएम ने किया कटनी, सतना, रीवा रेलखंड का किया निरीक्षण

रेल संरक्षा से कोई समझौता नहीं करने दिये गये निर्देश

जबलपुर। जबलपुर रेल मंडल के विभिन्न स्टेशनों में हो रहे पुनर्विकास कार्य की गति को देखने मण्डल रेल प्रबन्धक कमल कुमार तलरेजा ने 21 एवं 22 फरवरी, दो दिनों का निरीक्षण किया। इसके तहत 21 फरवरी को मंडल रेल प्रबंधक द्वारा जबलपुर से कटनी स्टेशन के बीच रेलवे ट्रैक, कर्व, समपार फाटक एवं छोटे-छोटे स्टेशनों का विंडो निरीक्षण किया। इसके पश्चात न्यू कटनी जंक्शन में इलेक्ट्रिक एवं डीजल लोको शेड न्यू कटनी, आर ओ एच, एरिया कंट्रोल एवं रनिंग रूम न्यू कटनी जंक्शन का निरीक्षण किया। इसके पश्चात दिनांक 22 फरवरी को कटनी से रीवा स्टेशन के मध्य ट्रैक, पॉइंट एंड क्रासिंग, समपार फाटक, कर्व एवं छोटे स्टेशनों का विंडो निरीक्षण किया। इसके पश्चात रीवा स्टेशन पहुंचकर उन्होने कोचिंग डिपो, गुड शेड, पिट लाइन, प्लेटफॉर्म, सर्कुलेटिंग एरिया एवं रीवा स्टेशन पर चल रहे अधो संरचना के कार्य एवं यात्री सुविधाओं एवं पुर्नविकास कार्यों को पूरी गुणवत्ता के साथ निर्धारित तिथि पर पूर्ण करने तथा रेल संरक्षा एवं सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता न करने के निर्देश दिए। इसके पश्चात सतना स्टेशन पहुंचकर महाकुंभ मेला स्पेशल ट्रेन का निरीक्षण करते हुए सतना स्टेशन पर महाकुंभ जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए रेलवे द्वारा की गई यात्री सुविधाओं का भी निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसी भी प्रकार की यात्रियों को आसुविधा न हो।

इस अवसर पर डीआरएम ने सतना सहित रीवा, कटनी एवं न्यू कटनी जंक्शन स्टेशन पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों की प्रगति एवं पार्किंग, बिल्डिंग, रनिंग रूम का भी निरीक्षण किया।

मण्डल रेल प्रबन्धक ने कटनी, रीवा एवं न्यू कटनी जंक्शन स्टेशन पर (एबीएसएस) अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चल रहे पुनर्विकास कार्य के मॉडल एवं ले-आउट प्लान के सभी पहलुओं का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों ने स्टेशन पर हो रहे सर्कुलेटिंग एरिया के विकास एवं स्टेशन प्रवेश द्वार के

विकास, आधारभूत संरचनाओं, के विकास की कार्ययोजना के संदर्भ में हो रहे कार्य की वास्तविक स्थिति से डीआरएम को अवगत कराया गया। निरीक्षण के उपरांत डीआरएम ने संबंधित अधिकारियों को स्टेशनों पर भविष्य की आवश्यकताओं के दृष्टिगत यात्री सुविधाओं तथा परिचालन संबंधी निमार्णाधीन कार्यों को जल्द से जल्द पूरा किये जाने के निर्देश दिए।

इस दौरान डीआरएम कमल कुमार तलरेजा के साथ अपर मंडल रेल प्रबंधक सुनील टेलर, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक प्रिंस विक्रम, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक 2 शशांक गुप्ता, वरिष्ठ मण्डल संरक्षा अधिकारी अमित कुमार साहनी, मण्डल अभियंता मंटू कुमार, हिमांशु तिवारी, आकाश तिवारी के साथ ही अन्य अधिकारी, पर्यवेक्षक एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

20 टीमों ने छापे मारे, आधा सैकड़ा बिजली चोरी के प्रकरण दर्ज

सिंधी कैंप हनुमानताल में 60 फीसदी लाईन लॉस

जबलपुर। पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के सिटी सर्किल की 20 से अधिक टीमों ने सिंधी कैंप हनुमानताल क्षेत्र में छापे मारी कर लगभग 50 बिजली चोरी के प्रकरण दर्ज कर पंचनामा बनाया। कहीं विद्युत पोल से समांतर लाईन तो कही मीटर में इलेक्ट्रानिक डिवाईस टेंपर लगाकर तो कही सर्विस लाईन ब्रेक करके बिजली चोरी की जा रही थी। उक्त क्षेत्र में बिजली कंपनी को करीब 60 से 65 फीसदी लाइन लॉस हो रहा है। मतलब बिजली चोरी के चलते सौं रुपए की बिजली आपूर्ति के मुकाबले बिजली कंपनी को महज 35 रुपए ही राजस्व के रूप में प्राप्त हो रहे हैं। हर माह बिजली कंपनी को करोड़ों रुपए की चोट पहुंच रही हैं।

शनिवार को एसई संजय अरोरा (सिटी सर्किल) के नेतृत्व में बिजली कंपनी के अधिकारियों, मैदानी अमले के साथ पुलिस ने पूर्व संभाग के सबसे ज्यादा लाइन लास वाले क्षेत्रों में व्यापक सर्चिंग अभियान चलाया। एसई संजय अरोरा ने बताया कि बड़ी संख्या में ऐसे मामले सामने आए हैं जहां सर्विस लाइन ब्रेक कर बिजली चोरी की जा रही थी। वहीं कुछ घरों में खराब मीटर का बहाना बताकर मीटर के इनकमिंग में लाइन जोड़कर बिजली इस्तेमाल करते हुए पकड़ा गया है।

कार्रवाई के दौरान ऐसे मीटर की जांच करवाई, जो ऊपर से सामान्य लग रहा था। विद्युत कर्मियों ने मीटर खोला, तो उसके भीतर इलेक्ट्रॉनिक्स डिवाइस को टेंपर कर बिजली चोरी करने का मामला सामने आया। इसमें खास बात यह थी, कहीं से भी बिजली चोरी करने का संदेह नहीं हो रहा था। एक उपभोक्ता के मकान में पोल से सर्विस लाइन के साथ-साथ एक समानांतर लाइन खींची गई थी, जिससे वह चोरी की बिजली का उपयोग कर रहा था।

50 प्रतिशत राशि आठ प्रतिशत ब्याज के साथ लौटाएं

जबलपुर। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल की एकलपीठ ने अपने एक आदेश में साफ किया कि कोई भी नियम भूतलक्षी प्रभाव से लागू नहीं होता। इस टिप्पणी के साथ याचिकाकर्ता द्वारा जमा की गई 50 प्रतिशत किश्त की राशि आठ प्रतिशत ब्याज के साथ लौटाने का निर्देश दे दिया।

कोई भी नियम भूतलक्षी प्रभाव से लागू नहीं होता

याचिकाकर्ता छिंदवाड़ा निवासी रितेश साहू की ओर से अधिवक्ता एमआर वर्मा ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि वर्ष 2015 में नगर परिषद, अमरवाड़ा ने दुकानों की नीलामी की थी। याचिकाकर्ता ने भी उसमें हिस्सा लिया और अमानत राशि के साथ कुल राशि का 50 प्रतिशत जमा किया। शेष राशि जमा नहीं करने पर उसे आवंटन नहीं हुआ। बाद में एडिशनल कलेक्टर छिंदवाड़ा ने वर्ष 2016 के एक नियम का हवाला देते हुए याचिकाकर्ता द्वारा जमा की गई राशि जब्त करने के आदेश दिए। सुनवाई के बाद हाई कोर्ट ने एडिशनल कलेक्टर का आदेश निरस्त कर दिया।

आजादी पर आघात के खिलाफ देशभर के वकील होंगे लामबंद

बीसीआई को अपने नियंत्रण में करना चाह रही केंद्र सरकार : मिश्रा

हरिभूमि जबलपुर।

देश में फैली अफरा तफरी के बीच केंद्र सरकार अब देश के वकीलों पर नकेल कसने के मूड में है।केंद्र सरकार 1961 के एडवोकेट एक्ट में बदलाव करने के लिए अमेंडमेंट बिल लाने की तैयारी में है। इस बिल के माध्यम से सरकार जहां एक ओर वकीलों की सर्वोच्च संस्था बार कौंसिल ऑफ इंडिया को अपने नियंत्रण में करना चाह रही हैं वहीं वकीलों के लिए बने कानून में परिवर्तन कर उन पर लगाम लगाने के मूड में है। बिल का फाइनल ड्राफ्ट सामने आने पर देशभर के वकील बिल के विरोध में खड़े हो गए हैं।

बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मनन मिश्रा ने विरोध स्वरूप अपने बयान में कहा कि नए बिल के प्राविधान न केवल वकीलों की स्वतंत्रता को प्रभावित करेंगे हैं, बल्कि वकीलों से उनके विरोध का अधिकार भी छीनेंगे। बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष के इस बयान के बाद कि सरकार अगर संशोधन वापस नहीं लेती है तो देश भर के वकील विरोध स्वरूप अपने अधिकारों की रक्षा के लिए सड़कों पर उतर सकते हैं। इस बात ने यह स्पष्ट कर दिया है कि सरकार इस बिल के माध्यम से अब वकीलों पर नकेल कसने वाली है। एडवोकेट एक्ट में बदलाव करने के लिए लाए जा रहे अमेंडमेंट बिल के कुछ ऐसे बिंदु हैं जिनका असर वकीलों पर सीधे तौर पर पड़ेगा।

एडवोकेट एक्ट 1961 के अनुसार कोर्ट में वकालत की प्रैक्टिस करने वालों को ही कानूनी व्यवसायी माना जाता है। जबकि कानूनी व्यवसायी की परिभाषा नए बिल की धारा 2 व्यापक बनेगी। इसमें कोर्ट में वकालत की प्रैक्टिस के साथ ही कार्पोरेट वकीलों, इन-हाउस परामर्शदाताओं, वैधानिक निकायों और विदेशी कानूनी फर्मों में कानूनी काम में लगे लोगों को भी कानूनी व्यवसायी माना जाएगा। वकीलों का मानना है कि इस परिभाषा की व्यापकता के कारण उन लोगों को प्राथमिकता मिलेगी जो नियमित प्रैक्टिस नहीं करते।

सरकार एक्ट में नए संशोधन के द्वारा बार कौंसिल ऑफ इंडिया पर भी निगरानी चाहती है। वर्तमान कानून के अनुसार बार कौंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) के सदस्य संपूर्ण भारत की राज्य स्तरीय बार काउंसिल द्वारा चुने जाते हैं। लेकिन सरकार वकीलों पर एडवोकेट एक्ट 1961 की धारा 4 में संशोधन कर सरकारी निगरानी करना चाहती है।नए बिल के माध्यम से सरकार को बार कौंसिल ऑफ इंडिया के निर्वाचित सदस्यों के साथ 3 सदस्यों को नामित करने का अधिकार मिल जाएगा। इस संशोधन के द्वारा केंद्र कानून के प्रावधानों को लागू करने में (बीसीआई) को निर्देश दे सकेगी।

मालूम हो कि सरकार ने एडवोकेट एक्ट 1961 के नए बिल में संशोधन कर धारा 33ए जोड़ी है। वर्तमान कानून के अनुसार वकील एक साथ कई बार एसोसिएशन का सदस्य हो सकते हैं। तथा सभी के चुनाव में वोट कर सकते हैं। लेकिन सरकार यहां भी हस्तक्षेप कर "एक बार-एक वोट" की नीति लाना चाह रही है। बिल में जोड़ी गई नई धारा 33ए के मुताबिक अदालतों, ट्रिब्यूनल और अन्य प्राधिकरणों में वकालत करने वाले सभी वकीलों को उस बार एसोसिएशन में पंजीकरण कराना होगा, जहां पर वे वकालत की प्रैक्टिस करते हैं।

जुआ, सट्टा, अवैध शराब कारोबारियों पर कार्रवाई

जबलपुर। शहर पुलिस ने जुआ, सट्टा खिलाने वालों एवं अवैध मादक पदार्थ, अवैध हथियार, के कारोबार में लिप्त आरोपियों के साथ साथ चोरी, नकबजनी एवं मारपीट करने वालें आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया है। कंट्रोलरुम से प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछले 24 घंटे में आदतन अपराध करने वाले 14 आरोपियों के विरूद्ध धारा 129 बी.एन.एस.एस. (110 जा.फौ.) के तहत, तथा वाद विवाद करने वाले 112 व्यक्तियों के विरूद्ध 126/135 (3) बी.एन.एस.एस (107/116 जा.फौ.) के तहत, एवं 15 व्यक्तियो के विरूद्ध धारा 170 बी.एन.एस.एस (151 जा.फौ.) के तहत की गयी है, इसी प्रकार पिछले कई वर्षो से फरार 11 गैरम्यादी, 28 म्यादी वारंटी, को गिरफ्तार किया गया है तथा 34 व्यक्तियों के विरूद्ध 34 आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये 24 बॉटल बीयर, 194 पाव देशी/अंग्रेजी एवं 49 लीटर कच्ची शराब, जप्त की गयी तथा 4 व्यक्तियो के विरूद्ध 25 आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये 4 चाकू जप्त किये गये एवं 7 जुआडियों को जुआ खेलते हुये एवं 2 सटोरियों को सट्टा लिखते हुये रंगे हाथों पकडा गया जुआडियो एवं सटोरियो के कब्जे से 1950 रूपये जप्त किये गये।

अब सिर्फ रात में रहती है गुलाबी ठंड

सूर्योदय से सूर्यास्त तक पड़ने लगी गर्मी

जबलपुर। पहाड़ी इलाकों में बारिश होने के बाद तापमान स्थिर हो गया है। फिलहाल पश्चिमी विक्षोप का असर समाप्त हो चुका है। तापमान औसत से ऊपर चल रहा है जिसकी वजह से अब सूर्योदय से सूर्यास्त तक गर्मी का असर बना रहता है। सुबह और शाम के वक्त हवाओं की ठंडक जरूर बनी रहती है। दिन में धूप तेज लगने लगी है। धूप की वजह से सूर्योदय से सूर्यास्त तक गर्मी बनी रहती है। शाम ढलते ही उत्तरी हवाओं की ठण्डक का एहसास होने लगता है।

स्थानीय मौसम विज्ञान केन्द्र के मुताबिक मौसम शुष्क हो गया है पश्चिम विक्षोप का प्रभाव समाप्त हो गया है। तापमान उछाल लेने लगा है जिससे धीरे-धीरे गर्मी का वातावरण बन रहा है। ठंड अब सिर्फ रात में अपना असर दिखाती है। गर्मी के कारण अब दिन में पंखे चालू हो गये हैं। मौसम विभाग के मुताबिक अभी मौसम का स्वभाव ऐसा ही बना रहेगा। पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 29.4 डिग्री सेल्सियस सामान्य दर्ज किया गया। वहीं न्यूनतम तापमान 14.2 डिग्री सेल्सियस सामान्य दर्ज किया गया। हवा में नमी प्रातःकाल 68 प्रतिशत और सायंकाल 30 प्रतिशत दर्ज की गई। सूर्योदय सुबह 6.36 बजे और सूर्यास्त शाम 6.10 बजे हुआ। उत्तर पश्चिमी हवायें 4 से 5 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलीं। प्रदेश में सबसे कम 8.4 डिग्री तापमान अशोकनगर जिले में दर्ज किया गया। अगले 24 घंटों के दौरान जिले का मौसम आमतौर पर शुष्क रहेगा। गत वर्ष आज का अधिकतम तापमान 28.4 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 17.6 डिग्री दर्ज कया गया।

हाई कोर्ट ने महिला एवं बाल विकास विभाग से मांगा जवाब

प्रदेश की डेढ़ लाख से अधिक आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं सहायिकाओं से जुड़ा प्रकरण

जबलपुर। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति संजय द्विवेदी की एकलपीठ ने मध्य प्रदेश में कार्यरत डेढ़ लाख से अधिक आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व सहायिकाओं को सेवानिवृत्ति के उपरांत ग्रेज्युटी का लाभ दिए जाने की मांग के प्रकरण में जवाब-तलब कर लिया है। इस सिलसिले में राज्य शासन, महिला एवं बाल विकास विभाग सहित अन्य को नोटिस जारी किए गए हैं। जवाब पेश करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया गया है। याचिकाकर्ता मप्र आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका यूनियन (एंटक) की ओर से अधिवक्ता अरविंद श्रीवास्तव ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय अनुसार आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ग्रेज्युटी के पात्र हैं परन्तु उन्हें उक्त अधिकार से वंचित किया जा रहा है। इस रवैये के विरोध में कई बार अभ्यावेदन दिए गए। ज्ञापन सौंपे गए। आंदोलन किए गए। लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। लंबे समय तक धरने दिए गए। लेकिन आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं सहायिकाओं की सुध लेने कोई आगे नहीं आ रहा। इससे उनकी हालत खराब है। परिवार का भरण-पोषण मुश्किल है। भविष्य अलग संकट में है।

सड़क दुर्घटना में घायल युवक की मौत

जबलपुर। पनागर थाना अतंर्गत ग्राम कुशनरे में सड़क दुर्घटना में घायल एक युवक की इलाज के दौरान मेडीकल कॉलेज अस्पताल में मृत्यु हो गई। पनागर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पिपरिया कुशनेर निवासी 37 वर्षीय ओमकार राजभर गत 15 फरवरी को सड़क दुर्घटना में घायल हो गया था उसे मेडीकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था, जहां उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामलें की जांच कर रही है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेद्वी RNI No. : MPHIN/2008/24240